हरिभूमि रायपुर भूमि

दो दर्जन चौराहों पर रोज जाम, खोला जाएगा लेफ्ट टर्न
जहां जरूरत, वहां बनेगी रोटरी, खर्च होंगे दस करोड़

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

राजधानी के 2 दर्जन प्रमुख चौराहों पर आए दिन हो रहे ट्रैफिक जाम की समस्या अब दूर की जायेगी। इसके लिए नगर निगम द्वारा ट्रैफिक विभाग के साथ मिलकर इन चौराहों को चिन्हांकित किया गया है। नगर उत्थान योजना के तहत संबंधित चौराहों को व्यवस्थित करने लेफ्ट टर्न खोला जायेगा। जरूरत के अनुसार संबंधित चौक में रोटरी का निर्माण होगा। वहीं भीड़ वाले

- नगर उत्थान योजना में होगा काम एजेंसी तय करने जल्द होगा टेंडर

चौराहों पर सिग्नल लगाने की व्यवस्था और बंद पड़े ट्रैफिक सिग्नल शुरू कराये जाएंगे। इस कार्य के लिए एजेंसी तय करने नगर निगम जल्द ऑनलाइन टेंडर करने की तैयारी में है।

शहर में नगर उत्थान योजना में 24 प्रमुख चौराहों की दशा सुधारने 10 करोड़ रुपये खर्च होंगे। इसके लिए नगर निगम को राज्य शासन से फंड मिलेगा। योजना के मुताबिक इसके लिए संबंधित चौराहों का सर्वे कराया गया है। निगम ने इस कार्य के लिए आर्किटेक्ट ⏭शेष पेज 13 पर

इन चौराहों पर लगता ट्रैफिक जाम, व्यवस्थित करेंगे

- पचपेड़ी नाका चौक
- शास्त्री चौक
- फाफाडीह चौक
- आमापारा चौक
- आजाद चौक, लाखेनगर चौक
- अनुपम गार्डन चौक
- तेलघानी नाका चौक
- समता कालोनी स्थित अग्रसेन चौक
- पिकाडली हॉटल मोहबा बाजार चौक
- सिविल लाइन स्थित कटोरातालाब चौक
- शंकर नगर चौक बिलो ब्रिज एरिया
- एनआईटी चौक
- अवंतिबाई चौक
- वीआईपी रोड स्थित फुंडहर चौक
- मोवा थाना चौक
- दलदल सिवनी टर्निंग पाइंट चौक
- कौशिल्या विहार गेट
- भनपुरी चौक

कटोरातालाब चौक पर रोज फंस रही गाड़ियां

सिविल लाइन स्थित कटोरातालाब क्षेत्र के नेताजी हॉटल चौक पर ट्रैफिक सिग्नल की व्यवस्था नहीं होने से यहां यातायात का दबाव ज्यादा रहता है। व्यावसायिक क्षेत्र होने और आसपास की विभिन्न कालोनियों से बड़ी संख्या में लोगों की आवाजाही ⏭शेष पेज 13 पर

खबर संक्षेप

पुलिस के अभियान में नौ बदमाश गिरफ्तार

रायपुर। शहर में आपराधिक घटनाओं को अंजाम देने वाले बदमाशों पर नकेल कसने एसएसपी डॉ. लाल उम्मेद सिंह के निर्देश पर पुलिस ने नौ बदमाशों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए उन्हें गिरफ्तार किया है। पुलिस ने 7 से 10 मई के बीच खमतराई में 2, सिविल लाइंस में 4, तिल्दा नेवरा में 2, तेलीबांधा में 1 एवं उरला में 1 बदमाश के खिलाफ कार्रवाई करते हुए गिरफ्तार किया है।

दोपहिया चोरी के आरोप में तीन शातिर गिरफ्तार

रायपुर। मुजगहन पुलिस ने घर के आंगन में खड़ा दोपहिया वाहन चोरी करने के आरोप में एक नाबालिग सहित तीन बदमाशों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने डोमा निवासी रेशमा बंजारे की शिकायत पर दुर्ग अम्लेश्वर निवासी खुमेश मेश्राम, कीर्तन साहू तथा एक नाबालिग को गिरफ्तार किया है। बदमाशों ने पिछले महीने दोपहिया चोरी की थी।

50 हजार का गांजा जब्त, तस्कर गिरफ्तार

रायपुर। डीडीनगर पुलिस ने एक तस्कर के कब्जे से 50 हजार रुपए कीमत का पौने पांच किलो गांजा जब्त किया है। पुलिस के अनुसार ओडिशा संबलपुर निवासी संजय विश्वकर्मा के कब्जे से गांजा जब्ती की गई है। संजय रायपुरा स्थित गोकुलधाम सोसायटी में किसी को गांजा देने के लिए पहुंचा था। इसी दौरान पुलिस ने संजय को गांजा के साथ ट्रैप किया।

बोतल फोड़ने से मना करने पर मारपीट

रायपुर। माना थाने में एक युवक ने अज्ञात लड़कों के खिलाफ चखना दुकान के पास शराब की खाली बोतल फोड़ने पर मारपीट करने की रिपोर्ट दर्ज कराई है। माना बस्ती निवासी मितेश्वर पटेल ने मारपीट करने की शिकायत दर्ज कराई है। मितेश्वर ने पुलिस को बताया कि अज्ञात लड़के बनारसी स्थित शराब दुकान के पास संचालित चखना सेंटर के आसपास शराब की खाली बोतल फोड़ रहे थे। मना करने पर लड़कों ने मितेश्वर के साथ मारपीट की।

पशु औषधालय से फ्रिज और टीके पार

रायपुर। चोरी की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं और इस बार चोरों ने पशुओं के सरकारी अस्पताल को भी नहीं छोड़ा। मंदिर हसौद के ग्राम नारा के पशु औषधालय का ताला तोड़कर चोरों ने वहां रखा फ्रिज और उसमें भरा जानवरों को लगाने वाला टीका चोरी कर ले गए। सुबह औषधालय के कर्मचारी वहां ड्यूटी पर पहुंचे तो उन्हें दरवाजे का ताला टूटा मिला। गायब सामान की कीमत 24 हजार रुपए आंकी गई है। वहां काम करने वाले कर्मचारी नवरत्न चौधरी की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज किया है।

सारागांव के समीप भीषण सड़क हादसा, जान गंवाने वाले सभी 13 रिश्तेदार

टूटा गम का पहाड़, मां और दोनों बच्चों की मौत
अस्पताल से गांव तक थमे नहीं भीड़ के आंसू

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

छट्ठी की खुशी मनाकर लौट रहे साहू परिवार के सारागांव के समीप भीषण सड़क हादसे में मारे गए 13 रिश्तेदारों का पोस्टमार्टम आंबेडकर अस्पताल में किया गया। मरचुरी के सामने माहौल गमगीन रहा और पोस्टमार्ट के बाद सभी शवों को मुक्ताजंली सेवा के अलग-अलग शव वाहनों से गृहग्राम के लिए रवाना किया गया है। जान गंवाने वालों में मां के साथ दो सगे भाई-बहन भी शामिल हैं।

एक्सीडेंट के बाद दर्जनभर घायलों को उपचार के लिए आंबेडकर अस्पताल लाया गया था। इसमें से सिर पर गंभीर चोट की वजह से दो मरीजों को डीके अस्पताल भेजा गया और शेष को प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई। घटना की जानकारी होने के बाद अस्पताल प्रशासन ने शीघ्र पोस्टमार्टम के लिए सारी तैयारी कर ली थी। सुबह सात बजे से यह प्रक्रिया शुरू हुई और 11 बजे तक पोस्टमार्टम के बाद शवों को उनके गृहग्राम रवाना कर दिया गया। पोस्टमार्टम के दौरान मरचुरी के सामने साहू परिवार और उनसे जुड़े लोगों की भीड़ लगी रही और उनकी आंखों में आंसू डबडबा रहे थे। पुलिस अधिकारियों के साथ स्वयं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डा. लाल उम्मेंद सिंह भी वहां मौजूद थे। शव को घर तक ले जाने के लिए वहां स्वास्थ्य विभाग की निशुल्क मुक्ताजंली सेवा के वाहनों की व्यवस्था की गई थी। मरचुरी से एक के बाद एक पॉलिथीन में लिपटे शवों और रिश्तेदारों का बिलखना देखकर वहां मौजूद तमाम लोगों की आंखें नम हो गईं।

गंभीर चोट वाले दो मरीजों को छोड़कर अस्पताल से अन्य को दी गई छुट्टी

इन्होंने गंवाई जान

1. भूमि साहू पिता सुशील साहू, 6 वर्ष आनंद गांव बेरला
2. उमंग साहू पिता सुशील साहू, 4 माह आनंद गांव बेरला
3. वर्षा साहू पति सुशील साहू, 27 वर्ष साकिन आनंद गांव बेरला
4. गीता साहू पति हीरा राम साहू ग्राम मोहंदी धरसीवां
5. प्रभा साहू पति रोहित कुमार, ग्राम मोहंदी धरसीवां
6. नंदनी साहू पति थानू साहू ग्राम मोहंदी धरसीवां
7. एकलव्य उर्फ वासु पिता विक्रम साहू, 7 वर्ष मोहंदी, धरसीवां
8. कुंती साहू पति मोती साहू, चटौद विधानसभा
9. कीर्ति साहू पति ढूजे राम साहू, चटौद विधानसभा
10. टिकेश्वरी साहू पति संदीप साहू, चटौद विधान सभा
11. टिकेश्वरी साहू पति विष्णु साहू, साकिन मनोहरा धरसींवा
12. महिमा साहू पिता केदार नाथ साहू, गोंदवारा खमतराई
13. राजबती साहू पति रामाधार साहू नगपुरा मंदिर हसौद

जान गंवाने वाली 9 महिलाएं

इस बड़े सड़क हादसे में जान गंवाने वालों में नौ महिलाएं शामिल हैं। सूत्रों के अनुसार चटौद के रहने वाले पुनीत साहू की पुत्री के बच्चे होने के कार्यक्रम में रिश्तेदार चौथिया छट्ठी शामिल होने ग्राम बाना बनारसी के नीलकंठ साहू के घर गए हुए थे। वापसी के दौरान उनका वाहन हादसे का शिकार हो गया, जिसमें 9 महिलाओं के साथ 2 लड़की, 1 लड़का और एक छोटी बच्ची की मौत हो गई।

खारुन एनीकट में एक और मौत, डेढ़ माह में सात डूबे

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

मुजगहन थाना क्षेत्र स्थित खारुन नदी के सातपाखर एनीकट में डूबने से एक 37 वर्षीय व्यक्ति की डूबने से मौत हो गई। घटना रविवार देर शाम की है। मृतक अपने अन्य पांच दोस्तों के साथ सातपाखर में पिकनिक मनाने गया था, इस दौरान हादसा हुआ। पुलिस तथा एसडीआरएफ की टीम पे दूसरे दिन रेस्क्यू कर लाश को पानी से बाहर निकाला।

- डेढ़ माह के भीतर खारुन में डूबने से सात लोगों की हो चुकी है मौत

पुलिस के अनुसार मृतक अजय यादव गुढ़ियारी, श्रीनगर का रहने वाला है। रविवार को अवकाश होने की वजह से वह अपने दोस्तों के साथ पिकनिक मनाने के साथ ⏭शेष पेज 13 पर

दोस्तों ने किया बचाने का प्रयास

पानी में बहता देख अजय को उसके दोस्तों ने बचाने की कोशिश की, लेकिन पानी की गहराई में समा जाने की वजह से अजय को उसके दोस्त नहीं बचा पाए और घटना की सूचना पुलिस को दी। मौके पर पुलिस तथा एसडीआरएफ की टीम देर शाम तक पतासाजी करने में जुटी रही। अंधेरा होने की वजह से एसडीआरएफ की टीम ने दूसरे दिन अजय को पानी में ढूंढकर बाहर निकाला।

डेढ़ माह में सात की मौत

खारुन नदी तथा एनीकट में अप्रैल से लेकर अब तक सात लोगों की डूबने से मौतें हुई हैं। गर्मी के दिनों में ज्यादातर लोग खारुन नदी के एनीकट में नहाने तथा पिकनिक मनाने के लिए जाते हैं। लापरवाही की वजह से वहां हादसे होते रहते हैं। सातपाखर एनीकट के एक तरफ का क्षेत्र अमलेश्वर थाने का है। एनीकट में ज्यादातर डूबने की घटनाएं पिकनिक मनाने गए लोगों के साथ हुई हैं।

65 लाख का हार 11 लाख में खरीदने वाले कोलकाता से दबोचे गए

- चोरी का सामान खरीदते थे रोहित और शेखर
- शिवनाथ एक्सप्रेस में चोरी का खुलासा, अंतरराज्यीय चोर गिरोह चढ़ा पुलिस के हत्थे

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

शिवनाथ एक्सप्रेस में 65 लाख रुपये की ज्वेलरी चोरी के मामले में जीआरपी ने हीरे खरीदने वाले आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। ट्रेन से चोरी करने वाले आरोपी ने कोलकाता में गहनें को 11 लाख बेच दिया था। जीआरपी ने खरीदार को पकड़ने के साथ आरोपी से ज्वेलरी भी बरामद कर ली है। बता दें कि घटना 4 अप्रैल को हुई थी, जब गोंदिया से रायपुर की यात्रा कर रही हिना पटेल का पर्स कोच एच 1 में राजनांदगांव और दुर्ग के बीच चोरी हो गया था। पर्स में दो हीरे के हार, चार अंगूठियां, कान के लटकन, 45,000 रुपये नकद और एक मोबाइल फोन था।

रेल एसपी श्वेता सिंहा ने बताया कि जांच के लिए गठित विशेष टीम ने कई स्टेशनों के सीसीटीवी फूटेज, रिजर्वेशन चार्ट ⏭शेष पेज 13 पर

हरिभूमि फॉलोअप

2023 और 2024 में चोरी भी की स्वीकार

आरोपियों ने 2023 और 2024 में छत्तीसगढ़ से गुजरने वाली ट्रेनों में अन्य चोरियों की बात स्वीकार की है। इनमें जीआरपी थाना बिलासपुर, भिलाई और डोंगरगढ़ के चार मामले शामिल हैं। फरार आरोपी रोहित उर्फ गोलू की तलाश जारी है। जीआरपी आरोपियों के गैंग को पकड़ने पर काम कर रही है। आरोपियों की गिरफ्तारी में बी. एन. मिश्रा प्रभारी सायबर सेल, निरीक्षक आर. के. बोर्झा थाना प्रभारी जीआरपी भिलाई, उप निरीक्षक राजेन्द्र सिंह चौकी प्रभारी दुर्ग, उप निरी० राकेश वर्मा थाना प्रभारी जीआरपी रायगढ़, सउनि. भास्कर पाणिग्राही जीआरपी रायगढ़, आर. प्रकाश साय पैकरा, आर. महेन्द्र मरकाम, आर. जैकी खान, आर. मोरजध्वज वर्मा आर. राजेश मिश्रा, आर. अजय तुमनिया, आर. राजदीप, आर. प्रआर. अरविंल तिर्की, आर. अवधेश मिश्रा, आर लकेश्वर मिरी, आर. बलराम साव (जीआरपी रायगढ़), आर. विष्णु सुमन, आर. राकेश ध्रुव (जीआरपी भिलाई) विशेष योगदान रहा।

धीमी रफ्तार मगर राजधानी में गर्मी 41 के पार, दोपहर उमस ने किया जमकर परेशान

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

धीमी रफ्तार के साथ राजधानी में गर्मी 41 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गई है। सोमवार को दोपहर यहां की उमस ने लोगों को जमकर परेशान किया। शहर के मौसम में अभी बड़ा बदलाव ही उम्मीद नहीं है, जिसकी वजह से गर्मी का बढ़ता प्रभाव महसूस होता रहेगा। अगले तीन दिनों में प्रदेश में अधिकतम तापमान में तीन डिग्री सेल्सियस तक की बढ़ोतरी होने के आसार हैं।

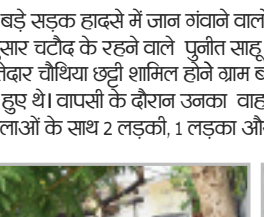

- प्रदेश में तीन दिन में तीन डिग्री तक बढ़ोतरी की उम्मीद

मौसम विशेषज्ञों का कहना है कि अभी प्रदेश के मौसम को प्रभावित करने वाला कोई बड़ा सिस्टम नहीं है, जिसकी वजह से मौसम में बदलाव होने की संभावना नहीं है। पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय है, बिहार से झारखंड तक मौजूद द्रोणिका की वजह से थोड़ी मात्रा में नमी का प्रवेश हो रहा है। इसकी वजह से हल्के बादल बन रहे हैं और दोपहर में उमस बढ़ने का अहसास हो रहा है। सोमवार को भी कुछ इसी तरह की स्थिति बनी रही जिससे बेचैनी महसूस हुई। विशेषज्ञों का कहना है कि नमी की वजह से गर्मी अपना तेज ⏭शेष पेज 13 पर

साइबर कैफे से भरा फॉर्म तो उनके खाते में ही वापस होगी फीस की राशि, व्यापम ने चेताया

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

राज्य सरकार द्वारा बीते दिनों व्यापम की परीक्षाओं में शामिल होने वाले अभ्यर्थियों से फीस लिए जाने संबंधित नई व्यवस्था लागू करने की घोषणा की गई थी। अब इसे लेकर व्यापम द्वारा विस्तृत दिशा-निर्देश जारी कर दिए गए हैं। लोक निर्माण विभाग के अंतर्गत इंजीनियर भर्ती परीक्षा से नए नियम लागू होंगे। अभ्यर्थियों को केवल ऑनलाइन भुगतान की ही सुविधा दी जाएगी। ऑनलाइन भुगतान के दौरान कैंडिडेट्स जिस किसी भी खाते से फीस का भुगतान करेंगे, राशि उसी खाते में वापस जाएगी। यदि कोई अभ्यर्थी साइबर कैफे की मदद से परीक्षा फॉर्म भरता है और कैफे संचालक द्वारा अपने खाते का प्रयोग करते हुए फीस भुगतान किया जाता है, तो राशि साइबर कैफे संचालक के खाते में ही जाएगी।

व्यापम ने जारी अधिसूचना में फीस वापसी संबंधित नियम स्पष्ट कर दिए हैं। इसके अलावा केवल छत्तीसगढ़ के स्थानीय निवासियों की ही फीस लौटाई जाएगी। दूसरे राज्यों ⏭शेष पेज 13 पर

इंजीनियर भर्ती परीक्षा से लागू हुआ नया नियम भुगतान के लिए केवल ऑनलाइन विकल्प

- छग के स्थानीय निवासियों को ही वापस मिलेगी राशि, अन्य राज्य के अभ्यर्थियों को राहत नहीं

113 पदों पर होगी भर्ती

लोक निर्माण विभाग की जिस भर्ती परीक्षा से नया नियम लागू किया गया है, उसके अंतर्गत 113 पदों पर भर्ती की जाएगी। लोक निर्माण विभाग में उप अभियंता सिविल के 96 तथा विद्युत व यांत्रिकी के 17 पद हैं। आवेदन 9 मई से प्रारंभ हो चुके हैं। 2 जून तक फॉर्म भरे जा सकते हैं। परीक्षा 13 जुलाई को होगी। अब व्यापम द्वारा निकलने वाली प्रत्येक भर्ती परीक्षा अथवा प्रवेश परीक्षा पर फीस संबंधित ये नियम ही लागू होंगे।

सामान्य वर्ग को 350 और ओबीसी को चुकाने होंगे 250

व्यापम द्वारा फीस की राशि में वृद्धि नहीं की गई है। कांग्रेस शासनकाल में फीस माफी संबंधित घोषणा के दौरान जो परीक्षा शुल्क निर्धारित था, वही राशि अब भी देय होगी। जारी अधिसूचना के अनुसार, सामान्य वर्ग को 350 रुपए, अन्य पिछड़ा वर्ग को 250 तथा अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति को 200 रुपए चुकाने होंगे। दो पेमेंट गेटवे व्यापम ने दिए हैं। दोनों में से किसी भी पेमेंट गेटवे पर क्लिक करने से ऑनलाइन भुगतान का विकल्प अभ्यर्थियों को मिलेगा।

वाहन चोरी के दो आरोपी गिरफ्तार, मिनीडोर बरामद

रायपुर। खमतराई थाना क्षेत्र में वाहन चोरी की घटना का खुलासा करते हुए पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। प्रार्थी यशवंत पटले ने विगत 5 मई को थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि उसने 3 मई की रात लगभग 8 बजे अपनी टाटा एस. वाहन क्रमांक सीजी-04 एलक्यू 3612 को अपने ट्रांसपोर्ट कार्यालय के सामने न्यू गोंदवारा में

खड़ा किया था और हीरापुर स्थित अपने घर चला गया। अगली सुबह 4 मई को जब वह वाहन लेने पहुंचा तो मौके से वाहन गायब मिला। पुलिस ने चोरी की बढ़ती घटनाओं को गंभीरता से लेते हुए सीसीटीवी फूटेज खंगाले गए और मुखबिरों को भी सक्रिय किया। मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर पुलिस को पता चला कि एक ⏭शेष पेज 13 पर

पाठक सूचना
हरिभूमि के सुधि पाठकों को
अखबार की प्रतियां नहीं मिल रही हो या अन्य अखबार दिया जा रहा हो तो हमें निम्न नंबर पर संपर्क करें या वाट्सअप करें
9827555678, 8224868411

सुशासन तिहार में विभागों के जरिए जिला प्रशासन की निगरानी में किए जा रहे समाधान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

जिला कलेक्टर कर रहे निगरानी, मुख्यमंत्री, मंत्री और स्थानीय विधायक ले रहे जानकारी

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ में आम जनता की शिकायतों एवं मांगों के त्वरित समाधान के लिए 'सुशासन तिहार' का आयोजन जारी है। तीसरे चरण में प्रदेशभर के गांवों और कस्बों में शासन-प्रशासन पूरी तत्परता के साथ आमजन की बातें सुन रहा है और उनका समाधान कर रहा है। मुख्यमंत्री स्वयं इस अभियान की निगरानी कर रहे हैं। वे गांवों के आकस्मिक दौरे कर रहे हैं। जिला कलेक्टरों ने समय सीमा की बैठक में सभी विभाग प्रमुखों को सुशासन तिहार के अंतर्गत अपने-अपने विभागों से संबंधित प्राप्त आवेदनों का निर्धारित समयावधि में निराकरण करने के निर्देश दिए हैं।

विभागों को भेजे जा रहे आवेदनों की मांग और शिकायतों के आधार पर हितग्राहियों से समाधान शिविर में मिलकर समाधान किया जा रहा है। बताया गया है कि उनकी मांग के आधार पर तत्काल पूरी की जाने वाली समस्या को हल किया जा रहा है। अगर वह शासन स्तर की है, तो सचिव को भेजकर उसके संबंध में हितग्राही को सूचना दी जा रही है। सभी जिलों में मुख्यमंत्री, प्रभारी मंत्री, विधायक इसका अवलोकन कर लोगों से उनके आवेदनों के संबंध में भी जानकारी ले रहे हैं। अब सुशासन तिहार के तहत अब तक 40 लाख 95 हजार से अधिक आवेदन प्राप्त हुए हैं, जिनका निराकरण किया जा रहा है। धमतरी जिला लगभग 2 लाख 28 हजार आवेदनों में से 99 प्रतिशत का निराकरण कर प्रथम स्थान पर है। धमतरी, महासमुंद, सक्ति, बालोद, रायगढ़, सारंगढ़-बिलाईगढ़, मुंगेली, रायपुर, सरगुजा, दंतेवाडा, दुर्ग, जांजगीर-चाम्पा, नारायणपुर, बीजापुर ने 90 प्रतिशत से अधिक आवेदनों का निराकरण कर लिया है।

गरियाबंद, गौरेला-पेंड्रा-मरवाही, बिलासपुर, राजनांदगांव, खैरागढ़-छुईखदान-गंडई, बलौदाबाजार-भाटापारा, मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी, कबीरधाम, बेमेतरा, जशपुर, कोरिया, कांकेर, सूरजपुर जिले ने 80 प्रतिशत से अधिक आवेदनों का समाधान किया है। बस्तर जिले में 78 प्रतिशत, कोण्डागांव में 71 प्रतिशत, बलरामपुर-रामानुजगंज जिलें में 61 प्रतिशत, मनेंद्रगढ़ चिरमिरी भरतपुर ने 59 प्रतिशत, कोरबा जिले ने 41.61 प्रतिशत तथा सुकमा जिले में 30 प्रतिशत से अधिक आवेदनों का निराकरण किया जा चुका है।

पंचायत विभाग से संबधित सबसे अधिक आवेदन

पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग को 25 लाख 77 हजार 747 आवेदन प्राप्त हुए। सुशासन तिहार के दौरान सर्वाधिक 10 लाख से अधिक आवेदन प्रधानमंत्री आवास योजना से संबंधित हैं। राजस्व विभाग को 3 लाख 74 हजार 429, खाद्य विभाग को 2 लाख 18 हजार 113 आवेदन मिले हैं। उज्ज्वला योजना से जुड़े 1.47 लाख और राशन कार्ड हेतु 1.12 लाख आवेदनों में से अधिकांश का समाधान कर दिया गया है। महिला एवं बाल विकास विभाग को 1 लाख 57 हजार और नगरीय प्रशासन विभाग को 1 लाख 42 हजार 475 आवेदन प्राप्त हुए। शहरी क्षेत्रों में सड़क निर्माण, पेयजल व्यवस्था और स्वच्छता से संबंधित मांगें भी प्रमुख हैं। निराकरण में महिला एवं बाल विकास विभाग प्रथम, श्रम विभाग दूसरे, तथा उद्योग, पशुपालन और खाद्य विभाग क्रमशः तीसरे, चौथे और पांचवें स्थान पर हैं।

रायपुर जिले में समाधान शिविर में जुटा प्रशासन

रायपुर जिले को 3 लाख 764 आवेदन प्राप्त हुए, जो राज्य में सर्वाधिक हैं। जिले के ग्रामीण क्षेत्र में समाधान पेटी, शिविर और पोर्टल पर ऑनलाइन 2,48,419 मांग और 4,733 शिकायतें प्राप्त हुई। वहीं, शहरी क्षेत्र में 4,2925 मांग और 2,608 शिकायतें प्राप्त हुई, ग्रामीण और शहरी क्षेत्र को मिलाकर जिले से 2,91,344 मांग और 7,341 शिकायतें प्राप्त हुई हैं। इसके बाद दूसरे क्रम पर बलौदाबाजार-भाटापारा जिला है। धमतरी, बिलासपुर और बस्तर क्रमशः तीसरे, चौथे और पांचवे स्थान पर हैं। निराकरण के मामले में धमतरी पहले, महासमुंद दूसरे और सक्ति जिला तीसरे स्थान पर है। बालोद और रायगढ़ चौथे और पांचवें क्रम पर हैं।

खबर संक्षेप

जाम नाली बनी मुसीबत, होटल परिसर में घुसा गंदा पानी

तिल्दा नेवरा। तिल्दा-सिमगा मुख्य मार्ग पर स्टेशन चौक के थोड़ा आगे वार्ड क्रमांक4 में स्थित होटल सूर्या एवं बीयर बार स्थित है, उसके ठीक सामने गंदा पानी निकासी के लिए नाली बना हुआ है लेकिन महीनों से नाली की साफ सफाई नहीं होने से नाली जाम हो गया है और नाली का गंदा पानी और कचरा, होटल सूर्या के परिसर में घुस रहा है। स्पष्ट रूप से देख सकते हैं तस्वीरों में किस तरह से नाली जाम है और गंदा पानी पूरा होटल के परिसर में घुस आया है, होटल का परिसर तालाब नुमा लग रहा है। यहां के कुछ कर्मचारियों ने बताया की लगभग दो माह हो गया है ऐसे ही स्थिति निर्मित हुए और दो महीना पहले ही इसकी शिकायत नगर पालिका में कर चुके हैं साथ ही बीच-बीच में भी इसकी शिकायत की जा रही है लेकिन किसी तरह का कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है। नगर पालिका अपने जिम्मेदारी को ठीक से निभा नहीं रहा है शिकायत के बाद भी सफाई नहीं हो रहा है।

भक्ति की निराली महिमा का श्रीरामचरितमानस में है चर्चा

रायपुर। मठपुरैना वाटर फिल्टर प्लांट परिसर में स्थित सर्व सिद्ध हनुमान मंदिर में वैशाख पूर्णिमा पर आयोजित श्रीरामचरितमानस के अखंड पाठ में भक्ति की महिमा का पाठकों ने वर्णन किया और भक्ति को जीवन के कल्याण के लिए अनिवार्य बताया। मंदिर समिति के अध्यक्ष मोहन लाल साहू और सोमनाथ निषाद ने मानस का शुभारंभ किया। अयोध्या कांड के केवट चरित का पाठ करते हुए कहा कि जीवन में समर्पण के बिना भक्ति की महिमा को समझा नहीं जा सकता है। भगवान श्रीराम के चरन धोने की बात पर केवट के अटपटे संवाद से भगवान हंस पड़े और उन्हें चरन धोने की अनुमति प्रदान की केवट के पितरों का उद्धार करके भक्ति की अनूठी महिमा का भगवान ने उपदेश दिया। पाठ में डीडी साहू ने संगीत में चौपाई-दोहों का गायन करके वातावरण को भक्तिमय बनाया। किशोर साहू ने अरण्यकांड का पाठ करते हुए शबरी माता के प्रसंग का सुंदर गायन करके भक्ति का संदेश दिया। मानस पाठ में बाबूलाल साहू, होरी लाल सोनकर, रामचंद्र पटेल, तुकाराम ध्रुव, भक्ति साहू का योगदान रहा। सोमवार को दोपहर हवन-पूजन का कार्य पं. घनश्यामदास वैष्णव ने पूरा किया और प्रसाद वितरण के साथ आयोजन की पूर्णाहुति की गई।

मृतकों के परिजनों को 20 लाख मुआवजा देने की मांग

तिल्दा-नेवरा। जनपद पंचायत के पूर्व अध्यक्ष देवव्रत गोलू नायक ने ग्राम बंगोली में हुए भीषण सड़क दुर्घटना पर अपनी संवेदना प्रकट कर कहा है कि यह सड़क हादसा हृदय विदारक घटना है। साथ ही उन्होंने कहा कि राज्य सरकार को मृतक के परिजनों को उचित मुआवजा देना चाहिए। उन्होंने कहा कि मृतकों के परिजनों को 20 लाख रुपए मुआवजा दिया जाना चाहिए। देवव्रत नायक ने कहा साथ ही घायलों का पूरा खर्च सरकार को उठाकर उनका समुचित उपचार करवाना चाहिए।

आठ साल से भर्ती नहीं, जितने पदस्थ उनमें भी कई रिटायर

कर्मचारियों की कमी से जूझ रहा खनिज विभाग

स्टॉफ की कमी इसलिए अवैध खनन-परिवहन पर नियंत्रण नहीं

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

रायपुर जिले में रेत, मुरुम, चूना पत्थर, फर्शी पत्थर सहित लगभग ढाई सौ खदानें हैं, जिनमें लगभग 50 खदानें ऐसी हैं, जिनमें अवैध रूप से खनिज सामग्री का उत्खनन कर परिवहन किया जा रहा है। इन खदानों में मुरुम, चूना पत्थर, फर्शी पत्थर के साथ रेत की खदानें भी शामिल हैं, जहां बिना पर्यावरण और खनिज विभाग से अनुमति लिए खनिज माफिया अपने लोगों द्वारा हर दिन लाखों रुपए की खनिज सामग्री की चोरी कराकर जमकर मुनाफा कमा रहे हैं। इधर खनिज विभाग चाहकर भी अवैध उत्खनन और परिवहन पर लगाम कस नहीं पा रहा है, जिसका बड़ा कारण विभाग में पर्याप्त बल की कमी है। खनिज विभाग में पिछले आठ वर्षों से सिपाहियों, सुपरवाइजरों, इंस्पेक्टरों की भर्ती ही नहीं की गई है, बल्कि जो पदस्थ थे, उनमें भी आधे से ज्यादा कर्मचारी रिटायर हो चुके हैं, जिसके कारण विभाग में स्टॉफ की कमी हो गई है। इस कारण नियमित रूप से खदानों की जांच भी नहीं की जा रही है, जिसका फायदा खनिज माफिया उठा रहे हैं।

चालू वर्ष में भी एक-दो कर्मचारी होंगे रिटायर

विभागीय सूत्रों के अनुसार चालू वर्ष में भी एक-दो कर्मचारी रिटायर होने वाले हैं। इनमें एक सुपरवाइर भी है। इस तरह विभाग में स्टॉफ की और कमी हो जाएगी। यही वजह है कि विभाग की टीम भी नियमिति रूप से खदानों का निरीक्षण नहीं कर पा रही है।

वर्ष 2016 के बाद नहीं हुई भर्ती

जिले में खनिज विभाग में वर्ष 2016 के बाद भर्ती ही नहीं की गई है। इस कारण स्टॉफ की भारी कमी हो गई है। जिले में पहले भरपूर स्टॉफ हुआ करता था। उप संचालक के अलावा 3 इंस्पेक्टर, दो खनिज अधिकारी के अलावा 9 सिपाही, 9 सुपरवाइजर पदस्थ थे। विभाग में पर्याप्त कर्मचारियों के होने से नियमिति रूप से खदानों का निरीक्षण भी किया जाता था, लेकिन अब इनमें कई रिटायर हो चुके हैं, जिनमें 1 इंस्पेक्टर, 6 सुपरवाइजर, 4 सिपाही शामिल हैं। इसके अलावा एक सिपाही की कोविड काल में मृत्यु हो चुकी है। इस तरह स्टॉफ में लगातार कमी है। रिटायर और मृत्यु हो चुके स्टॉफ की भरपाई के लिए अभी तक भर्ती नहीं की गई है।

जान का डर, इसलिए रात में निरीक्षण नहीं

जिले में खनिज विभाग में स्टॉफ का फायदा अब माफिया भी उठाने लगे हैं। यही कारण है कि माफिया अब दिन की जगह रात में खदानों में उत्खनन कराने लगे हैं। अभनपुर एवं नवा रायपुर क्षेत्र में ज्यादातर मुरुम की खदानों में रात के दौरान उत्खनन और परिवहन कराया जा रहा है। आरंग क्षेत्र में भी रेत और फर्शी पत्थर की कई खदानों में रात में अवैध खनन कराया जा रहा है। इसी प्रकार धरसींवा, मंदिर हसौद क्षेत्र में चूना पत्थर एवं मुरुम की कई खदानों में अवैध रूप से खनन कराया जा रहा है। इन सभी खदानों में रात के समय अवैध खनन हो रहा है। इसकी सूचना मिलने के बाद भी विभाग की टीम पर्याप्त बल और सुरक्षा व्यवस्था की कमी के कारण इन खदानों में छापामार कार्रवाई कर नहीं पाती।

रात में माफिया के गुर्गों का भय

रात के समय में ज्यादा खदानों में माफिया के लोग बड़ी संख्या में खनन का कार्य करते हैं। कई खदानों में तो माफिया के हथियारबंद गुर्गे भी मौजूद रहते हैं, वहीं कई लोग नशाकर यह काम करते हैं। ऐसे में बिना हथियार और सुरक्षा व्यवस्था के विभागीय टीम को कार्रवाई करने में जान का खतरा भी रहता है। उल्लेखनीय है कि स्टॉफ की कमी के बावजूद जिले में विभाग ने पिछले एक वर्ष के दौरान रेत, मुरुम, गिट्टी एवं फर्शी पत्थर के अवैध उत्खनन, परिवहन व भंडारण के प्रकरणों में कार्रवाई कर 1132 गाड़ियों को पकड़ा है। इसके अलावा पोकलेन व चेन माउंटेन सहित लगभग 40 मशीनें भी जब्त की गई हैं। इन सभी प्रकरणों में कुल 3 करोड़ 85 लाख रुपए का अर्थदंड भी वसूला है। हालांकि जिस तरह से जिले में खनिज सामग्री का अवैध खनन और परिवहन हो रहा है। उसकी तुलना में बहुत कम कार्रवाई की गई है। विभाग के पास अगर पर्याप्त स्टॉफ मौजूद होता, तो गाड़ियों-मशीनों की जब्ती के साथ अर्थदंड राशि का आंकड़ा भी कई गुना ज्यादा होता।

स्टॉफ की कमी के बाद भी नियमित जांच-कार्रवाई जारी

स्टॉफ की कमी हैं, लेकिन अवैध खनन और परिवहन को रोकने का पूरा प्रयास किया जा रहा है। एक साल की कार्रवाई बताती है कि विभाग सक्रिय है। स्टॉफ की कमी को दूर करने के लिए नई भर्ती की जानी चाहिए।

- **केके गोलघाटे**, उप संचालक
खनिज विभाग रायपुर

रायगढ़ बना प्रदेश का पहला डिजिटल पंचायत जिला

80 अब ग्राम पंचायतों में यूपीआई से हो रही टैक्स वसूली

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

छत्तीसगढ़ का रायगढ़ जिला प्रदेश का पहला ऐसा जिला बन गया है, जहां ग्राम पंचायतों में टैक्स और शुल्क का भुगतान अब डिजिटल माध्यम यानी यूपीआई के जरिए किया जा रहा है। प्रॉपर्टी टैक्स, बाजार शुल्क, जलकर और स्वच्छता कर जैसे भुगतान अब ग्रामीण अपने मोबाइल फोन से आसानी से कर रहे हैं। रायगढ़ जिले ने डिजिटल भुगतान प्रणाली को गांवों तक पहुंचाकर ग्रामीण शासन व्यवस्था को नई दिशा दी है। जिले की सभी 549 ग्राम पंचायतों में यूपीआई आधारित टैक्स वसूली की व्यवस्था लागू कर दी गई है। पंचायत भवनों और सार्वजनिक स्थानों पर यूपीआई क्यूआर कोड लगाए गए हैं, जिससे ग्रामीणजन घर बैठे ही अपने टैक्स भर पा रहे हैं।

इस प्रणाली ने न केवल पारदर्शिता को बढ़ावा दिया, बल्कि इससे पंचायतों की आमदनी में भी उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। तत्कालीन कलेक्टर श्री गोयल ने 12 मार्च को प्रधानमंत्री अवॉर्ड की स्क्रीनिंग कमेटी के सामने इस नवाचार मॉडल की विस्तृत प्रस्तुति दी। उन्होंने बताया कि यूपीआई प्रणाली से टैक्स कलेक्शन में बीते वित्तीय वर्ष की तुलना में 117 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। कई पंचायतों में टैक्स वसूली दोगुनी से भी ज्यादा हो गई है। पहले जहां ग्रामीणों को मैनुअल भुगतान में कठिनाई होती थी, वहीं अब वे मोबाइल से सरलता से भुगतान कर पा रहे हैं।

ग्राम सभाओं में बढ़ी भागीदारी

रायगढ़ जिले के 7 में से 5 ब्लॉक आदिवासी बाहुल्य हैं और यहां भी यह डिजिटल भुगतान प्रणाली लागू कर दी गई है। खास बात यह है कि 330 पीवीटीजी बिरहोर परिवारों ने भी यूपीआई से टैक्स भुगतान शुरू कर दिया है, जो डिजिटल समावेशन की दिशा में एक बड़ी उपलब्धि मानी जा रही है। यूपीआई प्रणाली लागू होने के बाद ग्राम सभाओं में लोगों की भागीदारी भी बढ़ी है। तीन पंचायतों में किए गए विश्लेषण से पता चला है कि ग्राम सभाओं में लोगों की उपस्थिति में 57 प्रतिशत तक इजाफा हुआ है। इससे साफ है कि ग्रामीण अब पंचायत व्यवस्था में अधिक रुचि ले रहे हैं।

जनजातीय संग्रहालय का सीएम कल करेंगे लोकार्पण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

नवा रायपुर स्थित आदिम जाति अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान परिसर प्रदेश के जनजातीय शैली, संस्कृति एवं परंपराओं पर आधारित संग्रहालय लगभग 9 करोड़ रुपए की लागत से बनकर तैयार हो गया है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय 14 मई को इस संग्रहालय का लोकार्पण करेंगे।

आदिम जाति विकास विभाग के अधिकारियों ने बताया कि संग्रहालय में डिजिटल एवं एआई तकनीक के माध्यम से जनजातीय संस्कृति का भी प्रदर्शन किया गया है। क्यूआर कोड स्कैन करते ही सम्बंधित झांकी की सम्पूर्ण जानकारी मोबाइल पर उपलब्ध हो जाएगी। अधिकारियों ने बताया कि शुभारंभ अवसर पर मुख्यमंत्री के हाथों नवनियुक्त छात्रावास अधीक्षक को नियुक्ति प्रमाण-पत्र भी प्रदान करने साथ ही प्रयास आवासीय विद्यालय के जेईई मेंस 2025 में क्वालिफाई करने वाले छात्रों का सम्मान भी किया जाएगा। गौरतलब है कि जनजातीय संग्रहालय में कुल 14 गैलरियां हैं, जिनमें जनजातीय जीवनशैली के सभी पहलुओं का बहुत ही खूबसूरत ढ़ंग से जीवंत प्रदर्शन किया गया है।

इनमें जनजातियों के भौगोलिक विवरण, तीज-त्यौहार, पर्व-महोत्सव तथा विशिष्ट संस्कृति, आवास एवं घरेलू उपकरण, शिकार उपकरण, वस्त्र (परिधान) एवं आभूषण, कृषि तकनीक एवं उपकरणों, जनजातीय नृत्य, जनजातीय वाद्ययंत्रों, आग जलाने, लौह निर्माण, रस्सी निर्माण, फसल मिंजाई (पौधों से बीज अलग करना), कत्था निर्माण, चिवड़ा-लाई निर्माण, मंद आसवन, अन्न कुटाई व पिसाई, तेल प्रसंस्करण हेतु उपयोग में लाने जाने वाले उपकरणो व परंपरागत तकनीकों, को दर्शाया गया हैं।

मरीज की खातिर नर्स माता-पिता, सत्य साईं संजीवनी हास्पिटल छत्तीसगढ़ की धड़कन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

अंर्तराष्ट्रीय नर्स दिवस पर सत्य साईं संजीवनी हास्पिटल पहुंचे उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने कहा कि मरीजों के लिए नर्स माता-पिता, भाई -बहन सभी होती है।

मरीजों को स्वस्थ करने में उनकी भूमिका अग्रणी होती है। साव ने कहा कि यह हास्पिटल छत्तीसगढ़ की धड़कन है। यह अस्पताल अब तक 36 हजार बच्चों को नया जीवन दे चुका है। नर्स दिवस पर आयोजित समारोह में बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए डॉ. सी. राजेश्वरी ऑडिटोरियम में आयोजित समारोह में मुख्य अतिथि साव, श्री सत्य साई हेल्थ एंड एजूकेशन ट्रस्ट के चेयरमैन डॉ. सी. श्रीनिवास, चेयरमैनद्वारा पारंपरिक दीप प्रज्वलन किया। शुरुआत में श्री सत्य साईं इंस्टिट्यूट ऑफ नर्सिंग एंड एलाइड हेल्थ केयर साइंसेज के छात्रों ने कार्डियो पल्मोनरी रिससिटेशन (सीपीआर) पर एक संगीतमय प्रस्तुति दी।

नहरों के माध्यम से जल परिवहन की हानि को रोकने आधुनिक तकनीकों का उपयोग जरूरी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने मुख्यमंत्री निवास कार्यालय में प्रदेश के सिंचाई ढांचे को सशक्त बनाने के उद्देश्य से जल संसाधन विभाग के कार्यों की गहन समीक्षा की। उन्होंने कहा, प्रदेश के मौजूदा सिंचाई परियोजनाओं के रखरखाव और मरम्मत पर विशेष ध्यान दिया जाए। मुख्यमंत्री ने वरिष्ठ विभागीय अधिकारियों को नियमित रूप से फील्ड विजिट करने के निर्देश दिए और जल अपव्यय रोकने के साथ ही जल का अधिक से अधिक उपयोग कृषि कार्यों में हो, यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने प्रदेश के सभी बांधों की जल भराव क्षमता, वर्तमान सिंचाई स्थिति और आगामी परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने कहा, नहरों के माध्यम से जल परिवहन में होने वाली हानि को रोकने के लिए आधुनिक तकनीकों का उपयोग जरूरी है। उन्होंने जल उपयोग की दक्षता बढ़ाने के लिए अंडरग्राउंड पाइपलाइन व्यवस्था के माध्यम से आवश्यक कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए। साथ ही सिंचाई योजनाओं में रूपांकित सिंचाई क्षमता और वास्तविक क्षमता के बीच के अंतर को कम करने के लिए ठोस कार्ययोजना बनाने के भी निर्देश दिए। बस्तर एवं सरगुजा संभाग में लंबे समय से अधूरी योजनाओं को पूर्ण करने के लिए आवश्यक कार्यवाही की जाये।

26 विकासखंडों में भूजल बढ़ाने बनाएं प्रोजेक्ट

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने निर्माणाधीन वृहद परियोजनाओं को शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए, ताकि किसानों को समय से योजना का लाभ प्राप्त हो सके। उन्होंने बड़ी परियोजनाओं में भारत सरकार से वित्तीय सहायता प्राप्त करने के लिए आवश्यक प्रस्ताव यथाशीघ्र तैयार करने को कहा। मुख्यमंत्री ने राज्य में भू-जल की दृष्टि से क्रिटिकल/सेमी क्रिटिकल घोषित 26 विकासखण्डो में परियोजनाओं के निर्माण के लिए प्रस्ताव तैयार करने के भी निर्देश दिए।

निर्माणाधीन वृहद परियोजनाओं को शीघ्र पूर्ण करें : केदार

इस अवसर पर जल संसाधन मंत्री केदार कश्यप ने निर्माणाधीन वृहद परियोजनाओं को शीघ्र पूर्ण करने के सम्बन्ध में निर्देश दिए। बैठक में सचिव जल संसाधन विभाग राजेश सुकुमार टोप्पो ने विभागीय गतिविधियों की जानकारी देते हुए निर्माणधीन एवं प्रस्तावित सिंचाई योजनाओं से भी मुख्यमंत्री को अवगत कराया।

मृतक के परिजनों को 5-5 लाख और घायलों को 50-50 हजार मुआवजा देने की घोषणा

खरोरा सड़क हादसा : सीएम साय ने जताया गहरा शोक, परिवार को मदद का ऐलान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

खरोरा में दर्दनाक सड़क हादसा हुआ, जिसमें 13 लोगों की मौत हुई है। हादसे में 14 गंभीर रूप से घायल हुए हैं। हादसे में जान गंवाने वालों के परिवार के प्रति सीएम विष्णुदेव साय समेत राजनीति से जुड़े बड़े नेताओं ने शोक व्यक्त किया है। डिप्टी सीएम अरुण साव और नेता प्रतिपक्ष चरणदास महंत ने घटना को अत्यंत दुखद बताया है। वहीं साय सरकार ने मृतकों के परिवार को 5-5 लाख और घायलों को पचास-पचास हजार रुपए की मदद देने का ऐलान किया है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने खरोरा क्षेत्र में हुई भीषण सड़क दुर्घटना पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए मृतकों के परिजनों के प्रति संवेदना प्रकट की है। दुखद घटना में 13 लोगों की मृत्यु और 14 अन्य गंभीर रूप से घायल हुए हैं। उन्होंने कहा, खरोरा में हुए भीषण सड़क हादसे की खबर अत्यंत पीड़ादायक है। मैं दिवंगत आत्माओं की शांति और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की ईश्वर से प्रार्थना करता हूं।

संकट की इस घड़ी में राज्य सरकार पीड़ित परिवारों के साथ पूरी संवेदनशीलता के साथ खड़ी है। राज्य सरकार मृतकों के परिजनों को पांच-पांच लाख रुपए और घायलों को पचास-पचास हजार रुपए की सहायता राशि प्रदान करेगी। जिला प्रशासन को त्वरित राहत एवं बचाव कार्यों की सतत निगरानी करने के निर्देश दिए हैं।

13 की हुई है मौत

सड़क हादसे की होगी जांच

उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने भी सड़क हादसे पर दुःख जताया है। उन्होंने कहा, अत्यंत हृदय विदारक घटना हुई है, इसमें 13 लोगों का दुखद निधन हुआ है। दुख की इस घड़ी में सरकार पीड़ित परिवार के साथ है, जो घायल हैं, उनका इलाज अंबेडकर अस्पताल में चल रहा है। उन्होंने कहा, इस हादसे की जांच होगी। जांच के बाद दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। सरकार प्रभावित परिवारों को हरसंभव मदद देगी।

हादसे की खबर पीड़ादायक : महंत

वहीं नेता प्रतिपक्ष डॉ चरणदास महंत ने भी इस सड़क हादसे पर दुख व्यक्त किया है। उन्होंने कहा, यह भीषण सड़क हादसे की खबर अत्यंत दुःखद और पीड़ादायक है। इस हृदयविदारक घटना में सभी मृतकों को विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। ईश्वर से प्रार्थना है कि वे दिवंगत आत्माओं को शांति और परिजनों को यह दुःख सहन करने की शक्ति प्रदान करें। प्रशासन सभी घायलों के शीघ्र उपचार के लिए उच्च स्तरीय इलाज करवाए। सभी के जल्द स्वस्थ होने की प्रार्थना करता हूं।

पूर्व सीएम ने जताई चिंता

पूर्व सीएम भूपेश बघेल ने सोमवार को राज्य में बढ़ती दुर्घटनाओं पर चिंता जताई और सरकार से इन्हें गंभीरता से लेने का आग्रह किया। उन्होंने भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाली सरकार से सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के लिए कुछ उपाय करने के साथ ही पीड़ितों के परिवारों को अनुग्रह राशि देने का अनुरोध करते हुए अपनी संवेदना भी व्यक्त की। उन्होंने कहा, मुझे जानकारी मिली है कि कल और आज को मिलाकर कुल 23 लोगों की अलग-अलग सड़क दुर्घटनाओं में मौत हुई है। मैं अपनी संवेदना व्यक्त करता हूं। मैं सरकार से अनुरोध करता हूं कि वह इन सड़क दुर्घटना मामलों को गंभीरता से ले। ऐसी सड़क दुर्घटनाओं को आगे होने से रोकने के लिए कुछ उपाय करने चाहिए।

पीएम राष्ट्रीय राहत कोष से मृतकों को परिजनों को 2 लाख की मदद

देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी सोशल मीडिया पर ट्विट करते हुए मृतकों को श्रद्धांजलि दी है। उन्होंने इस हादसे के मृतकों के परिजनों के लिए प्रधानमंत्री राहत कोष से आर्थिक सहायता राशि दिए जाने का भी ऐलान किया है। अपने ट्विट में पीएम मोदी ने लिखा है कि "रायपुर, छत्तीसगढ़ में एक सड़क दुर्घटना के कारण लोगों की मृत्यु से गहरा दुख हुआ। उन लोगों के प्रति संवेदना जिन्होंने अपने प्रियजनों को खोया है। घायल शीघ्र स्वस्थ हों। प्रत्येक मृतक के निकटतम परिजन को प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष से 2 लाख रुपए दिए जाएंगे। घायलों को 50,000 रुपए दिए जाएंगे।

सुशासन तिहार में विभागों के जरिए जिला प्रशासन की निगरानी में किए जा रहे समाधान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

जिला कलेक्टर कर रहे निगरानी, मुख्यमंत्री, मंत्री और स्थानीय विधायक ले रहे जानकारी

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ में आम जनता की शिकायतों एवं मांगों के त्वरित समाधान के लिए 'सुशासन तिहार' का आयोजन जारी है। तीसरे चरण में प्रदेशभर के गांवों और कस्बों में शासन-प्रशासन पूरी तत्परता के साथ आमजन की बातें सुन रहा है और उनका समाधान कर रहा है। मुख्यमंत्री स्वयं इस अभियान की निगरानी कर रहे हैं। वे गांवों के आकस्मिक दौरे कर रहे हैं। जिला कलेक्टरों ने समय सीमा की बैठक में सभी विभाग प्रमुखों को सुशासन तिहार के अंतर्गत अपने-अपने विभागों से संबंधित प्राप्त आवेदनों का निर्धारित समयावधि में निराकरण करने के निर्देश दिए हैं।

विभागों को भेजे जा रहे आवेदनों की मांग और शिकायतों के आधार पर हितग्राहियों से समाधान शिविर में मिलकर समाधान किया जा रहा है। बताया गया है कि उनकी मांग के आधार पर तत्काल पूरी की जाने वाली समस्या को हल किया जा रहा है। अगर वह शासन स्तर की है, तो सचिव को भेजकर उसके संबंध में हितग्राही को सूचना दी जा रही है। सभी जिलों में मुख्यमंत्री, प्रभारी मंत्री, विधायक इसका अवलोकन कर लोगों से उनके आवेदनों के संबंध में भी जानकारी ले रहे हैं। अब सुशासन तिहार के तहत अब तक 40 लाख 95 हजार से अधिक आवेदन प्राप्त हुए हैं, जिनका निराकरण किया जा रहा है। धमतरी जिला लगभग 2 लाख 28 हजार आवेदनों में से 99 प्रतिशत का निराकरण कर प्रथम स्थान पर है। धमतरी, महासमुंद, सक्ति, बालोद, रायगढ़, सारंगढ़-बिलाईगढ़, मुंगेली, रायपुर, सरगुजा, दंतेवाडा, दुर्ग, जांजगीर-चाम्पा, नारायणपुर, बीजापुर ने 90 प्रतिशत से अधिक आवेदनों का निराकरण कर लिया है।

गरियाबंद, गौरेला-पेंड्रा-मरवाही, बिलासपुर, राजनांदगांव, खैरागढ़-छुईखदान-गंडई, बलौदाबाजार-भाटापारा, मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी, कबीरधाम, बेमेतरा, जशपुर, कोरिया, कांकेर, सूरजपुर जिले ने 80 प्रतिशत से अधिक आवेदनों का समाधान किया है। बस्तर जिले में 78 प्रतिशत, कोण्डागांव में 71 प्रतिशत, बलरामपुर-रामानुजगंज जिलें में 61 प्रतिशत, मनेंद्रगढ़ चिरमिरी भरतपुर ने 59 प्रतिशत, कोरबा जिले ने 41.61 प्रतिशत तथा सुकमा जिले में 30 प्रतिशत से अधिक आवेदनों का निराकरण किया जा चुका है।

पंचायत विभाग से संबधित सबसे अधिक आवेदन

पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग को 25 लाख 77 हजार 747 आवेदन प्राप्त हुए। सुशासन तिहार के दौरान सर्वाधिक 10 लाख से अधिक आवेदन प्रधानमंत्री आवास योजना से संबंधित हैं। राजस्व विभाग को 3 लाख 74 हजार 429, खाद्य विभाग को 2 लाख 18 हजार 113 आवेदन मिले हैं। उज्ज्वला योजना से जुड़े 1.47 लाख और राशन कार्ड हेतु 1.12 लाख आवेदनों में से अधिकांश का समाधान कर दिया गया है। महिला एवं बाल विकास विभाग को 1 लाख 57 हजार और नगरीय प्रशासन विभाग को 1 लाख 42 हजार 475 आवेदन प्राप्त हुए। शहरी क्षेत्रों में सड़क निर्माण, पेयजल व्यवस्था और स्वच्छता से संबंधित मांगें भी प्रमुख हैं। निराकरण में महिला एवं बाल विकास विभाग प्रथम, श्रम विभाग दूसरे, तथा उद्योग, पशुपालन और खाद्य विभाग क्रमशः तीसरे, चौथे और पांचवें स्थान पर हैं।

रायपुर जिले में समाधान शिविर में जुटा प्रशासन

रायपुर जिले को 3 लाख 764 आवेदन प्राप्त हुए, जो राज्य में सर्वाधिक हैं। जिले के ग्रामीण क्षेत्र में समाधान पेटी, शिविर और पोर्टल पर ऑनलाइन 2,48,419 मांग और 4,733 शिकायतें प्राप्त हुई। वहीं, शहरी क्षेत्र में 4,2925 मांग और 2,608 शिकायतें प्राप्त हुई, ग्रामीण और शहरी क्षेत्र को मिलाकर जिले से 2,91,344 मांग और 7,341 शिकायतें प्राप्त हुई हैं। इसके बाद दूसरे क्रम पर बलौदाबाजार-भाटापारा जिला है। धमतरी, बिलासपुर और बस्तर क्रमशः तीसरे, चौथे और पांचवे स्थान पर हैं। निराकरण के मामले में धमतरी पहले, महासमुंद दूसरे और सक्ति जिला तीसरे स्थान पर है। बालोद और रायगढ़ चौथे और पांचवें क्रम पर हैं।

खबर संक्षेप

भूपेश ने ऑपरेशन सिंदूर को बताया अनसक्सेस

रायपुर। छत्तीसगढ़ के पूर्व सीएम और कांग्रेस महासचिव भूपेश बघेल ने सोमवार को नई दिल्ली में प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इस दौरान उन्होंने संसद का विशेष सत्र बुलाने की मांग की। भूपेश बघेल ने ऑपरेशन सिंदूर पर सवाल उठाते हुए कहा, जिन आतंकियों ने हमला किया था क्या वो पकड़े गए? अगर नहीं तो ऑपरेशन को कैसे सफल कह सकते हैं। बघेल ने ये भी कहा, "अगर ऑपरेशन सिंदूर सफल रहा, तो सरकार विशेष सत्र क्यों नहीं बुलाती। वहां सवाल भी हो जाएंगे, जवाब भी दे दिया जाएगा। पूरा देश सुन लेगा, दुनिया भी सुन लेगी। उनके बयान पर छत्तीसगढ़ सरकार के मंत्री रामविचार नेताम ने कहा कांग्रेस नेता इस तरह से बयान दे रहे हैं, कहीं वे आतंकियों से मिले तो नहीं थे। पहलगाम के आतंकियों का क्या हुआ? श्री बघेल ने कहा, यदि 26 लोगों की जानें गई हैं, वो चार या पांच जितने भी आतंकवादी रहे, पकड़े गए क्या? यदि पकड़े नहीं गए हैं, तो ऑपरेशन सिंदूर कैसे सफल मानेंगे आप? दूसरा, उसका जिम्मेदार कौन है? इस चूक का? आपके आश्वासन पर तो लोग कश्मीर गए कि सबकुछ सामान्य है, आप चले जाइए।

पीएम मोदी का उद्बोधन ऐतिहासिक : किरण देव

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा दिए गए देश के नाम संदेश को ऐतिहासिक और आश्वस्तिदायक बताया है। श्री देव ने कहा, देश बिल्कुल आश्वस्त है कि पीएम मोदी के शासन में पूर्णतः सुरक्षित है, और उनके रहते भारत के विरुद्ध उठे हाथ को तोड़ दिया जाएगा। तरेरने वाली आंख को फोड़ दिया जाएगा। श्री देव ने कहा कि 'ऑपरेशन सिन्दूर' के जरिए भारत ने बहुत बड़ा काम करके दिखाया है। अभी तक जो नहीं हो पाया था, वह इस बार भारत ने कर दिखाया है। श्री देव ने कहा, भारत की ओर से पहलगाम आतंकी हमले के तुरंत बाद लिए गए फैसलों ने पाकिस्तान को घुटनों पर ला दिया है। श्री देव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने पाकिस्तान के साथ सहनशीलता की सीमाओं को फिर से परिभाषित कर साफ कर दिया है कि भारत और भारतीय सेना संभावित पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवादी हमले के सामने बिना किसी चेतावनी के आगे बढ़ने के लिए तैयार हैं। श्री देव ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर ने स्पष्ट रूप से आत्मविश्वास और वास्तविक रणनीतिक स्वायत्तता और संप्रभुता की मजबूत भावना को प्रदर्शित किया। पहली बार भारत ने यह स्थापित किया कि आतंकवादी और आतंकवादी समर्थकों में कोई अंतर नहीं है।

कांग्रेस कार्यकर्ता की हत्या कब रुकेगी टार्गेट किलिंग

रायपुर। बस्तर के मारुड़बका निवासी कांग्रेस कार्यकर्ता नागा भंडारी की लिंगापुर मेले में नक्सलियों ने क्रूरता पूर्वक हत्या कर दी। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा, नक्सलियों द्वारा की गई इस कायराना हरक़त की जितनी निंदा की जाए कम है। भंडारी परिवार के प्रति संवेदनाएं व्यक्त करता हूं एवं उनकी आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना करता हूं। उन्होंने कहा, छह माह पूर्व भी इसी तरह से ग्राम उसूर में उनके छोटे भाई तिरुपति भंडारी की दिनदहाड़े हत्या कर दी गई थी। आखिर कांग्रेस कार्यकर्ताओं और आम आदिवासियों की ये टारगेट किलिंग कब खत्म होगी। सरकार आदिवासियों को सुरक्षा मुहैया कराने में पूरी तरह विफल है। उन्होंने कहा, सरकार नक्सलवाद खत्म करने का दंभ तो भर रही है, परन्तु ग्राउंड जीरो में हालात जस के तस बने हुए हैं।

आठ साल से भर्ती नहीं, जितने पदस्थ उनमें भी कई रिटायर

कर्मचारियों की कमी से जूझ रहा खनिज विभाग

स्टॉफ की कमी इसलिए अवैध खनन-परिवहन पर नियंत्रण नहीं

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

रायपुर जिले में रेत, मुरुम, चूना पत्थर, फर्शी पत्थर सहित लगभग ढाई सौ खदानें हैं, जिनमें लगभग 50 खदानें ऐसी हैं, जिनमें अवैध रूप से खनिज सामग्री का उत्खनन कर परिवहन किया जा रहा है। इन खदानों में मुरुम, चूना पत्थर, फर्शी पत्थर के साथ रेत की खदानें भी शामिल हैं, जहां बिना पर्यावरण और खनिज विभाग से अनुमति लिए खनिज माफिया अपने लोगों द्वारा हर दिन लाखों रुपए की खनिज सामग्री की चोरी कराकर जमकर मुनाफा कमा रहे हैं। इधर खनिज विभाग चाहकर भी अवैध उत्खनन और परिवहन पर लगाम कस नहीं पा रहा है, जिसका बड़ा कारण विभाग में पर्याप्त बल की कमी है। खनिज विभाग में पिछले आठ वर्षों से सिपाहियों, सुपरवाइजरों, इंस्पेक्टरों की भर्ती ही नहीं की गई है, बल्कि जो पदस्थ थे, उनमें भी आधे से ज्यादा कर्मचारी रिटायर हो चुके हैं, जिसके कारण विभाग में स्टॉफ की कमी हो गई है। इस कारण नियमित रूप से खदानों की जांच भी नहीं की जा रही है, जिसका फायदा खनिज माफिया उठा रहे हैं।

चालू वर्ष में भी एक-दो कर्मचारी होंगे रिटायर

विभागीय सूत्रों के अनुसार चालू वर्ष में भी एक-दो कर्मचारी रिटायर होने वाले हैं। इनमें एक सुपरवाइर भी है। इस तरह विभाग में स्टॉफ की और कमी हो जाएगी। यही वजह है कि विभाग की टीम भी नियमिति रूप से खदानों का निरीक्षण नहीं कर पा रही है।

वर्ष 2016 के बाद नहीं हुई भर्ती

जिले में खनिज विभाग में वर्ष 2016 के बाद भर्ती ही नहीं की गई है। इस कारण स्टॉफ की भारी कमी हो गई है। जिले में पहले भरपूर स्टॉफ हुआ करता था। उप संचालक के अलावा 3 इंस्पेक्टर, दो खनिज अधिकारी के अलावा 9 सिपाही, 9 सुपरवाइजर पदस्थ थे। विभाग में पर्याप्त कर्मचारियों के होने से नियमिति रूप से खदानों का निरीक्षण भी किया जाता था, लेकिन अब इनमें कई रिटायर हो चुके हैं, जिनमें 1 इंस्पेक्टर, 6 सुपरवाइजर, 4 सिपाही शामिल हैं। इसके अलावा एक सिपाही की कोविड काल में मृत्यु हो चुकी है। इस तरह स्टॉफ में लगातार कमी है। रिटायर और मृत्यु हो चुके स्टॉफ की भरपाई के लिए अभी तक भर्ती नहीं की गई है।

जान का डर, इसलिए रात में निरीक्षण नहीं

जिले में खनिज विभाग में स्टॉफ का फायदा अब माफिया भी उठाने लगे हैं। यही कारण है कि माफिया अब दिन की जगह रात में खदानों में उत्खनन कराने लगे हैं। अभनपुर एवं नवा रायपुर क्षेत्र में ज्यादातर मुरुम की खदानों में रात के दौरान उत्खनन और परिवहन कराया जा रहा है। आरंग क्षेत्र में भी रेत और फर्शी पत्थर की कई खदानों में रात में अवैध खनन कराया जा रहा है। इसी प्रकार धरसींवा, मंदिर हसौद क्षेत्र में चूना पत्थर एवं मुरुम की कई खदानों में अवैध रूप से खनन कराया जा रहा है। इन सभी खदानों में रात के समय अवैध खनन हो रहा है। इसकी सूचना मिलने के बाद भी विभाग की टीम पर्याप्त बल और सुरक्षा व्यवस्था की कमी के कारण इन खदानों में छापामार कार्रवाई कर नहीं पाती।

रात में माफिया के गुर्गों का भय

रात के समय में ज्यादा खदानों में माफिया के लोग बड़ी संख्या में खनन का कार्य करते हैं। कई खदानों में तो माफिया के हथियारबंद गुर्गे भी मौजूद रहते हैं, वहीं कई लोग नशाकर यह काम करते हैं। ऐसे में बिना हथियार और सुरक्षा व्यवस्था के विभागीय टीम को कार्रवाई करने में जान का खतरा भी रहता है। उल्लेखनीय है कि स्टॉफ की कमी के बावजूद जिले में विभाग ने पिछले एक वर्ष के दौरान रेत, मुरुम, गिट्टी एवं फर्शी पत्थर के अवैध उत्खनन, परिवहन व भंडारण के प्रकरणों में कार्रवाई कर 1132 गाड़ियों को पकड़ा है। इसके अलावा पोकलेन व चेन माउंटेन सहित लगभग 40 मशीनें भी जब्त की गई हैं। इन सभी प्रकरणों में कुल 3 करोड़ 85 लाख रुपए का अर्थदंड भी वसूला है। हालांकि जिस तरह से जिले में खनिज सामग्री का अवैध खनन और परिवहन हो रहा है। उसकी तुलना में बहुत कम कार्रवाई की गई है। विभाग के पास अगर पर्याप्त स्टॉफ मौजूद होता, तो गाड़ियों-मशीनों की जब्ती के साथ अर्थदंड राशि का आंकड़ा भी कई गुना ज्यादा होता।

स्टॉफ की कमी के बाद भी नियमित जांच-कार्रवाई जारी

स्टॉफ की कमी हैं, लेकिन अवैध खनन और परिवहन को रोकने का पूरा प्रयास किया जा रहा है। एक साल की कार्रवाई बताती है कि विभाग सक्रिय है। स्टॉफ की कमी को दूर करने के लिए नई भर्ती की जानी चाहिए।

- **केके गोलघाटे**, उप संचालक
खनिज विभाग रायपुर

रायगढ़ बना प्रदेश का पहला डिजिटल पंचायत जिला

80 अब ग्राम पंचायतों में यूपीआई से हो रही टैक्स वसूली

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

छत्तीसगढ़ का रायगढ़ जिला प्रदेश का पहला ऐसा जिला बन गया है, जहां ग्राम पंचायतों में टैक्स और शुल्क का भुगतान अब डिजिटल माध्यम यानी यूपीआई के जरिए किया जा रहा है। प्रॉपर्टी टैक्स, बाजार शुल्क, जलकर और स्वच्छता कर जैसे भुगतान अब ग्रामीण अपने मोबाइल फोन से आसानी से कर रहे हैं। रायगढ़ जिले ने डिजिटल भुगतान प्रणाली को गांवों तक पहुंचाकर ग्रामीण शासन व्यवस्था को नई दिशा दी है। जिले की सभी 549 ग्राम पंचायतों में यूपीआई आधारित टैक्स वसूली की व्यवस्था लागू कर दी गई है। पंचायत भवनों और सार्वजनिक स्थानों पर यूपीआई क्यूआर कोड लगाए गए हैं, जिससे ग्रामीणजन घर बैठे ही अपने टैक्स भर पा रहे हैं।

इस प्रणाली ने न केवल पारदर्शिता को बढ़ावा दिया, बल्कि इससे पंचायतों की आमदनी में भी उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। तत्कालीन कलेक्टर श्री गोयल ने 12 मार्च को प्रधानमंत्री अवॉर्ड की स्क्रीनिंग कमेटी के सामने इस नवाचार मॉडल की विस्तृत प्रस्तुति दी। उन्होंने बताया कि यूपीआई प्रणाली से टैक्स कलेक्शन में बीते वित्तीय वर्ष की तुलना में 117 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। कई पंचायतों में टैक्स वसूली दोगुनी से भी ज्यादा हो गई है। पहले जहां ग्रामीणों को मैनुअल भुगतान में कठिनाई होती थी, वहीं अब वे मोबाइल से सरलता से भुगतान कर पा रहे हैं।

ग्राम सभाओं में बढ़ी भागीदारी

रायगढ़ जिले के 7 में से 5 ब्लॉक आदिवासी बाहुल्य हैं और यहां भी यह डिजिटल भुगतान प्रणाली लागू कर दी गई है। खास बात यह है कि 330 पीवीटीजी बिरहोर परिवारों ने भी यूपीआई से टैक्स भुगतान शुरू कर दिया है, जो डिजिटल समावेशन की दिशा में एक बड़ी उपलब्धि मानी जा रही है। यूपीआई प्रणाली लागू होने के बाद ग्राम सभाओं में लोगों की भागीदारी भी बढ़ी है। तीन पंचायतों में किए गए विश्लेषण से पता चला है कि ग्राम सभाओं में लोगों की उपस्थिति में 57 प्रतिशत तक इजाफा हुआ है। इससे साफ है कि ग्रामीण अब पंचायत व्यवस्था में अधिक रुचि ले रहे हैं।

जनजातीय संग्रहालय का सीएम कल करेंगे लोकार्पण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

नवा रायपुर स्थित आदिम जाति अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान परिसर प्रदेश के जनजातीय शैली, संस्कृति एवं परंपराओं पर आधारित संग्रहालय लगभग 9 करोड़ रुपए की लागत से बनकर तैयार हो गया है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय 14 मई को इस संग्रहालय का लोकार्पण करेंगे।

आदिम जाति विकास विभाग के अधिकारियों ने बताया कि संग्रहालय में डिजिटल एवं एआई तकनीक के माध्यम से जनजातीय संस्कृति का भी प्रदर्शन किया गया है। क्यूआर कोड स्कैन करते ही सम्बंधित झांकी की सम्पूर्ण जानकारी मोबाइल पर उपलब्ध हो जाएगी। अधिकारियों ने बताया कि शुभारंभ अवसर पर मुख्यमंत्री के हाथों नवनियुक्त छात्रावास अधीक्षक को नियुक्ति प्रमाण-पत्र भी प्रदान करने साथ ही प्रयास आवासीय विद्यालय के जेईई मेंस 2025 में क्वालिफाई करने वाले छात्रों का सम्मान भी किया जाएगा। गौरतलब है कि जनजातीय संग्रहालय में कुल 14 गैलरियां हैं, जिनमें जनजातीय जीवनशैली के सभी पहलुओं का बहुत ही खूबसूरत ढ़ंग से जीवंत प्रदर्शन किया गया है।

इनमें जनजातियों के भौगोलिक विवरण, तीज-त्यौहार, पर्व-महोत्सव तथा विशिष्ट संस्कृति, आवास एवं घरेलू उपकरण, शिकार उपकरण, वस्त्र (परिधान) एवं आभूषण, कृषि तकनीक एवं उपकरणों, जनजातीय नृत्य, जनजातीय वाद्ययंत्रों, आग जलाने, लौह निर्माण, रस्सी निर्माण, फसल मिंजाई (पौधों से बीज अलग करना), कत्था निर्माण, चिवड़ा-लाई निर्माण, मंद आसवन, अन्न कुटाई व पिसाई, तेल प्रसंस्करण हेतु उपयोग में लाने जाने वाले उपकरणो व परंपरागत तकनीकों, को दर्शाया गया हैं।

मरीज की खातिर नर्स माता-पिता, सत्य साईं संजीवनी हास्पिटल छत्तीसगढ़ की धड़कन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

अंर्तराष्ट्रीय नर्स दिवस पर सत्य साईं संजीवनी हास्पिटल पहुंचे उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने कहा कि मरीजों के लिए नर्स माता-पिता, भाई -बहन सभी होती है।

मरीजों को स्वस्थ करने में उनकी भूमिका अग्रणी होती है। साव ने कहा कि यह हास्पिटल छत्तीसगढ़ की धड़कन है। यह अस्पताल अब तक 36 हजार बच्चों को नया जीवन दे चुका है। नर्स दिवस पर आयोजित समारोह में बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए डॉ. सी. राजेश्वरी ऑडिटोरियम में आयोजित समारोह में मुख्य अतिथि साव, श्री सत्य साई हेल्थ एंड एजूकेशन ट्रस्ट के चेयरमैन डॉ. सी. श्रीनिवास, चेयरमैनद्वारा पारंपरिक दीप प्रज्वलन किया। शुरुआत में श्री सत्य साईं इंस्टिट्यूट ऑफ नर्सिंग एंड एलाइड हेल्थ केयर साइंसेज के छात्रों ने कार्डियो पल्मोनरी रिससिटेशन (सीपीआर) पर एक संगीतमय प्रस्तुति दी।

नहरों के माध्यम से जल परिवहन की हानि को रोकने आधुनिक तकनीकों का उपयोग जरूरी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने मुख्यमंत्री निवास कार्यालय में प्रदेश के सिंचाई ढांचे को सशक्त बनाने के उद्देश्य से जल संसाधन विभाग के कार्यों की गहन समीक्षा की। उन्होंने कहा, प्रदेश के मौजूदा सिंचाई परियोजनाओं के रखरखाव और मरम्मत पर विशेष ध्यान दिया जाए। मुख्यमंत्री ने वरिष्ठ विभागीय अधिकारियों को नियमित रूप से फील्ड विजिट करने के निर्देश दिए और जल अपव्यय रोकने के साथ ही जल का अधिक से अधिक उपयोग कृषि कार्यों में हो, यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने प्रदेश के सभी बांधों की जल भराव क्षमता, वर्तमान सिंचाई स्थिति और आगामी परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने कहा, नहरों के माध्यम से जल परिवहन में होने वाली हानि को रोकने के लिए आधुनिक तकनीकों का उपयोग जरूरी है। उन्होंने जल उपयोग की दक्षता बढ़ाने के लिए अंडरग्राउंड पाइपलाइन व्यवस्था के माध्यम से आवश्यक कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए। साथ ही सिंचाई योजनाओं में रूपांकित सिंचाई क्षमता और वास्तविक क्षमता के बीच के अंतर को कम करने के लिए ठोस कार्ययोजना बनाने के भी निर्देश दिए। बस्तर एवं सरगुजा संभाग में लंबे समय से अधूरी योजनाओं को पूर्ण करने के लिए आवश्यक कार्यवाही की जाये।

26 विकासखंडों में भूजल बढ़ाने बनाएं प्रोजेक्ट

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने निर्माणाधीन वृहद परियोजनाओं को शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए, ताकि किसानों को समय से योजना का लाभ प्राप्त हो सके। उन्होंने बड़ी परियोजनाओं में भारत सरकार से वित्तीय सहायता प्राप्त करने के लिए आवश्यक प्रस्ताव यथाशीघ्र तैयार करने को कहा। मुख्यमंत्री ने राज्य में भू-जल की दृष्टि से क्रिटिकल/सेमी क्रिटिकल घोषित 26 विकासखण्डो में परियोजनाओं के निर्माण के लिए प्रस्ताव तैयार करने के भी निर्देश दिए।

निर्माणाधीन वृहद परियोजनाओं को शीघ्र पूर्ण करें : केदार

इस अवसर पर जल संसाधन मंत्री केदार कश्यप ने निर्माणाधीन वृहद परियोजनाओं को शीघ्र पूर्ण करने के सम्बन्ध में निर्देश दिए। बैठक में सचिव जल संसाधन विभाग राजेश सुकुमार टोप्पो ने विभागीय गतिविधियों की जानकारी देते हुए निर्माणधीन एवं प्रस्तावित सिंचाई योजनाओं से भी मुख्यमंत्री को अवगत कराया।

मृतक के परिजनों को 5-5 लाख और घायलों को 50-50 हजार मुआवजा देने की घोषणा

खरोरा सड़क हादसा : सीएम साय ने जताया गहरा शोक, परिवार को मदद का ऐलान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

खरोरा में दर्दनाक सड़क हादसा हुआ, जिसमें 13 लोगों की मौत हुई है। हादसे में 14 गंभीर रूप से घायल हुए हैं। हादसे में जान गंवाने वालों के परिवार के प्रति सीएम विष्णुदेव साय समेत राजनीति से जुड़े बड़े नेताओं ने शोक व्यक्त किया है। डिप्टी सीएम अरुण साव और नेता प्रतिपक्ष चरणदास महंत ने घटना को अत्यंत दुखद बताया है। वहीं साय सरकार ने मृतकों के परिवार को 5-5 लाख और घायलों को पचास-पचास हजार रुपए की मदद देने का ऐलान किया है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने खरोरा क्षेत्र में हुई भीषण सड़क दुर्घटना पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए मृतकों के परिजनों के प्रति संवेदना प्रकट की है। दुखद घटना में 13 लोगों की मृत्यु और 14 अन्य गंभीर रूप से घायल हुए हैं। उन्होंने कहा, खरोरा में हुए भीषण सड़क हादसे की खबर अत्यंत पीड़ादायक है। मैं दिवंगत आत्माओं की शांति और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की ईश्वर से प्रार्थना करता हूं।

संकट की इस घड़ी में राज्य सरकार पीड़ित परिवारों के साथ पूरी संवेदनशीलता के साथ खड़ी है। राज्य सरकार मृतकों के परिजनों को पांच-पांच लाख रुपए और घायलों को पचास-पचास हजार रुपए की सहायता राशि प्रदान करेगी। जिला प्रशासन को त्वरित राहत एवं बचाव कार्यों की सतत निगरानी करने के निर्देश दिए हैं।

13 की हुई है मौत

सड़क हादसे की होगी जांच

उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने भी सड़क हादसे पर दुःख जताया है। उन्होंने कहा, अत्यंत हृदय विदारक घटना हुई है, इसमें 13 लोगों का दुःखद निधन हुआ है। दुख की इस घड़ी में सरकार पीड़ित परिवार के साथ है, जो घायल हैं, उनका इलाज अंबेडकर अस्पताल में चल रहा है। उन्होंने कहा, इस हादसे की जांच होगी। जांच के बाद दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। सरकार प्रभावित परिवारों को हरसंभव मदद देगी।

हादसे की खबर पीड़ादायक : महंत

वहीं नेता प्रतिपक्ष डॉ चरणदास महंत ने भी इस सड़क हादसे पर दुख व्यक्त किया है। उन्होंने कहा, यह भीषण सड़क हादसे की खबर अत्यंत दुःखद और पीड़ादायक है। इस हृदयविदारक घटना में सभी मृतकों को विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। ईश्वर से प्रार्थना है कि वे दिवंगत आत्माओं को शांति और परिजनों को यह दुःख सहन करने की शक्ति प्रदान करें। प्रशासन सभी घायलों के शीघ्र उपचार के लिए उच्च स्तरीय इलाज करवाए। सभी के जल्द स्वस्थ होने की प्रार्थना करता हूं।

पूर्व सीएम ने जताई चिंता

पूर्व सीएम भूपेश बघेल ने सोमवार को राज्य में बढ़ती दुर्घटनाओं पर चिंता जताई और सरकार से इन्हें गंभीरता से लेने का आग्रह किया। उन्होंने भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाली सरकार से सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के लिए कुछ उपाय करने के साथ ही पीड़ितों के परिवारों को अनुग्रह राशि देने का अनुरोध करते हुए अपनी संवेदना भी व्यक्त की। उन्होंने कहा, मुझे जानकारी मिली है कि कल और आज को मिलाकर कुल 23 लोगों की अलग-अलग सड़क दुर्घटनाओं में मौत हुई है। मैं अपनी संवेदना व्यक्त करता हूं। मैं सरकार से अनुरोध करता हूं कि वह इन सड़क दुर्घटना मामलों को गंभीरता से ले। ऐसी सड़क दुर्घटनाओं को आगे होने से रोकने के लिए कुछ उपाय करने चाहिए।

पीएम राष्ट्रीय राहत कोष से मृतकों को परिजनों को 2 लाख की मदद

देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी सोशल मीडिया पर ट्विट करते हुए मृतकों को श्रद्धांजलि दी है। उन्होंने इस हादसे के मृतकों के परिजनों के लिए प्रधानमंत्री राहत कोष से आर्थिक सहायता राशि दिए जाने का भी ऐलान किया है। अपने ट्विट में पीएम मोदी ने लिखा है कि "रायपुर, छत्तीसगढ़ में एक सड़क दुर्घटना के कारण लोगों की मृत्यु से गहरा दुख हुआ। उन लोगों के प्रति संवेदना जिन्होंने अपने प्रियजनों को खोया है। घायल शीघ्र स्वस्थ हों। प्रत्येक मृतक के निकटतम परिजन को प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष से 2 लाख रुपए दिए जाएंगे। घायलों को 50,000 रुपए दिए जाएंगे।

खबर संक्षेप

राज्यपाल से बोर्ड परीक्षा के टॉपर्स ने की मुलाकात

रायपुर। राजभवन में छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा आयोजित 10वीं एवं 12वीं बोर्ड परीक्षाओं में सर्वाधिक अंक प्राप्त कर प्रावीण्य सूची में स्थान बनाने वाले रायपुर जिले के विद्यार्थियों ने सोमवार को राज्यपाल रमेन डेका और रायपुर उत्तर विधायक पुरंदर मिश्रा से मुलाकात की। इस अवसर पर राज्यपाल और विधायक ने सभी विद्यार्थियों को बधाई देते हुए मेडल एवं स्मृति चिन्ह से सम्मानित किया और 5-5 हजार रुपए की प्रोत्साहन राशि भी प्रदान की। इस मौके पर राज्यपाल रमेन डेका ने कहा कि इन विद्यार्थियों की सफलता ने साबित कर दिया है कि कठिन परिश्रम और लगन से कुछ भी हासिल किया जा सकता है। उन्होंने विद्यार्थियों को आगे भी इसी तरह मेहनत करने और अपने लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए प्रयासरत रहने के लिए प्रेरित किया। राज्यपाल और विधायक ने कहा कि ऐसे ही पूरी लगन और परिश्रम से आगे बढ़ते रहें और देश के विकास में अहम भूमिका निभाएं। इस अवसर पर डिप्टी कलेक्टर निधि साहू, जिला शिक्षा अधिकारी विजय खंडेलवाल, छात्र-छात्राओं के अभिभावक और राजभवन के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

एबीवीपी की राष्ट्रीय कार्यकारिणी 29 से

रायपुर। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद की राष्ट्रीय कार्यकारिणी परिषद 29, 30 एवं 31 मई 2025 को इंदिरा गांधी कृषि विवि में आयोजित होने जा रही है। इस बैठक की तैयारी के लिए कार्यकर्ताओं की बैठक सरस्वती शिक्षा संस्थान में संपन्न हुई। इस बैठक में अभाविप के राष्ट्रीय सह संगठन मंत्री गोविंद नायक, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डॉ.आशुतोष मांडवी, क्षेत्रीय संगठन मंत्री चेतस सुखाड़िया व पूर्व क्षेत्रीय संगठन मंत्री विवेक सक्सेना विशेष रूप से उपस्थित रहे। इस दौरान आगामी कार्यकारिणी बैठक की व्यवस्थाओं में कार्यकर्ताओं की भूमिका को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। साथ ही उपस्थित वरिष्ठ कार्यकर्ताओं से इस आयोजन को सफल बनाने सक्रिय सहभागिता का आग्रह किया गया।

वर्ल्ड ब्राह्मण फेडरेशन की बैठक कल

रायपुर। वर्ल्ड ब्राह्मण फेडरेशन एवं सर्व युवा ब्राह्मण परिषद की आवश्यक बैठक सिविल लाइंस स्थित वृंदावन हॉल में 14 मई को शाम 5 बजे से रखी गई है। बैठक में 19 मई की संध्या दूधाधारी सत्संग भवन मठपारा में भगवान परशुराम के जन्मोत्सव के अवसर पर 11 सौ दीपों से महाआरती, भजन संध्या, विप्रजनों का सम्मान, भोजन प्रसादी की तैयारी के विषय में चर्चा की जाएगी। बैठक में राष्ट्रीय महासचिव सुरेश मिश्रा, कार्यक्रम संयोजक नितिन कुमार झा, महिला अध्यक्ष नमिता शर्मा सहित विप्र समाज के अध्यक्ष, सचिव सहित विप्रजन उपस्थित रहेंगे।

ट्रेनिंग में लाखों खर्च, रोजगार 40 प्रतिशत से भी कम, पिछले साल का लक्ष्य भी पूरा नहीं

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना के तहत ट्रेनिंग लेने वाले 70 प्रतिशत युवाओं को रोजगार देना अनिवार्य है। रायपुर जिले में अब तक लगभग साढ़े छह हजार युवाओं ट्रेनिंग दी जा चुकी है, जिनमें से 40 प्रतिशत से भी कम युवाओं को रोजगार मिल पाया है। इस तरह इस योजना के तहत ट्रेनिंग लेने के बाद भी बेरोजगारों को रोजगार मिल नहीं पा रहा है, जबकि ट्रेनिंग में हर साल लाखों रुपए खर्च किए गए हैं। इधर युवाओं को ट्रेनिंग लेने के बाद भी रोजगार नहीं मिलता देख अब युवा भी इस योजना में रुचि नहीं ले रहे हैं। एक ओर जहां युवा अब ट्रेनिंग के लिए अपना पंजीयन कम करा रहे हैं, वहीं दूसरी ओर जो युवा पंजीयन करा रहे हैं, उन्हें भी ट्रेनिंग मिल नहीं पा रही है। पिछले वर्ष 197 युवाओं ने ट्रेनिंग लेने के लिए पंजीयन कराया था, जिनमें से मात्र 127 को ही ट्रेनिंग दी गई। शेष युवाओं को फंड की कमी के कारण ट्रेनिंग ही नहीं दी जा सकी।

प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना के तहत हर साल युवाओं को फैशन डिजाइनिंग, मोटर वाहन, कंप्यूटर, इलेक्ट्रॉनिक्स, बिजली के काम, ब्यूटीशियन कौशल, स्वास्थ्य सेवा सहित विभिन्न क्षेत्र के लिए ट्रेनिंग देने का टारगेट दिया जाता है। यह टारगेट जिलेवार दिया जाता है। रायपुर जिले को वर्ष 2024 में 250 युवाओं को ट्रेनिंग देने का टारगेट दिया गया था। इस टारगेट की तुलना में 197 युवाओं ने अपना पंजीयन भी कराया था, लेकिन इनमें से मात्र 127 युवाओं को ही ट्रेनिंग दी गई। इस तरह शेष 70 युवाओं को ट्रेनिंग ही नहीं दी गई। दिशा समिति की बैठक में विभाग के अधिकारियों को इसकी रिपोर्ट भी पेश की है।

प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना के तहत 70 प्रतिशत रोजगार देना अनिवार्य

वर्ष 2016 से 2023 तक 30 प्रतिशत युवाओं को ही मिल पाई नौकरी

विभागीय आकड़ों के अनुसार इस योजना के तहत बेरोजगार युवाओं को उनके मनपसंद क्षेत्र में ट्रेनिंग देकर नौकरी मुहैया कराना है, लेकिन इन्हें नौकरी दिलवाने में विभागीय अमला नाकाम साबित रहा है। हालात ऐसे हैं कि ट्रेनिंग ले चुके 6275 युवाओं लगभग दो हजार लोगों को ही नौकरी मिली है, वहीं 145 लोगों ने खुद का काम शुरू किया है, जबकि प्रति युवा के पीछे लगभग 13 हजार रुपये से ज्यादा राशि खर्च की जाती है। इसके बावजूद युवाओं को नौकरी नहीं मिल पा रही है। इस योजना के तहत प्रशिक्षणोपरांत 70 प्रतिशत युवाओं को नौकरी दिलवाने का प्रावधान एजेंसियों के लिए रखा गया है, लेकिन इसके बावजूद सालभर में अब तक लगभग 35 से 40 प्रतिशत युवाओं को ही रोजगार मिल पाया है। आंकड़ों के अनुसार कुल प्रशिक्षित युवाओं में से सिर्फ दो प्रतिशत युवा ही स्व-रोजगार शुरू कर पाए हैं। ऐसे में अंदाजा लगाया जा सकता है कि प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना का जिले में क्या स्थिति है।

फाइल फोटो

ट्रेनिंग में प्रति घंटे प्रति 45 रुपए तय

प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना के तहत राशि से लेकर एजेंसियों से अनुबंध केंद्र द्वारा किया जाता है। इसका भुगतान भी उन्हीं के द्वारा किया जाता है। अनुबंध के तहत प्रति घंटे की ट्रेनिंग में प्रति प्रशिक्षणार्थी 45 रुपये की राशि तय की गई है। इस हिसाब से अनुमानित एक प्रशिक्षणार्थी पर प्रशिक्षित करने में 13500 रुपये का खर्च आता है।

वर्ष 2023 तक मिले रोजगार के शाखावार आंकड़े

शाखा	नियोजित	स्व नियोजित
एपेरल-	63	45
आटोमोटिव-	30	0
बीएफएसआइ-	86	0
कंस्ट्रक्शन-	91	1
इलेक्ट्रॉनिक एवं हार्डवेयर-	392	39
हैंडीक्राफ्ट एवं कारपेट-	16	0
हेल्थकेयर-	5	8
आइटी-	162	0
लाइफ साइंस-	16	0
लाजिस्टिक-	265	32
रिटेल-	639	20
टूरिज्म एवं हास्पिटेलिटी-	192	0
कुल-	1957	145

मालवीय रोड के सामने से बाजार का सुंदर नजारा नहीं दिख रहा

22 करोड़ का जवाहर बाजार, बायीं तरफ लिफ्ट की जगह पर बना दी 2 दुकानें, फ्रंट से फर्स्ट फ्लोर की एंट्री बंद

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

रायपुर स्मार्ट सिटी लिमिटेड द्वारा मालवीय रोड मुख्य मार्ग पर 22 करोड़ की लागत से बनवाये बहुमंजिला जवाहर बाजार के बांई तरफ लिफ्ट वाली जगह पर दुकानें बना देने से फ्रंट से फर्स्ट फ्लोर प्रवेश करने का रास्ता ही बंद हो गया है। प्रोजेक्ट में दुकानदारों और ग्राहकों के आने-जाने के लिए एस्केलेटर के लिए जो जगह तय थी, उस स्पेस को खत्म कर दुकानें बना दी गईं। जवाहर बाजार के व्यापारियों के विरोध के बाद भी एकतरफा दबाव बनाकर जबरिया दुकानें बनाने से जवाहर बाजार से मालवीय रोड के फ्रंट से फर्स्ट फ्लोर की एंट्री वाली जगह ही बंद हो गयी। यही नहीं, मुख्य मार्ग से एप्रोच रोड खत्म हो गया है। इसके चलते प्रथम तल खाली पड़ा है। दुकानों के अंदर की तरफ बनायी गयी 5 लिफ्ट निर्माण के समय से बंद पड़ी है।

- जवाहरबाजार के व्यवसायियों के विरोध के बाद भी तत्कालीन महापौर ने बनवा दी दुकान

दुकानों के अंदर की तरफ वाली 5 लिफ्ट बंद

सूत्रों के मुताबिक जवाहर बाजार के अंदर की तरफ अलग-अलग जगह पर 5 लिफ्ट रायपुर स्मार्ट सिटी द्वारा अनुबंधित एजेंसी से बनवाये गई, पर बिजली मीटर नहीं लगने से ये सभी लिफ्ट बंद पड़ी हैं। इससे जवाहर बाजार के व्यापारियों को सीढ़ी चढ़कर ऊपर फ्लोर का रास्ता तय करना होता है। जवाहर बाजार व्यवसायी कल्याण संघ ने इसकी शिकायत रायपुर स्मार्ट सिटी के अधिकारियों तथा निगम आयुक्त और महापौर से की है।

बेसमेंट में भर रहा पानी बिल्डिंग जर्जर होने का अंदेशा

जवाहर बाजार के बेसमेंट पार्किंग में पानी भरने से व्यापारी परेशान हैं। इससे बिल्डिंग जर्जर होने का अंदेशा बना हुआ है। बेसमेंट निर्माण कार्य की गुणवत्ता को लेकर भी सवाल उठ रहे हैं। जवाहर बाजार के व्यापारियों ने बेसमेंट को दुरुस्त कराने की मांग महापौर मीनल चौबे और निगम आयुक्त से की है। यही नहीं, विभागीय मंत्री तक इसकी लिखित शिकायत कर चुके हैं, पर समस्या जस की तस बनी हुई है।

मालवीय रोड स्थित राजधानी के ऐतिहासिक जवाहर बाजार को रायपुर स्मार्ट सिटी ने 22 करोड़ खर्च कर भव्य व सुव्यवस्थित बाजार का स्वरूप तो दे दिया, पर नगर निगम और रायपुर स्मार्ट सिटी ने चार मंजिला बाजार में आने-जाने वालों की सुविधा के लिए 5 साल बाद भी लिफ्ट शुरू नहीं कराई। भूतल में 76 दुकानें बनायी गयी हैं, जबकि प्रथम तल पर म76 दुकानें और द्वितीय में 10 हॉल बनाये गये हैं। बेसमेंट और ग्राउंड फ्लोर पर पार्किंग की सुविधा दी गयी है। पहले की तुलना में यहां सुविधाएं तो बढ़ी हैं, पर सबसे बड़ी परेशानी ये है कि जवाहर बाजार में बांयी तरफ 2 एस्केलेटर के लिए छोड़ी गयी जगह पर निगम ने 2 दुकानें बनवा दी हैं। इससे लिफ्ट के लिए छोड़ा गया स्पेस पूरी तरह बंद हो गया है। जवाहर बाजार व्यवसायी कल्याण संघ के अध्यक्ष सुभाष बजाज का कहना है, तत्कालीन महापौर के दबाव में एस्केलेटर वाली जगह को खत्म कर 2 दुकानें प्रोजेक्ट के विपरीत बनवाई गयी हैं। व्यापारियों ने इसका पुरजोर विरोध किया, पर उनकी नहीं सुनी गयी। और संबंधित दुकानें ऐसे व्यक्ति को आवंटित की गयी हैं, जिसने 2 दुकानें निगम से आवंटित कराकर किराये पर चढ़ा दिया है।

पचपेड़ी नाका चौक मुख्य मार्ग को किया अतिक्रमण मुक्त, ठेला गुमटियों को सड़क से हटाया

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

जोन 6 कमिश्नरी क्षेत्र स्थित पचपेड़ी नाका मुख्य मार्ग पर सड़क यातायात बाधित कर रहे अवैध ठेले, गुमटियों को हटाकर मार्ग को अतिक्रमण मुक्त करने टीम प्रहरी ने सोमवार को अभियान चलाया। जेसीबी मशीन से जहां अवैध रूप से लगाये गये शेड तोड़े गये, वहीं नाली के ऊपर पाटे रखकर सामान रखने वालों पर कार्रवाई की गयी। यातायात पुलिस के साथ जोन 6 नगर निवेश विभाग की टीम ने मुख्य मार्ग पर अवैध कब्जा हटाने तत्परता दिखायी। नगर निगम के टीम प्रहरी ने निगम आयुक्त विश्वदीप के निर्देश पर शहर के मुख्य मार्ग और बाजार क्षेत्र में यातायात सुगम बनाने अभियान चलाया।

- टीम प्रहरी ने चलाया अभियान

टिकरापारा के सिद्धार्थ चौक से लेकर पचपेड़ी नाका चौक तक पुलिस बल की उपस्थिति में सड़क यातायात बाधित करने वालों पर कड़ाई बरती। इस दौरान अवैध ठेला और गुमटियों को सड़क से हटाया गया। प्रचार-प्रचार से लिए सड़क घेरकर लगाये गये विज्ञापन बोर्ड और एंगल्स को हटाने की कार्यवाही की गयी। निगम की इस कार्यवाही की भनकर लगते ही कुछ ठेले, गुमटी वाले अपना सामान समेटकर वहां से दूसरी जगह जाते नजर आये। वहीं मुख्य मार्ग पर वाहन खरीदी बिक्री केन्द्र के सामने वाले खाली जगह पर चारपहिया वाहनों को अवैध रूप से खड़ी करने पर किसी तरह की कार्रवाई नहीं करने पर लोगों में चर्चा होती रही।

काशीराम नगर के जर्जर मकानों से 378 परिवार मठपुरैना में होंगे व्यवस्थापित

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

काशीराम नगर के जर्जर मकानों में निवास कर रहे 378 परिवारों को अब मठपुरैना में सुरक्षित जगह पर पक्का आवास मिलेगा। प्रभावितों से दस्तावेज लेकर लाटरी पद्धति से मकानों की नंबरिंग करके मठपुरैना के प्रधानमंत्री आवास के पक्के मकानों में शिफ्ट करने की तैयारी है। नगर निगम आयुक्त विश्वदीप ने सोमवार को जोन 3 कमिश्नर रमेश जायसवाल को इस आशय के निर्देश स्थल भ्रमण के दौरान दिये।

- मठपुरैना के पीएम आवास में मिलेगा सुरक्षित ठिकाना

काशीराम नगर के 275 फ्लैट धारकों और 103 किरायेदारों को जर्जर आवास की जगह अब मठपुरैना के प्रधानमंत्री आवास योजना में निर्मित पक्के आवास में सुरक्षित ठिकाना मिलेगा, ताकि इन परिवारों को बारिश के सीजन में किसी तरह की अप्रिय स्थिति का सामना न करना पड़े। निगम आयुक्त विश्वदीप ने सोमवार को जोन 3 कमिश्नर रमेश जायसवाल, प्रधानमंत्री आवास योजना मुख्यालय शाखा के कार्यपालन अभियंता अंशुल शर्मा सीनियर, सहायक अभियंता योगेश यदु और जोन स्वास्थ्य अधिकारी पूरन कुमार तांडी की उपस्थिति में काशीराम नगर के जर्जर आवासों में निवास कर रहे परिवारों से चर्चा की।

इस दौरान उन्हें शीघ्र आवश्यक प्रक्रिया पूरी करते हुए मठपुरैना में प्रधानमंत्री आवास योजना में निर्मित रिक्त पक्के आवासों में व्यवस्थापित करने निर्देश दिए।

बैरनबाजार गवलीपारा के पास नालियों की सफाई

जोन 4 क्षेत्र स्थित बैरनबाजार गवलीपारा के समीप नालियों की सफाई में कोताही की शिकायत मिलने पर आयुक्त के आदेश पर निगम स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. तृप्ति पाणिग्रही, जोन कमिश्नर अरूण ध्रुव की उपस्थिति में सफाई मित्र गैंग भेजकर सफाई करवायी गयी। साथ ही कचरा उठाकर उसे सुरक्षित जगह परिवहन कराया गया। निगम के स्वास्थ्य अधिकारी ने नागरिकों से घरों और दुकानों का कचरा नालियों में न डालकर सफाई मित्र को सफाई वाहन में देने की अपील की।

दो दर्जन चौराहों पर...

तय कर बाकायदा इसकी प्लानिंग की है। इम्पैनल्ड आर्किटेक्ट को प्रोजेक्ट कास्ट की 1.16 फीसदी राशि परामर्श शुल्क बतौर दी जायेगी। पचपेड़ी नाका चौक पर भारी वाहनों से रोज लग रहा जाम टिकरापारा से पचपेड़ी नाका चौक तक ट्रैफिक का दबाव ज्यादा होने और बसों की आवाजाही तथा अघोषित स्टापेज के कारण यहां रोज सुबह-शाम ट्रैफिक जाम की स्थिति बनती है, जबकि इसी मार्ग से दर्जनभर कालोनियों के रहवासी प्रतिदिन पैदल, साइकिल, दोपहिया, तिपहिया की सवारी कर आना-जाना करते हैं। यही नहीं, स्कूली विद्यार्थियों व कामकाजी महिलाओं को इसी मार्ग से आना-जाना पड़ता है। वाहनों का जमावड़ा होने से दुघर्टना का अंदेशा बना रहता है। चौतरफा दबाव होने से इस चौक पर ट्रैफिक सिग्नल लगाने की मांग संबंधित वार्ड के रहवासी करते आ रहे हैं। नगर निगम और ट्रैफिक महकमे ने पचपेड़ी नाका चौक की यातायात व्यवस्था सुधारने मिलकर प्लानिंग की है। इस पर जल्द कार्य शुरू किया जायेगा।

कटोरातालाब चौक पर...

बनी रहती है। भोजनालय, जूते-चप्पल की दुकानें, अस्पताल सहित आवासीय परिसर के कारण यह मार्ग काफी व्यस्त रहता है। सुबह और देर शाम इस चौक पर ट्रैफिक जाम की वजह से लोग परेशान रहते हैं। जाम में गाड़ियां फंसना आम

पेज 11 के शेष ...

बात हो गयी है। अब इस चौराहे पर सुगम आवागमन के लिए ट्रैफिक महकमा नगर निगम के साथ मिलकर कार्य करने जा रहा है। इससे आने वाले दिनों में लेफ्ट टर्न फ्री होने के साथ ही यातायात व्यवस्थित करने कदम उठाये जाएंगे।

खारुन एनीकट में...

नदी में नहाने के लिए गया था। शाम के समय अजय के दोस्त नदी में नहाने के लिए उतरे। अजय को तैरना नहीं आता था, इसके बाद भी वह नहाने के लिए नदी में उतर गया और पानी की गहराई को नहीं भांप पाया और पानी के तेज बहाव में बहता चले गया।

साइबर कैफे से भरा...

के अभ्यर्थियों को परीक्षा में शामिल होने अथवा नहीं होने, दोनों ही स्थितियों में फीस का भुगतान करना होगा। गौरतलब है कि नए नियम के अनुसार, व्यापम अथवा पीएससी द्वारा आयोजित होने वाली सभी तरह की प्रवेश परीक्षाओं और भर्ती परीक्षाओं के लिए अभ्यर्थियों को फीस का भुगतान करना होगा। केवल परीक्षा में शामिल होने वाले कैंडिडेट्स को ही फीस की राशि लौटाई जाएगी।

धीमी रफ्तार मगर...

असर नहीं हो रहा है। पारा धीमे-धीमे ऊपर की ओर जा रहा है। सोमवार को प्रदेश का सबसे अधिक तापमान दुर्ग में 42 डिग्री रिकार्ड किया गया। रायपुर और बिलासपुर का तापमान 41.3 पर अटका रहा। आने वाले दिनों में भी इसमें बढ़ोतरी होने की गुंजाइश हैं। दिन के साथ रात में भी गर्मी अपना असर दिखाने लगी है। इसके साथ ही अभी प्रदेश के एक-दो स्थानों पर गरज चमक के साथ अंधड़ चलने और वज्रपात होने की संभावना भी बनी हुई है।

65 लाख का हार...

और लगभग 50 होटलों के रिकॉर्ड की जांच की। इससे आरोपियों की पहचान संतोष साव और अब्दुल मनान के रूप में हुई, जिन्हें रायपुर के एक होटल से गिरफ्तार किया गया। पूछताछ में उन्होंने बताया कि चोरी का सामान रोहित उर्फ गोलू (कोलकाता निवासी) और शेखर (राउरकेला निवासी) को बेचा गया था। शेखर से पूछताछ में चोरी के दो हीरे के हार, कान के लटकन, अंगूठियां और 10,000 रुपये नकद बरामद हुए।

वाहन चोरी के दो...

जला हुआ टाटा एस. वाहन दुर्गा पेट्रोल पंप के पास न्यू गोंदवारा क्षेत्र में खड़ा है और दो व्यक्ति वाहन के पहिए छिपा रहे हैं। तत्काल घेराबंदी कर दोनों संदिग्धों को पकड़ा गया। पूछताछ में उन्होंने अपना नाम रोहित उर्फ अमन विश्वकर्मा निवासी सरोरा बाजार के पास उरला एवं मूल निवासी कुशीनगर यूपी, तथा आदर्श मनहरे (20 वर्ष), निवासी जागृति नगर बिरगांव बताया।

अतिथि व्याख्याताओं ने की नियमितीकरण की मांग

रायपुर। छत्तीसगढ़ अतिथि व्याख्याता पीएचडी, नेट, सेट कल्याण संघ ने प्रदेश के महाविद्यालयीन अतिथि व्याख्याताओं के नियमितीकरण की मांग की है। संघ की प्रदेश अध्यक्ष डॉ. कंचन गिलहरे ने कहा है कि प्रदेशभर के 225 शासकीय महाविद्यालयों में 3500 अतिथि व्याख्याता 20 से 25 साल से कार्य कर रहे हैं। पर इन्हें कौन से वर्ग में रखा गया है, ये अभी तक नहीं बताया गया है। जबकि महाविद्यालयिन अतिथि व्याख्याता यूजीसी के मापदंड को पूरा करते हैं। इनका नियमितीकरण किया जाये।

- प्रदेश के 225 शासकीय महाविद्यालय में 3500 अतिथि व्याख्याता

डॉ. कंचन गिलहरे सोमवार को पत्रकार वार्ता में ये बातें कही। उन्होंने ये भी कहा कि स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा अतिथि शिक्षक पद को सुरक्षित कर दिया गया है पर उच्च शिक्षा विभाग में अब तक कोई भी ऐसा ऐतिहासिक कदम नहीं उठाया गया। मध्यप्रदेश में महाविद्यालयीन अतिथि व्याख्याताओं को एकमुश्त वेतन दिया जा रहा है, जबकि छत्तीसगढ़ में ऐसी व्यवस्था नहीं होने से हजारों अतिथि व्याख्याता परेशान हैं।

छत्तीसगढ़ अतिथि व्याख्याता पीएचडी, नेट, सेट कल्याण संघ के प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि अतिथि व्याख्याता नीति 2024 में कई तरह की विसंगतियां होने के कारण अतिथि व्याख्याताओं का अहित हो रहा है।

न्यायालय : द्वितीय अति. प्रधान न्यायाधीश, कुटुम्ब न्यायालय रायपुर (छ.ग.)
(पीठासीन अधिकारी - डी. एन. भगत)

प्रो. क्र.- 479 प्र. क्र.- 1116/24
पे. ता. - 26.06.2025 धारा-13 हिं.वि.अ.

आवेदक/ आवेदिका - प्रतीक्षा जैन
बनाम
अनावेदक / अनावेदिका - अमिल कुमार जैन प्रति,
अनावेदक/ अनावेदिका- अमिल कुमार जैन
निवासी पता : पिता - श्री सुनील कुमार जैन निवासी गली नंबर 1, एल-1, तेज्यब मस्जिद के सामने, पुष्पकुंज, भारतीय नगर, बिलासपुर छ.ग.

उपरोक्त आवेदक / आवेदिका ने आपके विरूद्ध एक आवेदन पत्र के अंतर्गत धारा 13 हिं.वि.अ. का प्रकरण प्रस्तुत किया है।

अतः आपको सूचित किया जाता है कि आप दिनांक 26.06.2025 को 11:00 बजे इस न्यायालय के समक्ष व्यक्तिगत रूप से (स्वयं) उपस्थित होकर अपना जवाब प्रस्तुत करें। यदि आप अपने पक्ष में कोई लिखित तथ्य / दस्तावेज प्रस्तुत करना चाहे तो वह भी उपरोक्त दिनांक 26.06.2025 को प्रस्तुत कर सकते है। यदि उपरोक्त दिनांक को सार्वजनिक अवकाश घोषित हो जाता है अथवा किसी कारणवश न्यायालय की कार्यवाही स्थगित हो जाती है, तो अगले कार्यालयीन कार्यदिवस पर प्रकरण की सुनवाई की जावेगी।

मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से आज तारीख 29 माह 04 सन 2025 को जारी किया गया।
स्थान : रायपुर
दिनांक - 29/04/2025

(डी.एन. भगत)
मुहर द्वितीय अति. प्रधान न्यायाधीश
कुटुम्ब न्यायालय रायपुर (छ.ग.)

आम-सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पक्षकार गण ने श्रीमान ख्वाजा मिदे आयु 34 वर्ष, पिता-श्री भोला मिदे, निवासी-ख्वाजा मंजिल कुकरी पारा, सुभाष नगर रायपुर, तहसील व जिला रायपुर छ.ग. के स्वामित्व व आधिपत्य की परिवर्तित भूमि, जिसका खसरा नंबर 537/2, रकबा 0.14 हे. एंव खसरा नंबर 538/2, रकबा 0.02 हे. कुल खसरा योग 2 कुल रकबा 0.16 हे. भूमि वाके मौजा ग्राम मुड़रा, प.ह.नं.-01, रा.नि.मं. खोरपा, तहसील अभनपुर, जिला रायपुर छ. ग. में स्थित है को क्रय करने का पक्का सौदा कर दिनांक 03/07/2024 को इकरारनामा निष्पादन कराया गया है उपरोक्त भूमि को भूमि स्वामी के द्वारा मेरे पक्षकार गण से छल-कपट कर दिनांक 02/05/2025 को विनोद कमला सतीजा एंव श्रीमती मिनसी विनोद के पक्ष मे झूठा शपथ देकर रजिष्ट्री कर दिये है, जिसके नामांतरण पर आपत्ति कर रहे है।

अतः शासकीय कार्यालय तहसीलदार रायपुर, उप पंजीयक कार्यालय रायपुर, हल्का पटवारी मुड़रा तथा विनोद कमला सतीजा एंव श्रीमती मिनसी विनोद को सूचित किया जाता है कि उपरोक्त भूमि पर नामांतरण की कार्यवाही ना करे या कराये, अन्यथा उपरोक्त कार्यों के लिए आप सभी जिम्मेदार रहेगे ।

सो सूचना जाने।
रायपुर
दिनांक 12/05/2025
भवदीय
के.आर. बंजारे, ए. के. अनंत
अधिवक्तागण
कार्या/नि.-म.नं. 646/55, त्रिवेदी सदन के पास कृष्णानगर, संतोषी नगर, रायपुर छ.ग.
मो.नं.- मो.नं. 89658-33947,93291-20680

खबर संक्षेप

आंबेडकर अस्पताल की नर्सों का किया सम्मान

रायपुर। अंतर्राष्ट्रीय नर्सेस दिवस पर मेडिकल कॉलेज रायपुर के पुराने ऑडिटोरियम में आंबेडकर अस्पताल में कार्यरत नर्सों का सम्मान किया गया। नर्सिंग आफिसर्स एसोसिएशन छत्तीसगढ़ द्वारा आयोजित इस समारोह के विशिष्ट अतिथि उत्तर विधानसभा के विधायक पुरंदर मिश्रा एवं विशेष अतिथि मेडिकल कॉलेज के अधिष्ठाता डॉ. विवेक चौधरी, संयुक्त संचालक एवं अस्पताल अधीक्षक डॉ. संतोष सोनकर रहे। कार्यक्रम के दौरान अतिथियों ने चिकित्सकीय क्षेत्र में नर्सिंग स्टाफ की भूमिकाओं पर प्रकाश डाला। साथ ही उन्हें अस्पताल का महत्वपूर्ण हिस्सा बताया। इस दौरान उप नर्सिंग अधीक्षक एवं सहायक नर्सिंग अधीक्षक को प्रशस्ति पत्र प्रदान किया। इस दौरान लैम्प लाइटिंग, केक कटिंग, नाईटेंगल शपथ ली गई।

धूमधाम से मनाई गई बुद्ध जयंती, खीर का वितरण भी

रायपुर। राजधानी में सोमवार को बुद्ध जयंती धूमधाम से मनाई गई। इस अवसर द बुद्धिस्ट सोसाइटी ऑफ इंडिया की रायपुर शाखा भारतीय बौद्ध महासभा युवा प्रकोष्ठ द्वारा कटोरा तालाब में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। अल्पसंख्यक आयोग के नवनियुक्त अध्यक्ष अमरजीत छाबड़ा, सिविल लाइंस पार्षद संजना संतोष हियाल, राष्ट्रीय अनुसूचित जाति भाजपा युवा प्रकोष्ठ के सदस्य आयुष्मान योगेश रावत, डॉ. प्रशांत रावत, अरुण कुमार रामटेके, अरुण डोंगरे, गजेंद्र डोंगरे, पुष्पा धावड़े, प्रिया डोंगरे की उपस्थिति में बुद्ध प्रतिमा स्थल पर मोमबत्ती, अगरबत्ती प्रज्ज्वलित की गई एवं धम्म मित्र नागपद्म ने वंदना कराई।

उपभोक्ताओं से ज्यादा लोड की भरपूर वसूली, ओवरलोड ट्रांसफार्मर ठीक करना भूले

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

भरी गर्मी में ओवरलोड के कारण प्रदेश में बिजली गुल की बड़ी समस्या

प्रदेशभर के बिजली उपभोक्ताओं से ज्यादा लोड के लिए छत्तीसगढ़ पॉवर कंपनी भरपूर वसूली कर रही है। पहले उपभोक्ता अपना ज्यादा लोड बताते नहीं थे, लेकिन अब सीधे व्यवस्था यह हो गई है कि उपभोक्ता का लोड अगर तीन माह तक ज्यादा रहा तो बिजली बिल के साथ ही एक किलोवाट के 944 रुपए के हिसाब से जुड़कर आ जाते हैं।

खास खबर

उपभोक्ताओं से तो ज्यादा लोड होने पर पैसे लिए जा रहे हैं, लेकिन ट्रांसफार्मरों का ओवरलोड कभी भी चेक नहीं होता, जिसके कारण भरी गर्मी में राजधानी रायपुर से लेकर पूरे प्रदेश के शहरों से लेकर गांवों तक ओवरलोड के कारण बिजली की खराबी आम बात है। एक बार बिजली गुल होने पर घंटों लग जाते हैं इसे ठीक करने में, क्योंकि पॉवर कंपनी का अमला भी लाठी टेक है। पॉवर कंपनी को कुछ साल पहले यह शिकायत रहती थी कि उपभोक्ता बिजली का सही लोड नहीं बताते, जिसके कारण ट्रांसफार्मरों में सही लोड का पता नहीं चलता और गर्मी में ट्रांसफार्मरों में खराबी आ जाती है, लेकिन अब पॉवर कंपनी यह शिकायत नहीं कर सकती, क्योंकि अब पॉवर कंपनी ने यह नियम बना दिया है कि जिस भी उपभोक्ता का लोड बढ़ जाएगा, उसका लोड बढ़ाने के लिए बिजली बिल के साथ ही शुल्क जुड़ जाएगा।

एक किलोवाट के 944 रुपए

घरेलू उपभोक्ता आमतौर पर एक से दो किलोवाट लोड का कनेक्शन लेते हैं। आजकल सिंगल फेज में ही पांच किलोवाट तक का उपयोग करने की मंजूरी होने के कारण कई उपभोक्ता सिंगल फेज कनेक्शन में दो से तीन एसी तक चला लेते हैं। ऐसे में तीन माह तक पॉवर कंपनी को जब लगता है कि किसी उपभोक्ता का लोड अब दो किलोवाट से बढ़कर तीन या फिर चार किलोवाट हो गया है तो एक किलोवाट के 944 रुपए के हिसाब से बिजली बिल में जुड़कर आ जाते हैं। इसमें 800 रुपए शुल्क और 18 फीसदी जीएसटी है।

ट्रांसफार्मर ओवरलोड, देखने वाला कोई नहीं

पॉवर कंपनी उपभोक्ताओं से लोड के पैसे तो ले रही है, लेकिन ट्रांसफार्मरों का लोड कभी देखा ही नहीं जाता है। इसकी वजह से ही समस्या हो रही है। जानकार बताते हैं कि सौ किलोवाट के ट्रांसफार्मर से अगर दो किलोवाट के 50 कनेक्शन दिए गए हैं और बाद में अगर उपभोक्ताओं का लोड तीन से चार किलोवाट हो जाता है तो ऐसे ट्रांसफार्मर ओवरलोड हो जाते हैं। इनकी जांच करके या तो कनेक्शन कम करने का काम किया जाना चाहिए या फिर ज्यादा लोड वाला ट्रांसफार्मर लगाना चाहिए, लेकिन ये काम होता ही नहीं है। इसका नतीजा यह होता है कि ट्रांसफार्मर का डीओ गिर जाता है, कई बार जंपर कट जाता है। ऐसा होने से बिजली गुल होती है। कई बार बड़ा फाल्ट भी हो जाता और फीडर ही बंद हो जाते हैं।

अमला भी लाठी टेक

ओवरलोड या फिर किसी अन्य कारण कारण से अगर कहीं खराबी होती है तो उस खराबी का पता लगाने में ही पॉवर कंपनी के अधिकारियों का पसीना छूट जाता है, क्योंकि खराबी का पता लगाने के लिए पेट्रोलिंग करनी पड़ती है। इसमें खराबी को खोजने में कई बार घंटों लग जाते हैं। अगर किसी ने खराबी के बारे में जानकारी दे दी कि अमुक स्थान पर स्पार्किंग हुई है तो खराबी जल्द ठीक हो जाती है, नहीं तो फिर घंटों भुगतना ही पड़ता है। राजधानी रायपुर में ही खराबी के कारण बिजली का घंटों गुल होना आम बात है। कई फीडर भी कमजोर हैं। डीडीनगर का साइंस कॉलेज फीडर तो इतना ज्यादा कमजोर है कि इसमें हमेशा खराबी आती रहती है। एक दिन पहले भी खराबी के कारण दोपहर में करीब डेढ़ घंटे तक बिजली बंद रही।

आवाजाही करने वाले राहगीरों को भी हो रही परेशानी, मैदान से निकला कचरा सड़क पर

डीके हास्पिटल के मेडिकल वेस्ट से मानव अधिकार आयोग तंग, खुले में फेंके जा रहे

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

मरीजों के उपचार के दौरान डीके अस्पताल से निकला मेडिकल वेस्ट मानव अधिकार आयोग की परेशानी का कारण बनने लगा है। खून लगे बैंडेज, खाली सीरिंज और दवाओं के पैकेट जिस जगह डंप किये जा रहे हैं, वह खुला मैदान मानव अधिकार आयोग कार्यालय के सामने है। कचरा खाली मैदान से निकलकर सड़क पर फैलने लगा है, जो राहगीरों की परेशानी का कारण बन रहा है।

जानकारी के अनुसार डीके अस्पताल से निकलने वाला बायोमेडिकल वेस्ट को नियमित रूप से ले जाने की जिम्मेदारी राज्य शासन द्वारा अधिकृत संस्था को है। इसके लिए उसे हर माह 89 हजार रुपए भुगतान भी किया जाता है। कंपनी नियमित रूप से कचरा उठाने में कोताही बरत रही है, जिसकी वजह से मेडिकल वेस्ट की मात्रा बढ़ती जा रही है, जो मानव अधिकार आयोग की परेशानी का सबब बनने लगा है। सूत्रों के अनुसार पहले इस मेडिकल वेस्ट को अस्पताल के पुराने गेट के समीप रखा जाता था। बाद में संबंधित संस्था और नगर-निगम अधिकारियों की सलाह पर उसे अस्पताल के पिछले हिस्से और मानव अधिकार आयोग के कार्यालय के सामने के खाली मैदान पर डंप किया जाने लगा। धीरे-धीरे मेडिकल वेस्ट के साथ कचरे का ढेर बढ़कर सड़क पर आ गया जो आम लोगों की परेशानी के साथ मवेशियों के लिए जानलेवा साबित हो सकता है। डंप किए गए पालिथीन में बंधे दवाओं के पैकेट, खाली सीरिंज के साथ जख्मों को पोंछने के बाद फेंके गए खून लगे बैंडेज भी शामिल है।

एमसीएच हास्टल की चिन्हित जमीन

जिस स्थान पर मेडिकल वेस्ट डंप किया जा रहा है वहां डीके हास्पिटल की जमीन है। वहां एमसीएच हास्टल बनाने की योजना है। पूर्व में इस जमीन का उपयोग गार्डन के रूप में किया जाता था मगर बाद में असामाजिक तत्वों का डेरा होने की वजह से उसे बंद कर दिया गया। कुछ समय तक इस भूमि का उपयोग नगर-निगम द्वारा कचरा निष्पादन के लिए सेकेंडरी कलेक्शन पाइंट के रूप में किया जाता था जिसे आपत्ति के बाद रोका गया था।

नगर-निगम और संबंधित कंपनी जिम्मेदार

नगर-निगम द्वारा मेडिकल वेस्ट डंप करने के लिए जगह तय किया गया है। उसे ले जाने के लिए अधिकृत कंपनी जिम्मेदार है। मानव अधिकार आयोग से मिली सूचना पर इस संबंध में जानकारी ली जाएगी।
- **डा. क्षिप्रा शर्मा,** अधीक्षक, डीकेएस सुपरस्पेशालिटी हास्पिटल

अस्पताल प्रबंधन को दी गई जानकारी

खुले में डंप किए जा रहे मेडिकल वेस्ट से आम लोगों को परेशानी हो रही है। इस संबंध में अस्पताल प्रबंधन को जानकारी दी गई है। उन्हें मेडिकल वेस्ट के लिए सुरक्षित स्थान तय करने के लिए कहा गया है।
- **मनीष मिश्रा,** संयुक्त संचालक जनसंपर्क, मानव अधिकार आयोग

संविधान की हीरक जयंती पर आमसभा, प्रतिनिधि जुटे

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

■ शहीद स्मारक भवन में राज्य स्तरीय परिचर्चा में 9 बिंदुओ पर मंथन

संविधान की हीरक जयंती वर्ष में छत्तीसगढ़ राज्य आरक्षित वर्ग अधिकारी कर्मचारी फेडरेशन के नेतृत्व में सोमवार को शहीद स्मारक भवन सभागार में राज्य स्तरीय परिचर्चा और आमसभा का आयोजन किया गया। इस आयोजन में राज्यभर से अधिकारी, कर्मचारी, सामाजिक संगठनों के प्रांतीय कार्यकारिणी सहित जिला व विकासखंड के पदाधिकारी व सदस्य शामिल हुए। परिचर्चा में मुख्य रूप से सर्व आदिवासी समाज, प्रगतिशील छत्तीसगढ़ सतनामी समाज, गोंड समाज, हलबा समाज, महार समाज, उरांव समाज, गाड़ा समाज, रविदासी समाज, ओबीसी महासभा सहित अनुसूचित जाति , जनजाति और पिछड़ा वर्ग के सदस्यों ने भाग लिया।

दरअसल, अनुसूचित जाति, जनजाति व पिछड़े वर्ग के बैकलाग पदों की पूर्ति के लिए विशेष भर्ती अभियान चलाने, जिला व संभाग स्तरीय, स्थानीय भर्ती आरक्षण पर अधिनियम बनाने और राज्य के आरक्षित वर्गों के लिए वर्ष 2011 से निर्धारित 2.50 लाख आय सीमा को मुक्त करने , जाति प्रमाणपत्र सरलीकरण जैसे विषयों पर शासन-प्रशासन का ध्यान आकर्षित कराने राज्य स्तरीय परिचर्चा रखी गयी। इस मौके पर 8 बिंदुओं पर वक्ताओं ने अपने विचार रखे। इसमें प्रमुख रूप से अनुसूचित जाति, जनजाति वर्गों के लिए पदोन्नति में आरक्षण नियम 5 को पुनः अधिसूचित करना और सुप्रीम कोर्ट के अंतरिम आदेश 24 फरवरी 2025 को पदोन्नति में तत्काल लागू करने, फर्जी जाति प्रमाणपत्र धारितों पर सेवा समाप्ति कार्यवाही कर उन पदों में विशेष भर्ती करने पर जोर दिया गया।

सतनामी समाज छत्तीसगढ़ युवा प्रकोष्ठ की बैठक

रायपुर। सामाजिक सामुदायिक भवन में सोमवार को सतनामी समाज छत्तीसगढ़ युवा प्रकोष्ठ की बैठक हुई। बैठक में समाज युवा प्रकोष्ठ प्रदेशाध्यक्ष कमल कुर्रे ने बताया कि एक नाम, एक आवाज, एक समाज, सामाजिक एकीकरण की मुहिम को आगे बढ़ाने के लिए एवं सामाजिक गतिविधियों के लिए संगठन विस्तार के साथ नए लोगों की नियुक्ति किए जाने को लेकर बैठक की गई। बैठक में दिलीप कुर्रे, सीएल जोशी आदि शामिल हुए।

बिजनेस साइट

स्वदेशी खादी महोत्सव बना आकर्षण का केंद्र

रायपुर। गॉस मेमोरियल मैदान सिविल लाइंस रायपुर में 27 अप्रैल से शुरू हुआ स्वदेशी खादी महोत्सव शहरवासियों के लिए एक खास आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। 25 मई तक चलने वाले इस महोत्सव में देशभर के बुनकर और हस्तशिल्प कलाकार अपनी विशिष्ट कलाकृतियों के साथ शिरकत कर रहे हैं।

महोत्सव में लगभग एक लाख से अधिक वैरायटीज प्रदर्शित की गई हैं, जिनमें मेरठ के खादी कुर्ते, असम की सिल्क साड़ियां, कश्मीरी पश्मीना, लखनवी चिकन, बनारसी सिल्क, बंगाल के जूट बैग, राजस्थान की मोजड़ी, जयपुर के कपड़े, हैदराबादी कॉटन साड़ियां और पिलखुआ व झांसी की आकर्षक बेडशीट शामिल हैं। इसके अतिरिक्त जयपुर के अचार, पापड़ और मुखवास भी उपलब्ध हैं। प्रदर्शनी प्रतिदिन सुबह 11 बजे से रात 10 बजे तक खुली रहती है। खरीदारों को हथकरघा और हस्तशिल्प वस्तुओं पर 10 से 20 प्रतिशत तक की विशेष छूट दी जा रही है। वहीं मेले में आने वाले आगंतुकों के लिए निशुल्क पार्किंग सुविधा भी उपलब्ध कराई गई है।

विश्वभारती ऑटोमोबाइल्स की सीईओ दिशा अग्रवाल को मिला 'यंग एंटरप्रेन्योर अवॉर्ड'

रायपुर। विधानसभा रोड स्थित मारुति सुजुकी के अधिकृत विक्रेता विश्वभारती ऑटोमोबाइल्स मोवा की सीईओ दिशा अग्रवाल को मारुति सुजुकी डीलर कॉन्फ्रेंस (एमएसडीसी 2025) के दौरान 'यंग एंटरप्रेन्योर अवॉर्ड' से सम्मानित किया गया। यह भव्य समारोह बाकू, अजरबैजान में आयोजित किया गया था। यह प्रतिष्ठित पुरस्कार उन्हें ऑटोमोबाइल क्षेत्र में उनके उत्कृष्ट नेतृत्व और संस्थान में उल्लेखनीय योगदान के लिए प्रदान किया गया। पुरस्कार प्राप्त करने के बाद सुश्री अग्रवाल ने कहा कि यह सम्मान केवल मेरा नहीं, बल्कि मेरी पूरी टीम का है। उनकी मेहनत, समर्पण और लगातार प्रयासों ने ही इसे संभव बनाया है। यह पुरस्कार हमें और भी बेहतर सेवा और नवाचार की दिशा में प्रेरित करता है।

बीएड प्रशिक्षित सहायक शिक्षकों ने समायोजन के फैसले पर जताई खुशी, आभार रैली निकाली

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

दिसंबर में बर्खास्त प्रदेशभर के बीएड प्रशिक्षित सहायक शिक्षकों ने सोमवार को राजधानी में अपने समायोजन के प्रति सरकार का आभार जताने रैली निकाली। तपती धूप में बूढ़ापारा के इंडोर स्टेडियम से नेताजी सुभाष स्टेडियम तक पैदल चलकर सभी ने थैंक्यू-थैंक्यू सीएम साहब के नारे लगाये। उनका कहना था कि 126 दिनों के प्रदर्शन का फल उन्हें समायोजन के रूप में मिला है।

■ थैंक्यू सीएम साहब के लगाये नारे
■ तपती धूप में बूढ़ापारा के इंडोर स्टेडियम से नेताजी सुभाष स्टेडिमय तक निकाली रैली
■ 2621 शिक्षकों का सहायक शिक्षक प्रयोगशाला विज्ञान के पद पर समायोजन

दरअसल, मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय कैबिनेट की 30 अप्रैल को हुई बैठक में बर्खास्त 2 हजार से अधिक बीएड डिग्रीधारी सहायक शिक्षकों को बड़ी राहत दी गयी। सभी प्रभावित सहायक शिक्षकों के समायोजन का फैसला लिया गया। राज्य सरकार द्वारा सहायक शिक्षक प्रयोगशाला विज्ञान के पद पर समायोजन किये जाने के निर्णय को लेकर खुशी जताने सोमवार को प्रदेश के विभिन्न जिलों से आये शिक्षकों ने आभार रैली निकाली। इस दौरान हाथों में बैनर पोस्टर लिये शिक्षकों ने एबीसीडी ईएफ जी, थैंक्यू-थैंक्यू सीएम जी के नारे लगाये। साथ ही राज्य सरकार से अपील की गयी कि समायोजन की प्रक्रिया को जल्द ही पारदर्शी तरीके से पूरी की जाये।

नवा रायपुर के तूता धरना स्थल पर 126 दिनों तक चला प्रदर्शन

बर्खास्त बीएड सहायक शिक्षकों ने समायोजन की मांग को लेकर नवा रायपुर के तूता स्थित धरना स्थल पर अपने हक की आवाज बुलंद करने 126 दिनों तक धरना प्रदर्शन किया। इनका आंदोलन 18 अप्रैल को समाप्त हुआ था। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय से मुलाकात के बाद प्रदर्शनकारियों ने यह आंदोलन समाप्त किया था। इससे पहले शिक्षकों ने सामूहिक प्रदर्शन कर मुंडन भी कराया, अंगारों पर चलकर प्रदर्शन किया।

वक्त पर नहीं बदल सके बीए-बीएससी बीएड का नाम, भेजेंगे व्यापम को परीक्षा लेने प्रस्ताव

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद द्वारा बीए बीएड और बीएससी बीएड पाठ्यक्रम का नाम तय वक्त पर नहीं बदला जा सका। इसके कारण शैक्षणिक सत्र 2025-26 में इन पाठ्यक्रमों के संचालन पर संदेह की स्थिति बनी हुई थी। अब नेशनल काउंसिल फॉर टीचर्स एजूकेशन द्वारा नाम परिवर्तन के लिए एक वर्ष का अतिरिक्त समय मिल गया है। अर्थात नवीन सत्र में भी इन पाठ्यक्रमों में दाखिले होंगे। चूंकि पूर्व में इन कोर्स के संचालन के लिए संदेह की स्थिति बनी हुई थी, इसलिए प्रवेश परीक्षाएं आयोजित करने व्यापम को प्रस्ताव नहीं भेजा गया था।

■ बीए बीएड व बीएससी बीएड का नाम परिवर्तन कर किया जाना है आईटीईपी
■ प्रस्ताव नहीं मिलने के कारण व्यापम ने जारी नहीं की है प्रवेश परीक्षा के लिए अधिसूचना

अब पुराने नाम के साथ पाठ्यक्रम संचालन की अनुमति मिलने पर व्यावसायिक परीक्षा मंडल को प्रवेश परीक्षाएं आयोजित करने प्रस्ताव भेजा जाएगा। तत्पश्चात व्यापम द्वारा इसके लिए शेड्यूल जारी होगी। गौरतलब है कि व्यापम द्वारा सभी प्रवेश परीक्षाओं के शेड्यूल पूर्व में ही जारी किए जा चुके हैं। केवल बीए-बीएससी-बीकॉम बीएड का शेड्यूल तय नहीं हुआ है। दरअसल, राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अंतर्गत बीए बीएड, बीएससी बीएड और बीकॉम बीएड पाठ्यक्रम का नाम बदलकर आईटीईपी अर्थात इंटीग्रेटेड टीचर्स एजूकेशन प्रोग्राम किया जाना है। नाम परिवर्तन के लिए सभी राज्यों को सत्र 2024-25 तक का समय दिया गया था, लेकिन तय समय पर प्रक्रिया पूरी नहीं कर पाने के कारण एससीईआरटी यह बदलाव नहीं कर सका।

राज्य में हैं 200 सीटें

प्रदेश में बीए-बीएड व बीएससी बीएड की 200 सीटें हैं। इन सीटों में दाखिले व्यापम द्वारा आयोजित प्रवेश परीक्षाओं के माध्यम से होते हैं। बारहवीं उत्तीर्ण विद्यार्थी इन पाठ्यक्रमों में प्रवेश ले सकते हैं। इस चार वर्षीय पाठ्यक्रम के दौरान छात्रों को उनके संकाय बीए अथवा बीएससी के साथ बीएड पाठ्यक्रम का भी प्रशिक्षण दिया जाता है। सामान्य बीएड पाठ्यक्रम दो वर्षों का होता है और उसमें दाखिले स्नातक के बाद मिलते हैं। इस तरह से इसमें पांच वर्ष का समय लगता है। इंटीग्रेटेड बीए बीएड और बीएससी बीएड में छात्रों का एक वर्ष का समय बच जाता है।

अगले वर्ष तक बदलाव अनिवार्य

नेशनल काउंसिल फॉर टीचर्स एजूकेशन द्वारा अनुमति दिए जाने से इस सत्र में 200 सीटों पर छात्र प्रवेश लेकर अपना एक साल बचा सकेंगे। बीएड कॉलेज एसोसिएशन के सदस्य महेंद्र चौबे के अनुसार, 4 वर्षीय इंटीग्रेटेड कोर्स संचालित करने वाले सभी महाविद्यालयों को अगले सत्र तक आईटीईपी में ट्रांजिट होना होगा। आईटीईपी में बीकॉम भी शामिल होगा। फिलहाल इंटीग्रेटेड बीएड में केवल बीए और बीएससी को ही शामिल किया गया है।

तालाबों को बचाने उच्चस्तरीय समिति गठित कर वेटलैंड्स की जांच कराने की मांग

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

■ रिटेनिंग वॉल बनाने से रिसाव रुक जाता है और तालाब नष्ट हो जाता है
■ संरक्षण और प्रबंधन में लापरवाही बरती जा रही

सामाजिक कार्यकर्ता डा. राकेश गुप्ता ने रायपुर जिले में तालाबों की चिंता करते हुए प्रशासन से मांग की है कि रायपुर में वेटलैंड्स की स्थिति की जांच के लिए गठित समिति को भंग कर उच्च स्तरीय समिति का गठन किया जाए।

उन्होंने कहा कि स्वच्छ जल वाला तालाब के चारों ओर एक रिटेनिंग वॉल बनाने से वह नष्ट हो जाता है। रिटेनिंग वॉल बनाने से रिसाव रुक जाता है और तालाब नष्ट हो जाता है। उन्होंने कहा कि रायपुर में वेटलैंड्स के संरक्षण और प्रबंधन में लापरवाही बरती जा रही है। वेटलैंड अथॉरिटी ने 8 मई 2023 की शुरुआत में ही रायपुर के 2.25 हेक्टेयर और उससे अधिक क्षेत्रफल वाले सभी वेटलैंड्स की जांच करने के निर्देश जारी किए थे, जिनमें बूढ़ा तालाब, तेलीबांधा, महाराजबंध और कर्बला तालाब शामिल हैं। इस संबंध में कलेक्टर ने 11 जुलाई 23 को तत्कालीन वन मंडल अधिकारी (डीएफओ) के नेतृत्व में एक समिति गठित की, जिसके द्वारा सिर्फ तीन तालाब कर्बला, झांझ और सेंथ के वेटलैंड्स की जांच की। उन्होंने कहा कि विश्वसनीय स्त्रोतों के अनुसार यह समिति दिसंबर 2000 के बाद से देखे गए उच्चतम औसत बाढ़ स्तर (एचएमएफएल) को निर्धारित करने में विफल रही, जबकि वेटलैंड्स (संरक्षण और प्रबंधन) नियमों के तहत यह जरूरी आवश्यकता है। ये नियम स्पष्ट रूप से एचएमएफएल के अगले 50 मीटर के भीतर किसी भी स्थायी निर्माण को प्रतिबंधित करते है। इस महत्वपूर्ण मीट्रिक की चूक अत्यधिक संदिग्ध है और इसमें शामिल अधिकारियों की मंशा और परिश्रम के बारे में गंभीर चिंताएं पैदा होती हैं।

अथॉरिटी को कोई रिपोर्ट नहीं सौंपी

उन्होंने कहा कि दुर्भाग्य से रायपुर प्रशासन और तत्कालीन डीएफओ के बीच पूरी जागरूकता के बावजूद 2024 की शुरुआत में कर्बला तालाब में कई करोड़ रुपये की लागत से स्थायी रास्तों के निर्माण सहित बड़े पैमाने पर विकास कार्य किए गए। इन नियमों के उल्लंघनों को रोकने के लिए कोई हस्तक्षेप नहीं किया गया। इसके अलावा प्रशासन द्वारा अभी तक वेटलैंड अथॉरिटी को कोई रिपोर्ट नहीं सौंपी हैं। जिला वेटलैंड संरक्षण समितियों का गठन स्थानीय वेटलैंड्स की सुरक्षा और प्रबंधन के लिए किया गया था, जिसमें वह विफल रही है इसलिए इस समिति को भंग कर रायपुर में आर्द्रभूमि की स्थिति का आकलन करने के लिए वैज्ञानिकों की एक उच्च स्तरीय समिति गठित की जानी चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि दिसंबर 2000 के बाद से दर्ज किए गए उच्चतम औसत बाढ़ स्तरों को ध्यान में रखते हुए आर्द्रभूमि नियमों के कार्यान्वयन की स्थिति का मूल्यांकन किया जाए।

हरिभूमि

रायपुर, मंगलवार 13 मई 2025

लाइव

Email id- zindgi.live.hb@gmail.com

0771- 4242222, Message at - 9630172937

लाइव इवेंट

आपदा प्रबंधन में युवा निभाएंगे अहम भूमिका सिविल डिफेंस स्वयंसेवकों की होगी तैनाती

रायपुर। युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार के अंतर्गत संचालित 'एम-वाय भारत' ने देशभर के युवाओं से सिविल डिफेंस स्वयंसेवक के रूप में जुड़ने की अपील की है। इस पहल का उद्देश्य आपातकालीन परिस्थितियों, जैसे प्राकृतिक आपदाओं, दुर्घटनाओं और अन्य जनसंकटों में राहत, प्राथमिक उपचार और पुनर्वास कार्यों में युवाओं की भागीदारी सुनिश्चित करना है। मंत्रालय के अनुसार, प्रशिक्षित और सजग स्वयंसेवकों के सहयोग से स्थानीय प्रशासन को समय पर सहायता मिल सकेगी। एम-वाय भारत के डिप्टी डायरेक्टर अर्पित तिवारी ने बताया, "हम एक ऐसा स्वयंसेवक नेटवर्क तैयार करना चाहते हैं, जो संकट के समय तत्परता से राहत कार्यों में जुट सके और जीवनरक्षक सेवाओं में योगदान दे।"

पोर्टल पर करना होगा पंजीकरण

एम-वाय भारत के राज्य निदेशक अतुल जे. निकम ने बताया कि स्वयंसेवकों को आवश्यक प्रशिक्षण के साथ जीवन-रक्षा कौशल और नेतृत्व क्षमता विकसित करने का अवसर मिलेगा। उन्होंने बताया, "इस कार्यक्रम में नए और पूर्व पंजीकृत दोनों तरह के स्वयंसेवक भाग ले सकते हैं, और एम-वाय भारत पोर्टल (**https://mybharat.gov.in**) के जरिए पंजीकरण सरलता से किया जा सकता है। सुनीता चांसोरिया, राष्ट्रीय सेवा योजना, सहायक प्राध्यापक, दुर्गा कॉलेज का कहना है कि एक समर्पित नागरिक स्वयंसेवक बल राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया तंत्र को और अधिक तीव्र एवं प्रभावी बनाएगा। एम-वाय भारत ने युवाओं से अनुरोध किया है कि वे इस महत्वपूर्ण पहल में सहयोग देकर अपने समुदाय और देश के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाएं।

इन आपदाओं में निभाएंगे अहम भूमिका

देशभर में आपातकालीन परिस्थितियों से निपटने के लिए सिविल डिफेंस स्वयंसेवकों को विभिन्न महत्वपूर्ण क्षेत्रों में तैनात किया जाएगा। इनका उद्देश्य स्थानीय प्रशासन को सहयोग देना और संकट की घड़ी में त्वरित सहायता उपलब्ध कराना है। स्वयंसेवकों की जिम्मेदारियों में बचाव एवं निकासी अभियानों का संचालन, प्राथमिक चिकित्सा और आपातकालीन देखभाल, यातायात प्रबंधन एवं भीड़ नियंत्रण व आपदा प्रतिक्रिया और पुनर्वास कार्यों में सहयोग समेत सार्वजनिक सुरक्षा और जागरूकता अभियान में भागीदारी शामिल है।

● बच्चों की पसंद का स्टेशनरी खरीद रहे पैरेंट्स, टिफिन-बॉटल की बढ़ी बिक्री

स्कूल के लिए पहला कदम... पहला तोहफा, बाजार में आए डोरेमोन, मिकी माऊस, स्पाइडरमैन, कार्टून वाले गैजेट्स

गर्मी की छुट्टियों के चलते स्कूल खुलने में फिलहाल देर है, लेकिन पैरेंट्स अभी से ही पहली बार नर्सरी कक्षा में जाने वाले बच्चों के लिए यूनिक स्टेशनरी कलेक्शन ढूंढना शुरू कर दिए हैं। इसमें पानी बॉटल, टिफिन बॉक्स, मैजिक बुक्स, वाटर कलर्स, कलर पेंसिल, बॉल पेन, बैग, कंपास बॉक्स आदि जरूरी स्टेशनरी के सामान शामिल हैं। गौरतलब है कि छोटे बच्चों को डोरेमोन, मिकी माऊस, स्पाइडरमैन, कार्टून, जंगली जानवर आदि प्रिंट वाले स्कूली गैजेट्स काफी पसंद होते हैं।

कल्पना को पंख देते मैजिक बुक्स

बात करें ड्राइंग बुक व मैजिक बुक्स की तो एनिमल्स, फ्रूट्स, वेजिटेबल्स के की चित्र बने हुए हैं। मैजिक बुक्स व अन्य आकर्षक ड्राइंग बुक्स बच्चों को खेल-खेल में सीखने व नेचर को पहचानने में काफी मददगार होते हैं। मैजिक बुक्स में शेर, जिराफ, बंदर, हाथी जैसे जानवरों, आम, अंगूर, अनार, फूल गोभी, टमाटर आदि के बने चित्रों को वाटर पेन से स्क्रेच कर बच्चे रोमांचित हो रहे।

रायपुर। पैरेंट्स बच्चों के पसंद के साथ-साथ उनके लिए कंफर्ट स्टेशनरी का कलेक्शन करना चाहते हैं। शहर के गोलबाजार, सदरबाजार रोड स्थित स्टेशनरी शॉप में खासकर बच्चों के इंट्रेस्ट का अच्छा खासा कलेक्शन नजर आ रहा है। पैरेंट्स भी बच्चों के लिए स्टेशनरी खरदीने पहुंच रहे हैं। शहर के स्टेशनरी विक्रेता विवेक अग्रवाल ने बताया कि इस बार भी सभी किस्म की यूनिक स्टेशनरी उपलब्ध है, गर्ल्स, ब्वॉयज दोनों के हिसाब से स्पेशली नर्सरी फर्स्ट के बच्चों के लिए बजट में कार्टून प्रिंटेड, कंफर्ट स्टेशनरी गैजेट्स उपलब्ध हैं।

10 इन वन फन ब्लास्ट बॉल पेन

बच्चों के लिए वाटर कलर बॉक्स सेट के अलावा 10 इन वन फन ब्लास्ट नाम से बॉल पेन भी आई हुई है। वाटर कलर्स व कलर बॉल पेन, कलर पेंसिल बच्चों के सबसे पसंद व उपयोगी स्कूली सामान में से एक है। स्पाइडरमैन, कैप्टन अमेरिका, हल्क, बार्बी गर्ल प्रिंट वाले कंपास बॉक्स, पेंसिल, स्लेट, पहाड़ा, रेजर्स का कलेक्शन आया है।

बच्चों को भा रहे रैबिट पांडा वाटर बॉटल

हल्की होने के साथ-साथ पानी को सामान्य तौर पर कूल रख सके, ऐसे में इस सीजन में रैबिट व पांडा की डिजाइन वाली 800 से 900 एमएल की प्रिंटेड स्टेनलेस सहित अच्छी क्वालिटी की प्लास्टिक वाटर बॉटल बच्चों के लिए स्टेशनरी शॉप पर उपलब्ध है। इसके अलावा स्पाइडरमैन, आयरमैन, बेबी डॉल, प्रिंसेस प्रिंट, लेडी सुपरहीरो, एनिमल्स प्रिंट में मगरमच्छ, डॉल्फिन बच्चों के आकर्षित करते हुए प्रिंटेड पानी बॉटल 100 से 150 रुपए तक की रेंज में मिल रही हैं।

सुपरहीरो बेनटेन एंड एमसन के टिफिन बॉक्स

किड्स टिफिन बॉक्स कलेक्शन में इस बार नया सुपरहीरो बेनटेन एंड एमसन के कार्टून प्रिंट के स्टेनलेस हेल्दी टिफिन बॉक्स पहुंचे हैं।बच्चों के पसंद के अनुरूप पर्याप्त स्पेस वाले ये टिफिन बॉक्स 200 से 400 रुपए तक की रेंज में उपलब्ध हैं, जिसमें फ्रूट्स, रोटी, सब्जियों के लिए अलग-अलग पार्ट बने हुए हैं। टिफिन बॉक्स स्कूली बच्चों के स्कूल किट में सबसे महत्व का चीज है, पैरेंट्स उसी के हिसाब से टिफिन बॉक्स को एड कर रहे हैं, ताकि वे जो फूड्स टिफिन में डालें, वह फ्रेश रहें।

सिटी इवेंट

एक दिन प्रकृति की सैर, महिलाओं ने ऊर्जा पार्क में महसूस किया हरियाली का सुकून

रायपुर। ऊर्जा पार्क में महिलाओं के लिए एक विशेष प्रकृति की सैर का सोमवार को आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में कुल 30 महिलाओं ने भाग लिया, जिनमें से 6 महिलाएं पूर्व में पक्षी अवलोकन जैसी गतिविधियों से जुड़ी हुई थीं। बाकी महिलाओं के लिए यह एक नया, रोचक और जागरूकता से भरपूर अनुभव था। प्रतिभागियों ने साझा किया कि वे पहली बार अपने आसपास की प्रकृति को इतनी गहराई से देख और समझ पा रही थीं। इस सैर ने उन्हें मानसिक शांति, आनंद और प्रकृति से जुड़ने का अवसर प्रदान किया। यह आयोजन देशभर के विभिन्न राज्यों में शुरू की गई एक पहल का हिस्सा है। छत्तीसगढ़ में यह इस प्रकार का आयोजन दूसरी बार किया गया।

प्रकृति की सैर में विशेषज्ञों का मार्गदर्शन

इस आयोजन में साधना केंद्र का विशेष सहयोग रहा, जो विभिन्न जिलों की युवतियों को प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी में सहयोग प्रदान करता है। कार्यक्रम में मार्गदर्शन देने वाले पारुल, मानव संसाधन अधिकारी, श्रद्धा थवाईत, संयुक्त संचालक, वित्त, नम्रता यदु, प्रसिद्ध महिला उद्यमी, मशरूम केंद्र, मंजीत कौर, फाउंडेशन फॉर इकोलॉजिकल सिक्योरिटी, व डॉ. हिना चावड़ा, जीवन विद्या विशेषज्ञ, जो अपने परिवार सहित कार्यक्रम में उपस्थित रहीं। यह आयोजन न केवल महिलाओं को प्रकृति के प्रति संवेदनशील बनाता है, बल्कि उन्हें मानसिक ताजगी, आत्मिक संतुलन और सामूहिक जुड़ाव का अवसर भी प्रदान करता है।

छुट्टियों में महिलाएं सीख रहीं फैशन-ब्यूटी स्किल्स, कुकिंग से बढ़ रही आत्मनिर्भरता

मैक कॉलेज में महिलाओं के लिए एक विशेष निशुल्क प्रशिक्षण कार्यक्रम

रायपुर। महाराजा अग्रसेन इंटरनेशनल कॉलेज में महिलाओं के लिए एक विशेष निशुल्क प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया है, जिसका उद्देश्य उन्हें सौंदर्य और मेकअप के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाना है। इस कार्यक्रम के तहत मीनाक्षी टुटेजा सेलून की प्रशिक्षक ने प्रतिभागियों को मेकअप किट की आवश्यक सामग्रियों जैसे प्राइमर, कंसीलर, फाउंडेशन, आईशैडो, आईलाइनर, मस्कारा, काजल, ब्लश, हाईलाइटर, लिप पेंसिल और लिपस्टिक के उपयोग के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान की। इसके अलावा, उन्होंने रूटीन और ऑफिस मेकअप के तकनीकी पहलुओं पर भी प्रकाश डाला। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम महिलाओं को न केवल सौंदर्य कौशल में दक्ष बनाता है, बल्कि उन्हें स्वरोजगार के अवसर प्रदान कर आत्मनिर्भर बनने की दिशा में भी प्रेरित करता है।

इस पहल के माध्यम से प्रतिभागियों को मेकअप उद्योग में कॅरियर बनाने का मार्गदर्शन और आवश्यक प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है। ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण की बैच 15 अप्रैल से 30 मई तक प्रतिदिन शाम 4 से 5.30 बजे तक आयोजित की जा रही है।

सॉफ्ट ड्रिंक्स तैयार करना सिखाया

प्रशिक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत महिलाओं को बेसिक फैशन, ग्रूमिंग और कुकिंग के गुर सिखाए गए। फैशन और ग्रूमिंग सत्र में प्रशिक्षिका शिखा राजपूत ने बताया कि व्यक्तिगत प्रस्तुति को साफ-सुथरा, व्यवस्थित और आकर्षक बनाए रखना जरूरी है। कपड़ों का चयन मौसम, अवसर और स्थान के अनुसार करना चाहिए। कुकिंग सत्र में महक ललवानी ने प्रतिभागियों को खाना पकाने की विभिन्न तकनीकों के साथ-साथ गर्मियों के लिए उपयुक्त सॉफ्ट ड्रिंक्स तैयार करना सिखाया। उन्होंने सुरक्षित और स्वस्थ खाना बनाने के कौशल पर विशेष जोर दिया। कार्यक्रम की आगे की कक्षाओं में सेल्फ डिफेंस, सोशल मीडिया उपयोग, साइबर क्राइम से सुरक्षा, पर्सनालिटी डेवलपमेंट और मार्केटिंग जैसे विषयों पर विशेषज्ञों द्वारा प्रशिक्षण दिया जाएगा।

बच्चों को सिखाई जा रही सिख संस्कृति कीर्तन के साथ दे रहे इतिहास का ज्ञान

रायपुर। प्रदेश में स्कूलों के रिजल्ट आने के बाद बच्चों की गर्मी की छुट्टियां जारी हैं। इस दौरान कई सामाजिक संगठनों द्वारा बच्चों के लिए समर कैंप आयोजित किए जा रहे हैं, जिनमें उन्हें पढ़ाई के अलावा विशेष कौशल और संस्कार सिखाए जा रहे हैं। इसी कड़ी में गुरुनानक नगर स्थित गुरुद्वारा में शहीद भाई तारु सिंह फाउंडेशन द्वारा समर कैंप का आयोजन किया गया है। इस शिविर में केजी से लेकर कॉलेज तक के बच्चों को गुरमुखी लिपि, सिख संस्कृति, कीर्तन संगीत और सिख इतिहास की शिक्षा दी जा रही है। फाउंडेशन के प्रमुख सरदार त्रिलोचन सिंह और प्रीतपाल सिंह बग्गा ने बताया कि यह समर कैंप पिछले 16 वर्षों से लगातार सफलतापूर्वक आयोजित किया जा रहा है। कैंप के दौरान बच्चों के लिए निशुल्क चाय और नाश्ते की व्यवस्था भी की जाती है। समापन अवसर पर फाउंडेशन बच्चों के लिए एक पिकनिक का आयोजन भी करता है, जो इस शिविर का एक आकर्षक हिस्सा होता है।

कुंथुनाथ जिनालय में ध्वजा महोत्सव आज मुंबई के कलाकार देंगे संगीत की प्रस्तुति

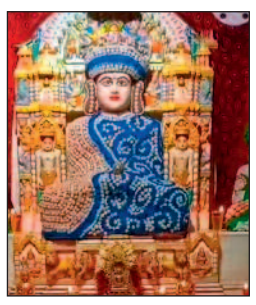

रायपुर। सन्मति नगर फाफाडीह स्थित कुंथुनाथ जिनालय के धन्यधरा पर जिनालय की 24वीं वर्षगांठ एवं 25वें ध्वजा महोत्सव का दो दिवसीय आयोजन किया जा रहा है। महोत्सव के अंतर्गत मंगलवार 13 मई को मेहंदी का आयोजन किया गया है। शाम से 6.30 बजे मेहंदी का कार्यक्रम होगा और शाम 7.30 बजे भक्ति संध्या एवं भव्यातिभव्य 108 दीपक से प्रभुजी की विशेष आरती एवं विशिष्ट सन्मान समारोह का आयोजन किया गया है। महोत्सव के दूसरे दिन बुधवार 14 मई को मंगल प्रवेश/भव्य सोमैया का आयोजन सुबह 6 बजे होगा, जिसमें चतुर्विध संघ की अगवानी में मुनि भगवंत महेंद्र सागर आदि ठाना एवं साध्वीश्री हसंकीर्ति आदि ठाना का मंगल प्रवेश होगा। सुबह 7 बजे सकल संघ की नवकारसी, 7.30 बजे ध्वजा की शोभायात्रा, 8.30 बजे श्री सत्तरभेदी पूजा होगी, जिसके लाभार्थी धर्मचंद लुंकड़ परिवार हैं। ध्वजारोहण का कार्यक्रम 10.36 बजे होगा और 11 बजे स्वामी वात्सल्य का आयोजन रखा गया है। ध्वजा महोत्सव के विधिकारक राजा भाई जयंतीलाल नंदू (मुंबई) होंगे और सौ. शीतल बेन व्यास संगीत पार्टी की प्रस्तुति में भगवान श्री कुंथुनाथ जैन श्वेतांबर मंदिर में सारे आयोजन होंगे। महोत्सव के मुख्य आकर्षण जिनालय की भव्य सजावट, प्रभुजी की भव्य अंग रचना, भव्य रंगोली, भव्य गहुली, जीवदया का कार्य और अनुकंपा दान होंगे।

कार्नर न्यूज

मनोवैज्ञानिक, शिक्षाविद, चिकित्सकों, सोसायटी मेंबर्स से स्मार्ट फोन के उपयोग के साथ कैसे बच्चे रहे स्क्रीन एडिक्ट फ्री

टीचर्स और पैरेंट्स मोबाइल यूज की टाइमिंग करें फिक्स तो मोबाइल एडिक्शन से बच जाएंगे बच्चे

रायपुर। इंफार्मेशन टेक्नोलॉजी के तौर पर स्मार्ट फोन आज हमारी लाइफ स्टाइल का अहम हिस्सा बन गया है। इसके इस्तेमाल के साथ-साथ छोटे बच्चों का बचपन, स्मार्टफोन की स्क्रीन तक सीमित न हो, इस पर भी ध्यान देने की आवश्यकता महसूस होने लगी है। बच्चे जो देखते हैं, वही सीखते हैं। घर, स्कूल सभी जगहों पर पैरेंट्स हों या टीचर्स, सबके हाथों में मोबाइल दिखता है। स्वभाविक है, बच्चे भी उन्हीं को फॉलो कर रहे हैं। 4 से 12 वर्ष तक की उम्र बच्चों में बिहेवियर क्वालिटी, क्रिएटिविटी डेवलपमेंट का महत्वपूर्ण समय होता है। उन्हें कम मोबाइल के अधिक संपर्क से दूर रखना होगा। इसके लिए पहला विकल्प टीचर्स व पैरेंट्स ही हैं, जो बच्चों को मोबाइल एडिक्ट होने से बचा सकते हैं, इसके लिए टीचर्स हो या पैरेंट्स, उन्हें मोबाइल के इस्तेमाल का समय निर्धारित करना पड़ेगा। वहीं बच्चों के सामने इंटरटेनमेंट, ऑफिस वर्क को लेकर मोबाइल पर अधिक व्यस्त दिखने से बचना होगा। दूसरा विकल्प एजुकेशनल व म्यूजिकल इंस्ट्रूमेंट्स, स्पोर्ट टॉयज दें, ड्राइंग, डांसिंग, सिंगिंग व म्यूजिकल क्लास से जोड़ें, आसपास के गार्डन में पेड़, पौधों, पक्षियों यानी नेचर से जोड़ें। आज-कल लगातार स्मार्ट फोन से कई तरह के नुकसान बच्चों को हो रहे हैं। ऐसे में इसके नुकसान के बिना हम कैसे स्मार्ट फोन का बेहतर उपयोग करें और बच्चे भी इसके एडिक्शन से बच जाएं, इसको लेकर मनोवैज्ञानिक, शिक्षाविदों, स्वास्थ्य विशेषज्ञों से बातचीत की गई।

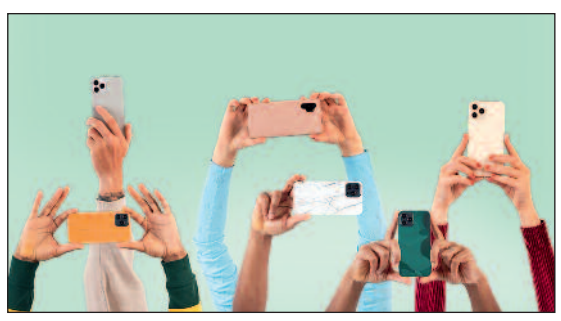

बच्चों के सामने मोबाइल का उपयोग न करें

एक निजी विश्वविद्यालय में बिहेवियर साइंस की प्रोफेसर एवं मनोवैज्ञानिक डॉ. प्रोमिला सिंह कहती हैं कि 4 से 12 वर्ष की उम्र बच्चों में बिहेवियर क्वालिटी, क्रिएटिविटी डेवलपमेंट का महत्वपूर्ण समय होता है। बच्चे सबसे अधिक संपर्क में पैरेंट्स व टीचर्स के रहते हैं। ऐसे में मम्मी-पापा, टीचर्स क्या कर रहे हैं, क्या बोल रहे हैं, इन बिहेवियर्स को उनका जिज्ञासु मन नोटिस करता है और उसी तरह के कार्यों, भाषाओं को सीखता है। आज पैरेंट्स, बच्चों के सामने ही स्मार्ट फोन पर ऑफिस वर्क, इंटरटेनमेंट, सेल्फी, रील्स आदि कार्य करते हैं, जिसे बच्चे भी सीखते हैं। यही सब बच्चों को मोबाइल एडिक्ट बना रहे हैं।

स्क्रीन से दूरी, बच्चों की आंखों के लिए बेहतर

शहर के जाने-माने नेत्ररोग विशेषज्ञ डॉ. चारुदत्त कलामकर का कहना है कि छोटे बच्चों की आंखों को सेहतमंद रखना है तो उन्हें स्मार्ट फोन स्क्रीन पर अधिक समय बिताने से रोकना होगा। कम से कम 4 से 10 वर्ष तक के बच्चों को डिजिटल स्क्रीन पर अधिक स्क्रीन टाइमिंग से बचाएं। अधिक स्क्रीन टाइमिंग से माएयोपिया नामक आंखों की समस्या देखने को मिल रही है।

सोसायटी में कर रहे अवेयर

शहर की अलग-अलग सोसायटी के के सदस्यों से बात करने पर उनका कहना है कि वे छोटे बच्चों को मोबाइल एडिक्शन से बचाने एजुकेशनल व म्यूजिकल इंस्ट्रूमेंट्स, स्पोर्ट टॉयज संबंधित सोसायटीज में खेलकूद, निशुल्क ड्राइंग, डांसिंग, सिंगिंग व म्यूजिकल क्लास का आयोजन कर रहे हैं। पैरेंट्स व स्कूल मैनेजमेंट्स भी इस विषय में चर्चाएं कर रहे हैं।

सिटी इवेंट

41 जोड़ों के आदर्श विवाह का साक्षी बना केंवट समाज

रायपुर। वीआईपी रोड स्थित फुंडहर में छत्तीसगढ़ निषाद (केंवट) समाज के प्रदेश व जिला संगठन के साथ ही क्षेत्रीय समिति रायपुर के तत्वावधान में 41 जोड़ों के आदर्श विवाह में समाज साक्षी बना। सुबह से एक तरफ जहां सभी जोड़ों के विवाह की रस्में निभाई जा रही थीं, वहीं दूसरी तरफ वार्षिक सम्मेलन और सम्मान समारोह का सिलसिला चल रहा था। इससे पहले कार्यक्रम की शुरुआत भगवान रामचंद्र, गुहा निषाद राज की पूजा-अर्चना से की गई। इसमें मुख्य अतिथि केंद्रीय जलशक्ति मंत्री (राज्यमंत्री) राजभूषण चौधरी, अध्यक्षता समाज के प्रदेश अध्यक्ष और गुंडरदेही विधायक कुंवर सिंह निषाद ने की। अतिविशिष्ट अतिथि सांसद बृजमोहन अग्रवाल, ग्रामीण विधायक मोतीलाल साहू रहे। नेहरूराम निषाद के साथ मार्तण्ड सिंह मांझी और नीरज कश्यप ने आयोजन को सफल बनाने अगवाई की।

विकास में समाज के योगदान को सराहा

सभी अतिथियों ने देश व राज्य के विकास में केंवट समाज के योगदान की सराहना की। रायपुर सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने समाज के फुंडहर जिला रायपुर में आवंटित जमीन पर हॉस्टल बनाने के लिए 25 लाख देने के लिए घोषणा की। इसके साथ ही वैवाहिक बंधन में बंधने वाले जोड़ों को आशीष देते हुए संवाद भी किया। इससे पहले सम्मेलन एवं सम्मान की श्रृंखला में नवनिर्वाचित सामाजिक प्रतिनिधि, नपं अध्यक्ष, जिपं सदस्य, जनपद अध्यक्ष-सदस्य, पार्षदों व समाज के 90 फीसदी से अधिक अंक पाने वाले मेधावी छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया गया। जैसे घर-परिवार के बीच वैवाहिक रस्मों को निभाते समय उत्सव का माहौल रहता है, कुछ वैसा ही वातावरण में अलग-अलग क्षेत्र से आए वर-वधू का विवाह हुआ। इसमें महिलाओं की भागीदारी सबसे ज्यादा रही। वे मंडप पूजा से लेकर हल्दी, चूलमाटी जैसी रस्मों को निभाने में भी सहयोगी बनीं। वहीं विवाह सम्पन्न कराने के लिए पुरोहित भी विवाह मंडप में मौजूद थे। सभी रस्मों को निभाने में दोनों ही पक्ष के लोगों ने भी सहयोग किया।

समाज लाइव

सिंधी महिला विंग की पहल गर्मी में ठंडक देने मठा सेवा

रायपुर। भीषण गर्मी में लोगों की प्यास बुझाने के लिए छत्तीसगढ़ सिंधी पंचायत महिला विंग द्वारा मरीन ड्राइव तेलीबांधा में सोमवार को मठा वितरण किया गया। राहगीरों की सेवा के लिए पहल करते हुए मेंबर्स ने छाछ वितरण करने पंडाल सजाया। इस दौरान आने जाने वाले राहगीरों को मठा बांटने के लिए सभी मेंबर्स के साथ समाज के लोगों ने इस पुण्य कार्य में सहयोग दिया। प्रदेश अध्यक्ष महेश दरयानी के मार्गदर्शन में महिला विंग की हेमा अमेसर ने टीमवर्क से इस आयोजन को सफल बनाया। सुभाष बजाज ने बताया कि इस दौरान मुख्य रूप से उत्तर विधायक पुरंदर मिश्रा, पूर्व विधायक श्रीचंद सुंदरानी, मुरलीधर उदासी, महेश दरयानी, बलराम आहूजा, कैलाश बालानी, तनेश आहूजा, कैलाश खेमानी, अमर चंदनानी ने आयोजन में सहयोग दिया।

राहगीरों तक लेकर पहुंचे छाछ के गिलास

सुकून की आस लिए दोपहर में मरीन ड्राइव में पौधों की छांव में समय बिताने वालों समेत मुख्य मार्ग से आवागमन करने वाले राहगीरों तक सदस्य छाछ का गिलास लेकर पहुंचे। विकास रूपरेला, मनीष पंजवानी, जया नेभानी, हेमा अमेसर, जूही दरयानी, चंचल बजाज व दीक्षा रमानी ने इस बीच व्यवस्था संभाली। रागिनी गोगिया सहित सभी महिला विंग की मेंबर्स ने इस आयोजन की रूपरेखा पहले बनाई थी। इसे सोमवार को सेवा का हिस्सा बनाया गया। इसमें समाज प्रमुख भी भागीदारी निभाते हुए हौसला बढ़ाने के लिए स्टाल पर पहुंचे।

● चुभती धूप के बीच मैनुअल समर क्लास के लिए सीमित समय, इसलिए हर वर्ग को जोड़ने नई पहल

बच्चों को संस्कार से जोड़ने ऑनलाइन क्लासेस युवाओं को एक्सपर्ट से घर-बैठे मिल रहा गाइडेंस

'जैसे-जैसे गर्मी करवट ले रही है, उसे देखते हुए इस सीजन के समर क्लास में अपेक्षा के अनुरूप प्रतिभागी नहीं पहुंच रहे हैं। मैनुअल समर क्लास में गर्मी की वजह से लोग कम पहुंच रहे हैं। विकल्प बनाकर अब अलग-अलग सामाजिक और शैक्षणिक संस्थाओं ने भी बच्चों और युवाओं को घर-बैठे नई सीख मिले, इसके लिए ऑनलाइन क्लासेस को अपनाया है। समर सीजन की मैनुअल क्लास के साथ बच्चों को शिक्षा और संस्कार देने की पहल एक्सपर्ट कर रहे हैं।'

रायपुर। महाराष्ट्र मंडल की आध्यात्मिक समिति ने महीनेभर के लिए ऑनलाइन बाल संस्कार शिविर शुरू किया है। छोटे बच्चे मैनुअल समर क्लास में गर्मी के चलते कम पहुंच रहे हैं। इसे देखते हुए बच्चों के उत्साह के साथ ऑनलाइन क्लास शुरू की गई। इससे करीब दो सौ प्रतिभागी बच्चे अलग-अलग ग्रुप के रूप में शिक्षा और संस्कार से जुड़ रहे हैं। इसमें पद्मासन की स्थिति में बैठकर ऊँ कार का जाप किया जाता है। इसके बाद हिंदी कैलेंडर के 12 महीनों के नाम बताए गए। कैलेंडर के महीने में दो पक्ष पूर्णिमा और अमावस्या, सप्ताह के सात वार जैसी मूलभूत जानकारियां दी जाती हैं। योग व आध्यात्मिक समिति की समन्वयक आस्था काले ने बताया कि शिविर को गुरुजनों में मंजूषा मरकले, डॉ. दिपाली अमीन, डॉ. अलकनंदा नारद, डॉ. मंजूषा वैशंपायन व चारुशीला बच्चों को अपने-अपने ग्रुप में पहले से तय विषयों पर चर्चा करने जुड़ती हैं। बच्चों को चारों वेदों और 18 पुराणों के बारे में तर्क के साथ बताया जा रहा है।

सुरक्षा क्रांति एप पर दे रहे सीख

भारत की परंपरा वैदिक, वैज्ञानिक और सनातन होने के साथ आधुनिक है। शस्त्र और शास्त्र ज्ञान से सुसज्जित हमारा प्राचीन भारत समृद्धशाली रहा है। इसका मूल कारण गुरुकुल शिक्षा व्यवस्था रही, जैसे गुरुकुलीय परंपरा से ही सुरक्षा क्रांति एप के माध्यम से ऑनलाइन क्लास से जुड़ रहे हैं। इस ऑनलाइन क्लास को शुरू करने और इससे हर वर्ग को जोड़ने का प्रयास भी कारगर है। लोग तपती धूम में यहां-वहां आने जाने के बजाय घर बैठे सुरक्षा क्रांति के ऑनलाइन मंच से जुड़ रहे हैं। जहां युवाओं के प्रेरणास्रोत वक्ता अलग-अलग विषयों पर उन्हें जानकारी देते हैं।

हर वर्ग को जोड़ने सिर्फ एक समय

इस ऑनलाइन वेबीनार को रात 8 बजे से साढे नौ बजे तक चलती है। इसमें भारत के अलग-अलग राज्यों के लगभग 400 भाई-बहनों ने भाग लेना शुरू किया है। अधिक जानकारी के लिए गुरुकुल क्रांति की वेबसाइट पर भी लोगों को जानकारी मिल रही है। इसमें हर वर्ग और एज ग्रुप के लोग जुड़ रहे हैं। निशुल्क ऑनलाइन क्लास के माध्यम से हर वर्ग को वेद, दर्शन, उपनिषद, व्याकरण, शास्त्रों की शिक्षा से धर्म का बोध कराते हैं। आत्मसुरक्षा के लिए शस्त्र विद्या, संस्कार निर्माण, योग विद्या ,आरोग्य जीवन और सुदृढ़ दिनचर्या का प्रशिक्षण देने प्रयास किया जाता है।

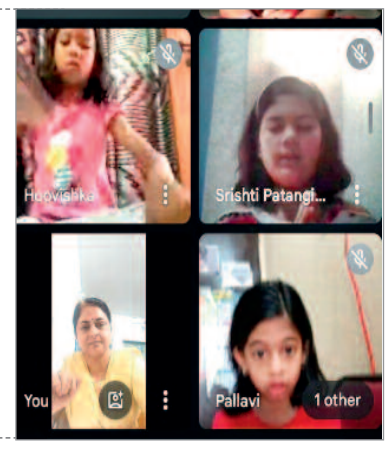

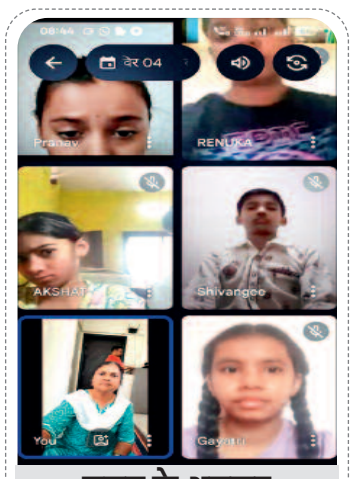

समय के अनुरूप शिक्षा देने का प्रयास

सिविल लाइंस में गरीब वर्ग के युवाओं को अलग-अलग प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी के लिए निशुल्क कोचिंग क्लास को युवा संस्था के नाम से संचालित करने का दायित्व एम. राजीव राव निभाते हैं। ऐसे युवाओं के लिए ऑनलाइन क्लास भी चला रहे हैं। युवा के संस्थापक ने बताया कि ग्रामीण क्षेत्र में रहते हुए जो गरीब वर्ग के युवा रेलवे, एसएससी, सीजीपीएससी, व्यापम, बैंकिंग की परीक्षा के लिए तैयारी करते हैं। ऐसे 1800 युवाओं के लिए नौ अलग-अलग ऑनलाइन क्लासेस संचालित करते हैं। इसमें हर दिन और समय के लिए अलग-अलग विषय विशेषज्ञ जुड़ते हैं।

राष्ट्र को समर्थ और शक्तिशाली बनाने, विश्व में शांति स्थापना के लिए हवन पूजन

बुद्ध पूर्णिमा पर गृहे-गृहे गायत्री यज्ञ, 11 हजार से ज्यादा घरों में डाली गई आहुति

रायपुर। लोगों में आध्यात्मिक नवजागरण के लिए अखिल विश्व गायत्री परिवार शांतिकुंज हरिद्वार द्वारा गृहे-गृहे गायत्री यज्ञ का आयोजन 11 एवं 12 अप्रैल को राष्ट्र को समर्थ और शक्तिशाली बनाने के लिए किया। साथ ही विश्व में शांति और भारत को राष्ट्रगुरु के रूप में स्थापित करने के लिए बुद्ध पूर्णिमा के अवसर पर यह महाभियान चलाया गया। छत्तीसगढ़ में एक लाख 51 हजार घरों में गायत्री यज्ञ आयोजित करने का लक्ष्य रखा गया था। इसमें से सिर्फ रायपुर जोन में ही 11 हजार से ज्यादा घरों में 3 एवं 5 कुंडीय यज्ञ लोगों ने परिवार के साथ किया। गायत्री परिवार की जोन समन्वयक आदर्श वर्मा ने बताया कि छत्तीसगढ़ में लक्ष्य से अधिक घरों में यज्ञ हुआ।

संस्कारों से जोड़ने हर परिवार ने की पहल

गृहे-गृहे यज्ञ में परिवारों ने भाग लेकर इसे सफल बनाने में अहम भूमिका निभाई। यज्ञ में गायत्री परिवार द्वारा नए परिवारों का चयन किया गया था। जोन समन्वयक आदर्श वर्मा और गायत्री शक्तिपीठ समता कॉलोनी के मुख्य प्रबंध ट्रस्टी श्याम बैस ने बताया कि यज्ञ के माध्यम से हम जहां आत्मिक शांति अपने घरों में पहुंचाते हैं, वहीं यज्ञ में दी गई आहुतियों से वातावरण शुद्ध और नकारात्मक ऊर्जा नष्ट हो जाती है। आरके शुक्ला ने बताया कि धार्मिक संस्थाओं, योग संस्थाओं में यज्ञ किया गया। राम मंदिर तेलीबांधा के साथ ही काली माता मंदिर, बंजारी मंदिर, जगन्नाथ मंदिर में यज्ञ किया गया।

समूह में किया 3 और 5 कुंडीय यज्ञ

श्रीमती वर्मा ने बताया कि पुरोहितों द्वारा स्थानीय लोगों को प्रशिक्षण भी दिया गया, ताकि स्वयं यज्ञ कर सकें। यज्ञ का क्रम दोनों दिन सुबह 7 बजे से शाम 6 बजे तक चला। रायपुर जिला समन्वयक लच्छूराम निषाद व युवा प्रकोष्ठ के मेंबर प्रज्ञा प्रकाश निगम ने बताया कि कई स्थानों पर 3 से 5 कुण्डीय सामूहिक यज्ञ किया गया। इसमें 4 से 5 पारियों में श्रद्धालुओं ने गायत्री, महामृत्यंजय, सूर्य मंत्र, कुलदेव, ईष्टदेव और ग्रामदेव के नाम से आहुति देते हुए जड़ी-बूटी युक्त हवन सामग्री समर्पित की। अभी तक प्रदेश के सभी जोन के आंकड़े नहीं आए हैं।

देशभर की विभिन्न भाषाओं में आनंदवाणी का पाठ, भगवान और आनंदमूर्ति पर चर्चा

रायपुर। आनंद मार्ग के संस्थापक श्रीश्री आनंदमूर्ति जी के 104वें आविर्भाव दिवस आनंद पूर्णिमा महोत्सव पर सुबह 6.07 बजे मंगल ध्वनि, जयघोष और आतिशबाजी हुई। आवर्त कीर्तन, मीलित साधना, गुरु पूजा के पश्चात श्रीश्री आनंदमूर्ति जी का प्रवचन वीडियो के माध्यम से दिखाया गया। इस दौरान देश-विदेश की विविध भाषाओं जैसे छत्तीसगढ़ी, हिंदी, बांग्ला, अंग्रेजी, संस्कृत, उड़िया, भोजपुरी, नेपाली भाषा में आनंदवाणी पाठ किया गया। सुबह 10 बजे वृंदावन हॉल में सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित हुआ, जिसमें शिव और कृष्ण गीतिका पर आधारित प्रभात संगीत और नृत्य प्रस्तुतियां दी गईं। इन प्रस्तुतियों में आनंद मार्ग परिवार एवं धनेली व उमरिया स्कूल की छात्राओं ने भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान आयोजित विचार गोष्ठी में वक्ताओं ने मानव समाज के धरोहरः भगवान सदाशिव, श्रीकृष्ण और श्रीश्री आनंदमूर्ति विषय पर चर्चा की, जिसमें आध्यात्मिक, साधना और तंत्र के सूक्ष्म रहस्यों पर प्रकाश डाला गया। कृषि विशेषज्ञ प्रदीप शर्मा ने पौराणिक आख्यानों में सदाशिव, श्रीकृष्ण और बुद्ध की लौकिक विशिष्टता के कई रहस्यों को विस्तार से समझाया।

दीक्षा से जीवन की मुक्ति होगी

छत्तीसगढ़ी समाज के अध्यक्ष डॉ. सत्यजीत साहू कहा कि साधना का परम लक्ष्य है मुक्ति, मोक्ष, आनंद रसमय समाधि। साधना में गुरु, तंत्र-मंत्र और दीक्षा से जीवन की मुक्ति होगी। समापन में क्विज और ड्राइंग कॉम्पिटिशन के विजेताओं और सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति देने वाले बच्चों को पुरस्कार वितरित किया गया। कार्यक्रम का संचालन साधना एवं अविनाश गुप्ता ने किया। इस अवसर पर आचार्य अर्पितानंद अवधूत, रितेश्वरानंद अवधूत, अवधूतिका आनंद नीतिसुधा आचार्या, अवधूतिका आनंद सुचिलेखा आचार्या, आचार्य रामलाल दानी, जागेश्वर प्रसाद, केपी सिंह सहित बड़ी संख्या में आनंद मार्गी उपस्थित रहे। यह जानकारी रायपुर भुक्ति प्रधान यदुनाथ ने दी।

व्यक्ति स्वयं ही नकारात्मक सोच में डूबा रहता है और उसी कारण दुखी होता है

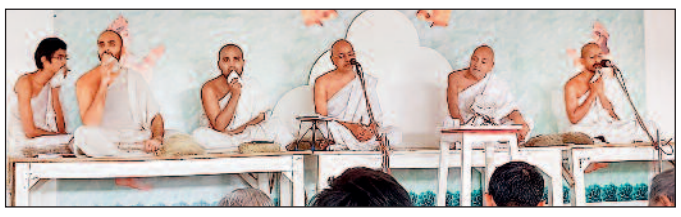

रायपुर। न्यू राजेंद्र नगर स्थित वर्धमान मंदिर में विशेष पारिवारिक प्रवचन श्रृंखला-तनावमुक्त जीवन की ओर एक संस्कारित पहल के अंतर्गत उपाध्याय भगवंत महेंद्र सागर महाराज ने ग्यारहवें दिन सोमवार को जीवन में तनावमुक्त रहने का मूलमंत्र देते हुए बताया, यह ध्यान रखना आवश्यक है कि जीवन में उत्पन्न होने वाली समस्याएं वास्तव में स्वतः उत्पन्न हो रही हैं या दूसरों के कारण पैदा हो रही हैं। प्रायः देखा गया है कि व्यक्ति स्वयं ही नकारात्मक सोच में डूबा रहता है और उसी कारण दुखी होता है। कभी-कभी जब कोई दूसरा व्यक्ति कुछ कह देता है और हम उसकी बातों को लेकर परेशान हो जाते हैं तो यह हमारी आंतरिक कमजोरी को दर्शाता है। गुरु भगवंत कहते हैं कि हमें आवश्यकता से अधिक सोचना बंद करना होगा, क्योंकि अत्यधिक विचार करना मानसिक रूप से हमें कमजोर बना सकता है। किसी भी विषय पर सोचने से पहले यह विचार अवश्य करें कि वह विषय हमारे लिए कितना आवश्यक है। अधिकांश लोग या तो अतीत की बातों को लेकर चिंतित रहते हैं या फिर भविष्य की आशंकाओं में उलझे रहते हैं। जबकि यह कहा गया है कि चिंता करना चिता के समान होता है।

निश्चिंत होकर अपने कार्य पर ध्यान दें

गुरु भगवंत कहते हैं कि कुछ माताएं अपने बच्चों को लेकर अत्यधिक चिंतित रहती हैं। जब बच्चा स्कूल जाता है तो वे सोचने लगती हैं कि वह सुरक्षित स्कूल पहुंचा या नहीं, कहीं गिर तो नहीं गया, शिक्षक ने उसे कुछ डांट तो नहीं लगाई या अन्य बच्चों के साथ उसकी कोई लड़ाई तो नहीं हो गई। इस प्रकार के विचार मन में आते हैं। यदि आप बच्चे की चिंता करते हुए घर का कार्य करेंगी तो कार्य प्रभावित होगा। जब आपको पता है कि बच्चा दोपहर 12 बजे स्कूल से लौटेगा, तब चिंता करने की कोई आवश्यकता नहीं है। यदि कोई अप्रिय घटना होती है तो आपको सूचना अवश्य मिलेगी और तब आप उचित निर्णय ले सकते हैं, लेकिन जब तक कोई सूचना नहीं है, तब तक निश्चिंत होकर अपने कार्य पर ध्यान दें।

ज्योतिष

समसप्तक राजयोगः इन राशियों का आएगा सुनहरा समय, अटका हुआ पैसा मिलेगा

आने वाले समय में होने वाले ग्रहों के संयोग का किस राशि पर क्या प्रभाव पड़ेगा? मई का महीना शुरू चुका है। ज्योतिषीय दृष्टि से यह महीना विशेष रहेगा। बृहस्पति तीव्र गति से पारगमन करेगा। राहु-केतु राशि परिवर्तन करेंगे। इसके अलावा, नौ ग्रहों में से 6 इसी महीने में गोचर करेंगे। कहा जा रहा है कि इसका न सिर्फ राशियों पर बल्कि देश-दुनिया पर भी व्यापक असर पड़ सकता है।

मेषः मित्रों, रिश्तेदारों या सरकार की मदद से लंबे समय से लंबित कार्य पूरा होने की प्रबल संभावना है। कार्यस्थल पर अनुकूल परिवर्तन देखने को मिल सकते हैं। काम में गति आ सकती है। विपक्ष समर्थन देना शुरू कर देगा। आप किसी शुभ या पारिवारिक आयोजन में भाग ले सकते हैं। सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ सकती है।

वृषभः आय में वृद्धि हो सकती है। आय के नए स्रोत बन सकते हैं। इस अवधि में सामाजिक दायरा बढ़ेगा। नये मित्रों या सम्बन्धों से लाभ होगा। कार्यस्थल या व्यवसाय में टीम परियोजनाओं और समूह गतिविधियों में सफलता मिलने की संभावना है।

मिथुनः कार्य व व्यापार में प्रगति प्राप्त हो सकती है। बेरोजगारों को नौकरी मिल सकेगी। साथ ही इस अवधि में जीवन में सुख-सुविधाएं बढ़ेंगी। कार्यस्थल पर सम्मान एवं पदोन्नति के अवसर मिलेंगे। नौकरीपेशा लोगों को पदोन्नति मिल सकती है।

सिंहः योजनाएं सही दिशा में आगे बढ़ेंगी। शुभचिंतकों या प्रभावशाली लोगों की मदद से किसी पुरानी समस्या या लंबित मामले का समाधान संभव होगा। मानसिक एवं आध्यात्मिक संतुष्टि प्राप्त की जा सकती है। यह अवधि आर्थिक रूप से लाभकारी रहने की संभावना है। आय के नए स्रोत बनेंगे। फंसा हुआ पैसा भी वापस मिल सकता है।

तुलाः लंबे समय से चली आ रही समस्याओं का अंत हो सकता है। आप विरोधियों को पराजित कर सकते हैं। कार्यस्थल पर प्रभुत्व रहेगा। आपको अपनी कड़ी मेहनत का फल मिल सकता है। कार्यस्थल पर स्थिति मजबूत हो सकती है। आलस्य त्यागने के कई लाभ हैं।

वृश्चिकः भाग्य के सहयोग से कार्यक्षेत्र में मेहनत का फल मिलेगा। जिस कार्य के लिए आपने पूर्व में अथक प्रयास किए हैं, उसमें वांछित सफलता मिलने की संभावना है। जमीन या संपत्ति से जुड़े कामों में विशेष लाभ मिल सकता है। यदि आप किसी प्रॉपर्टी में निवेश करने की सोच रहे हैं तो यह समय अनुकूल हो सकता है। यह सौदा आर्थिक रूप से लाभदायक हो सकता है।

मकरः आप अपने परिवार के साथ अच्छा समय बिताने में सफल होंगे। उच्च शिक्षा से संबंधित परीक्षाओं की तैयारी कर रहे छात्रों को बड़ी सफलता मिल सकती है। आपको माता-पिता, शिक्षकों और मार्गदर्शकों से पूर्ण सहयोग मिल सकता है।

कुंभः भाई-बहनों और करीबी दोस्तों के साथ आप अच्छा समय बिता पाएंगे। इस राशि पर साढ़ेसाती का अंतिम चरण शुरू हो रहा है। इस राशि के लोगों के जीवन में चल रही परेशानियां अब समाप्त हो सकती हैं। आप संचार कौशल के माध्यम से सफल हो सकते हैं। आप आत्मविश्वास से भरे रहेंगे।

मीनः व्यक्तित्व में निखार आएगा। विवाहित लोगों का वैवाहिक जीवन सुखमय रहेगा। जीवनसाथी को पदोन्नति मिल सकती है। अविवाहित लोगों को विवाह के प्रस्ताव मिल सकते हैं। जीवनशैली में सकारात्मक बदलाव हो सकते हैं।

बृहस्पति का गोचरः इन राशियों को होगा लाभ सहित देश दुनिया पर भी होगा प्रभावी

नवग्रहों में सबसे महत्वपूर्ण राशि परिवर्तन मई माह में होगा। नवग्रहों में गुरु माने जाने वाले बृहस्पति वृषभ राशि से मिथुन राशि में प्रवेश करेंगे। बृहस्पति एक राशि में लगभग एक वर्ष तक रहता है। हालाँकि, कई वर्षों के बाद, हम बृहस्पति का पारगमन देखेंगे। सूर्य अपने पारगमन के दौरान बृहस्पति के करीब से गुजरेगा। इसलिए बृहस्पति आक्रामक तरीके से गोचर करेगा।

वृषभः बृहस्पति का तीव्र गति से गोचर अनुकूल हो सकता है। इस अवधि में समय-समय पर अचानक आर्थिक लाभ प्राप्त हो सकता है। आर्थिक स्थिति मजबूत होगी और धन निवेश करने का यह सही समय है। प्रेम संबंधों में स्थिरता आएगी और विवाहित जोड़ों के बीच प्रेम बढ़ेगा। इस अवधि में मनोकामनाएं पूर्ण होंगी। बनाई गई योजनाएं सफल होंगी।

मिथुनः जीवन में अच्छे परिणाम देखने को मिलेंगे। आध्यात्म की ओर रुझान रहेगा। आप धार्मिक मामलों में सक्रिय रूप से भाग ले सकेंगे। आर्थिक स्थिति अच्छी रह सकती है। लंबे समय से चले आ रहे आर्थिक संकट से राहत मिल सकती है। यात्रा के दौरान कई संयोग घटित हो सकते हैं। सुखद घटनाएँ घटित हो सकती हैं।

कन्याः बृहस्पति का तीव्र गति से गोचर सकारात्मक हो सकता है। अच्छे दिन शुरू हो सकते हैं। कार्य व व्यापार में विशेष प्रगति प्राप्त हो सकती है। नौकरीपेशा लोगों को पदोन्नति मिल सकती है। आय में वृद्धि होने की संभावना है। व्यापार में लाभ हो सकता है। बेरोजगारों को नौकरी मिल सकेगी। आप कोई वाहन या संपत्ति खरीद सकते हैं।

तुलाः बृहस्पति का तीव्र गति से गोचर शुभ हो सकता है। आप भाग्यशाली हो सकते हैं। आप किसी धार्मिक या शुभ आयोजन में भाग ले सकते हैं। आप यात्रा पर जा सकते हैं।

पुदीने की तासीर ठंडी होती है, जो गर्मियों में खासतौर से फायदेमंद होती है

स्वास्थ्य के लिए लाभदायक है पुदीना कई समस्याओं से दिलाए निजात

पुदीना एक ऐसा पौधा है, जिसका उपयोग कई तरह की समस्याओं के इलाज में किया जा सकता है। यह न केवल खाने का स्वाद बढ़ाता है, बल्कि कई स्वास्थ्य लाभ भी दे सकता है। पुदीना में मौजूद एंटीऑक्सीडेंट और सूजन को कम करने वाले गुण शरीर को स्वस्थ रखने में मदद करते हैं। इसके अलावा पुदीने की तासीर ठंडी होती है, जो गर्मियों में खासतौर से फायदेमंद होती है। आइए पुदीने के कुछ प्रमुख फायदे जानते हैं।

पाचन क्रिया को सुधारने में है सहायक

पुदीना पाचन क्रिया के लिए बहुत ही फायदेमंद माना जाता है। इसमें एक खास तत्व होता है, जो पेट की नलियों को आराम देकर पाचन को सुधारने का काम करता है। इसके अलावा पुदीने की तासीर ठंडी होती है, जो पेट की गर्मी को शांत करने में मदद करती है। अगर आप रोजाना पुदीने की चाय पीते हैं तो इससे आपके पाचन तंत्र की कार्यक्षमता बढ़ती है और खाना अच्छे से पचता है।

सांसों की बदबू को दूर करने में है कारगर

पुदीने की तासीर ठंडी होती है, जिस वजह से यह मुंह की दुर्गंध को दूर करने में मदद कर सकता है। अगर मुंह की दुर्गंध दूर करने के लिए पुदीने की चाय का सेवन किया जाए तो यह बहुत ही फायदेमंद साबित हो सकता है। इसके लिए पुदीने की चाय बनाते समय इसमें थोड़ा-सा दालचीनी पाउडर मिलाकर पीएं। इससे मुंह की दुर्गंध दूर होगी और सांसों में ताजगी बनी रहेगी।

त्वचा के लिए है फायदेमंद

पुदीने का तेल त्वचा के लिए बहुत फायदेमंद होता है। इसमें मौजूद गुण त्वचा को ताजगी देते हैं और नमी बनाए रखते हैं। अगर आप नियमित रूप से पुदीने का तेल लगाते हैं तो आपकी त्वचा मुलायम बनी रहती है। इसके अलावा पुदीने के तेल का इस्तेमाल करने से त्वचा की समस्याएं जैसे कि मुंहासे, झाइयां आदि भी कम होती हैं। इसलिए इसे अपने दिनचर्या में शामिल करना फायदेमंद हो सकता है।

तनाव और अनिद्रा से दिलाएगा छुटकारा

पुदीने की खुशबू तनाव को कम करने का काम करती है। अगर आप पुदीने की खुशबू सूंघते हैं तो इससे आपका दिमाग शांत होता है और आप बेहतर महसूस करते हैं। इसके अलावा पुदीने की तासीर ठंडी होती है, जो अनिद्रा की समस्या को दूर करने में मदद कर सकती है। अगर आप सोने से पहले पुदीने की चाय पीते हैं तो आपकी नींद अच्छी आती है और आप तरोताजा महसूस करते हैं।

चेहरे पर आ गया अनचाहा तिल या मस्सा, तो हटाने के लिए अपनाएं यह घरेलू नुस्खा

अगर चेहरे पर सही जगह तिल हो तो सुंदरता बढ़ जाती है लेकिन कई बार चेहरे पर ज्यादा बड़े तिल या मस्से आपकी खूबसूरती को खराब भी कर देते हैं। ऐसे में लोग तरह-तरह के मार्केट में मिल क्रीम लगाने लगते हैं। वहीं कई लोग सर्जरी कराने की सोचते हैं। अगर आप चेहरे पर हो रहे इन मस्से से ज्यादा परेशान है तो यहां बताने जा रहे है होम मेड यानी की घरेलू नुस्खे, जो त्वचा की समस्या से छुटकारा दिला सकते हैं। आइये जानते शानदार घरेलू टिप्स।

अरंडी का तेल और बेकिंग सोडा

अरंडी का तेल मस्सों को हटाने सहित त्वचा की कई समस्याओं को हल करने में मदद करता है। बेकिंग सोडा की बात करें तो यह त्वचा को एक्सफोलिएट करता है और मस्सों को धीरे-धीरे दूर करता है। अरंडी के तेल की कुछ बूंदें लें और इसमें एक चुटकी बेकिंग सोडा मिलाएं। इसके बाद अपना चेहरा धो लें और मिश्रण को तिल या मस्से पर लगाएं। इसे रात भर या कुछ घंटों के लिए छोड़ दें। इसे कुछ दिनों के लिए इसी तरह लगाएं और फिर आपको इसका असर दिखेगा।

शहद और फ्लैक्ससीड ऑयल

शहद को फ्लैक्ससीड ऑयल के साथ मिलाने से मस्से जल्दी ठीक हो जाते हैं। शहद त्वचा को पोषण भी देता है। इसे लगाने का आसान तरीका है। मस्सों पर शहद और फ्लैक्ससीड ऑयल की 3-4 बूंदों के मिश्रण की एक मोटी परत लगाएं। इसे चेहरे पर घंटों तक लगा रहने दें। फिर इसे धोकर सुखा लें। आपकी त्वचा पर मस्से खत्म हो जाएगी।

आलू का रस – आलू में सल्फर, फॉस्फोरस और क्लोरीन होते हैं। ये तत्व तिल और दाग-धब्बों को दूर करने में मदद करते हैं। इसमें एंजाइम भी होते हैं जो मस्सों को सिकोड़ते हैं। सबसे पहले आलू के स्लाइस काट लें और सोने से पहले प्रभावित जगह पर लगाएं। आप आलू को मस्सों पर लगाने के लिए उसकी प्यूरी या कद्दूकस भी कर सकते हैं। मस्सों को जल्दी हटाने के लिए आपको पेस्ट को दिन में दो बार, दस मिनट के लिए लगाना चाहिए।

अनन्नास का रस – अनानस का रस अशुद्धियों और मृत कोशिकाओं को साफ करने के लिए एक बेहतरीन मलहम के रूप में काम करता है। इसके रस में मौजूद एंजाइम और साइट्रिक एसिड पाया जाता है। इस वजह से चेहरे के बड़े तिल या मस्से हट जाते हैं। इसे एक रूई को ताजे अनानास के रस में भिगो दें। इसे प्रभावित क्षेत्र पर लगाएं और चिपकने वाली पट्टी या टेप से ढक दें। इसे कुछ घंटों के लिए तिल पर लगा रहने दें और सामान्य पानी से धो लें। जल्द रिजल्ट के लिए प्रक्रिया को नियमित रूप से दोहराएं।

प्याज का रस – प्याज का रस भी मस्सों को दूर करने में बहुत अच्छा है। इसे एक प्याज को बारीक पीस लें। इसे तिल पर धीरे से लगाएं। इसे आधे घंटे से अधिक समय तक लगा रहने दें, फिर ठंडे पानी से धो लें। आप मस्सों को दूर करने के लिए बराबर अनुपात में थोड़ा सा नमक या सेब का सिरका भी मिला सकते हैं।

इस मौसम में खाएं पका हुआ कटहल शरीर से कोसों दूर रहेंगी कई बीमारियां

क्या आपने पका हुआ कटहल खाया है। नहीं तो खा लें क्योंकि ये इस मौसम के कुछ सबसे हेल्दी फलों में से एक है। जी हां, ये मौसम कटहल का है और इस मौसम में आपको पका हुआ कटहल जरूर खा लेना चाहिए। दरअसल, इस फल में न सिर्फ फाइबर और रफेज की अच्छी मात्रा होती है बल्कि, इसमें कई ऐसे कैरोटीनॉयड और एंटीऑक्सीडेंट्स होते हैं जो कि सेहत के लिए कई प्रकार से फायदेमंद है।

पका हुआ कटहल खाने के फायदे –

डायबिटीज में फायदेमंद है पका हुआ कटहल : आपका शरीर कटहल को अधिक धीरे-धीरे पचाता और अवशोषित करता है, जो कि डायबिटीज के मरीजों के लिए बहुत जरूरी है। यानी कि कटहल का फल लो ग्लाइसेमिक इंडेक्स वाला है जो कि ब्लड शुगर मैनेज करने के साथ, शुगर स्पाइक को रोकता है।

कब्ज में फायदेमंद है कटहल : कटहल फाइबर का एक अच्छा स्रोत है, इसलिए यह आपको लंबे समय तक भरा हुआ महसूस करने में मदद कर सकता है। साथ ही ये आपके मल त्याग को नियमित रखने में भी मददगार है जिससे कब्ज की समस्या परेशान नहीं करती है।

हाई बीपी में कटहल : हाई बीपी के मरीजों के लिए पोटेशियम से भरपूर फूड्स का सेवन फायदेमंद होता है। ऐसे में कटहल जो कि पोटेशियम से भरपूर है आपके ब्लड वेसेल्स को चौड़ा करने में मदद करता है और ब्लड प्रेशर बढ़ने से रोकता है।

अल्सर : कटहल में मौजूद एंटीऑक्सीडेंट्स पेट में अल्सर की समस्या को कम करने में मदद कर सकते हैं। ये मुंह के छालों को रोकते हैं और पाचन तंत्र के काम काज को बेहतर बनाते हैं। साथ ही ये फल पेट का पीएच बैलेंस करने में भी मददगार है। तो, अगर आपको ये तमाम फायदे चाहिए तो आपको कटहल का फल खाना चाहिए।

आम से बनाई जा सकती हैं ये खट्टे-मीठे स्वादिष्ट व्यंजन, जानें तरीके

गर्मियों में आम का सेवन सेहत के लिए बहुत फायदेमंद होता है। यह न केवल स्वादिष्ट होता है, बल्कि इसमें कई पोषक तत्व भी होते हैं। आम से कई तरह के व्यंजन बनाए जा सकते हैं, जो आपके खाने का स्वाद बढ़ा सकते हैं। इस लेख में हम आपको आम से बनाई जाने वाली कुछ चीजों की रेसिपी बताएंगे, जिन्हें आप आसानी से घर पर बना सकते हैं और अपने खाने का आनंद ले सकते हैं।

आम की खट्टी-मीठी चटनी : आम की खट्टी-मीठी चटनी एक पारंपरिक भारतीय व्यंजन है, जिसे आम से बनाया जाता है। इसे बनाने के लिए कच्चे आम को छोटे टुकड़ों में काटकर उसमें गुड़, नमक और मसाले मिलाए जाते हैं। यह चटनी रोटी या पराठे के साथ बहुत अच्छी लगती है। इसे आप किसी भी मुख्य भोजन के साथ खा सकते हैं। इसका स्वाद बच्चों से लेकर बड़ों तक सभी को पसंद आता है, जिससे यह हर घर की पसंदीदा चटनी बन जाती है।

आम का अचार : आम का अचार बिना भारतीय खाने की थाली अधूरी मानी जाती है। इसे बनाने के लिए कच्चे आम को टुकड़ों में काटकर उसमें सरसों का तेल, नमक, हल्दी, लाल मिर्च पाउडर और अन्य मसाले मिलाए जाते हैं। इस अचार को धूप में कुछ दिनों तक रखा जाता है ताकि सारे मसाले अच्छे से मिल जाएं। यह अचार लंबे समय तक टिकता है और खाने का स्वाद बढ़ा देता है। इसे आप रोटी या पराठे के साथ खा सकते हैं।

आम का दही : गर्मियों में ठंडा-ठंडा आम का मीठा दही पीना बहुत ही ताजगी भरा अनुभव है। इसे बनाने के लिए पके हुए आम को मिक्सर में पीसकर उसमें दही, शक्कर और थोड़ा-सा पानी डालकर अच्छे से मिलाया जाता है। यह पेय न केवल स्वादिष्ट होता है, बल्कि इसमें प्रोटीन और विटामिन्स भी होते हैं। इसे आप किसी भी समय पी सकते हैं। यह आपके शरीर को ठंडक पहुंचाता है और गर्मी से राहत दिलाता है।

आम का हलवा : आम का हलवा एक मिठाई है, जिसे खास मौकों पर बनाया जाता है। इसे बनाने के लिए पके हुए आम को कद्दूकस करके घी में भून लिया जाता है, फिर उसमें चीनी, इलायची पाउडर और सूखे मेवे मिलाए जाते हैं। यह हलवा बहुत ही स्वादिष्ट होता है और सभी को पसंद आता है। इसे आप किसी भी खास मौके पर बना सकते हैं और अपने मेहमानों को खुश कर सकते हैं।

आम की कुल्फी : गर्मियों में ठंडा-ठंडा आम की कुल्फी खाना बहुत ही मजेदार अनुभव है। इसे बनाने के लिए पके हुए आम को मिक्सर में पीसकर उसमें क्रीम, दूध और चीनी मिलाई जाती है, फिर इस मिश्रण को कुल्फी के सांचे में भरकर ठंडा होने रखा जाता है।

गर्मियों में इन कारणों से चेहरे पर लगाएं बर्फ जानें इस्तेमाल का तरीका और फायदे

झूलसी हुई त्वचा के लिए आरामदेह

झूलसी हुई त्वचा के लिए चेहरे पर बर्फ लगाना कई प्रकार से फायदेमंद है। ये आपकी स्किन को पहले अंदर से ठंडा करता है और डैमेज स्किन को रिहाइड्रेट करता है। इसके अलावा ये धूप के कारण चेहरे पर दिखती रेडनेस को कम करता है और स्किन के टैक्सचर को सही करता है।

सनटैन को कम करने में मददगार है

गर्मियों में लोग सनटैन से सबसे ज्यादा परेशान होते हैं। इसकी वजह से आपकी स्किन डल और बदरंग नजर आ सकती है। ऐसे में चेहरे पर बर्फ लगाना, इसल सनटैन को कम करने में मददगार है। इतना ही नहीं ये स्किन के अंगर ब्लजड सर्कुलेशन को सही करता है, कोलेजन बढ़ता जिससे सनटैन में कमी आती है।

स्किन की कई समस्याओं का इलाज

अगर आपकी स्किन ड्राई है या एक्ने की समस्या है तब भी बर्फ लगाना आपके लिए फायदेमंद है। ये आपकी स्किन को अंदर से रिहाइड्रेट करता है और ठंडक एक्ने की जलन व खुजली को कम करता है। इस प्रकार से स्किन के लिए कई प्रकार से फायदेमंद है।

चेहरे पर बर्फ लगाने का तरीका-

बर्फ के टुकड़ों को सीधे त्वचा पर लगाना थोड़ा नुकसानदेह हो सकता है क्योंकि इससे जलन हो सकती है। इसके बजाय, एक मुलायम सूती कपड़े में लगभग चार या पांच बर्फ के टुकड़े लें और उन्हें बांध लें। दिन में दो बार लगभग दो मिनट इससे चेहरे की मालिश करें। इस तरह करना स्किन के लिए फायदेमंद है।

फिल्म इवेंट

हॉलीवुड

'थंडरबोल्ट्स' की पोस्ट-क्रेडिट सीन पर हुआ बड़ा खुलासा, 'एवेंजर्स: डूम्सडे' से है कनेक्शन

मार्वल सिनेमैटिक यूनिवर्स की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'थंडरबोल्ट्स*' को लेकर फैंस में उत्साह चरम पर है। हाल ही में ऑनलाइन प्लेटफॉर्म्स खासकर रेडिट पर फिल्म की पोस्ट-क्रेडिट सीन को लेकर चर्चाएं तेज हो गईं। कई फैंस का मानना था कि यह सीन न केवल 'फैंटास्टिक फोर' की एंट्री का संकेत देता है, बल्कि 'एवेंजर्स: डूम्सडे' से भी जुड़ा है। अब फिल्म के निर्देशक जेक श्रेयर ने एक इंटरव्यू में इन अटकलों को सच करार दिया है। जेक श्रेयर ने एंटरटेनमेंट वीकली को दिए इंटरव्यू में पुष्टि करते हुए कहा कि थंडरबोल्ट्स* का अंतिम पोस्ट-क्रेडिट सीन वास्तव में 'एवेंजर्स: डूम्सडे' के लिए बनाया गया था। यह सीन हाल ही में जोड़ा गया और यह भविष्य की कहानी का संकेत देता है। जब उनसे पूछा गया कि क्या न्यू एवेंजर्स सबसे पहले 'फैंटास्टिक फोर' से मिलेंगे तो उन्होंने साफतौर पर जवाब नहीं दिया। उन्होंने कहा, आप जितना जानते हैं, उतना ही मैं जानता हूं। मैं उस सीन के सेट पर था, लेकिन मैंने इसे निर्देशित नहीं किया। यह उस फिल्म का हिस्सा है, जिसका प्रोडक्शन सोमवार से शुरू हो रहा है। श्रेयर ने कहा कि वॉचटावर में फिल्माया गया आखिरी शॉट भीमहीने ही शूट किया गया। उन्होंने कहा, मैं वहां मौजूद था और इसे देखकर बहुत खुश हुआ।

टॉलीवुड

जेलर 2 में इस हीरो की एंट्री, पुलिस वाला बनने के लिए मिल रहे 50 करोड़

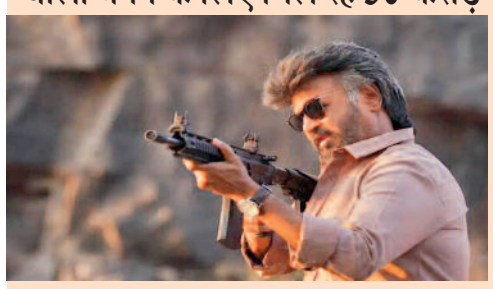

थलाइवर रजनीकांत के साथ नेल्सन दिलीपकुमार की आने वाली फिल्म जेलर 2 इन दिनों खूब चर्चा बटोर रही है। जहां रजनी और राम्या कृष्णन अपनी भूमिकाओं को फिर से निभाने के लिए तैयार हैं, वहीं सीक्वल में शिव राजकुमार और मोहनलाल सहित विभिन्न क्षेत्रीय उद्योगों के सुपरस्टार कैमियो करेंगे। खैर, हाल ही में ऐसी खबरें आई थीं कि डाकू महाराज फेम नंदमुरी बालकृष्ण कैमियो के रूप में सबसे नए जोड़े जा रहे हैं। रिपोर्ट्स बताती हैं कि बालकृष्ण एक पुलिस वाले की भूमिका निभाएंगे, कथित तौर पर उन्हें बहुत बड़ी रकम दी जा रही है। बालकृष्ण जेलर 2 में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। चौंकाने वाली बात यह है कि फिल्म के निर्माता, सन पिक्चर्स ने उन्हें एक छोटे शेड्यूल के लिए मोटी रकम देने पर सहमति जताई है। एक सूत्र ने बताया कि नंदमुरी बालकृष्ण ने जेलर 2 के लिए 20 दिन का शेड्यूल तय किया है। रिपोर्ट के अनुसार, बालकृष्ण ने 20 दिन के शेड्यूल के लिए 50 करोड़ रुपए मांगे और निर्माता बिना किसी हिचकिचाहट के इसके लिए राजी हो गए। एक रिपोर्ट के अनुसार, फिल्म की यूनिट के एक करीबी सूत्र ने पुष्टि की है कि बालकृष्ण कैमियो के लिए आ रहे हैं। कथित तौर पर, उनकी भूमिका एक शक्तिशाली होगी.हालांकि, बालकृष्ण की भूमिका कैमियो से ज्यादा एक गेस्ट के तौर पर होगी, सूत्र ने ये भी दावा किया है कि फिल्म में प्रशंसकों को उनका किरदार पसंद आएगा। वहीं, अगर रिपोर्ट्स की मानें तो बालकृष्ण कैमियो रोल के लिए सबसे ज्यादा पैसे लेने वाले अभिनेता बन गए हैं।

भोजपुरी

कसाई पाकिस्तान... 'ऑपरेशन सिंदूर' पर धड़ाधड़ बन गए 10 भोजपुरी गाने

भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव का माहौल बरकरार है। पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद हिंदुस्तान के ऑपरेशन सिंदूर ने पड़ोसी मुल्क की कमर तोड़ दी है। इस बीच भोजपुरी संगीत की दुनिया ने भी सेना के जज्बे और वीरता को अपनी कला से सलाम करने का काम किया है। यूट्यूब पर एक के बाद एक 'ऑपरेशन सिंदूर' पर धड़ाधड़ भोजपुरी गाने रिलीज हो रहे हैं। सुपरस्टार सिंगर पवन सिंह से लेकर समर सिंह जैसे दिग्गजों के इन गीतों को जमकर देखा और सुना भी जा रहा है। जनता इन गीतों के कॉमेंट सेक्शन में भारत माता की जय के नारे लगा रही है। यह गीत देश के जांबाज सैनिकों को समर्पित है, जो पाकिस्तान की नापाक हरकतों का मुंहतोड़ जवाब दे रहे हैं। गाने में पवन सिंह पाकिस्तान की तुलना कसाई से कर रहे हैं और इस बार उसे सबसे बड़ा सबक सिखाने की बात कर रहे हैं। पवन सिंह के इस गाने 'ऑपरेशन सिंदूर' के बोल किशोर दुलारुआ ने लिखे हैं। जबकि संगीत से सजाने का काम गौतम यादव ने किया है। इस गाने का अभी ऑडियो वर्जन ही रिलीज हुआ है। जबकि सुपरस्टार के फैंस ने इसे खबर लिखे जाने तक 1.35 लाख से अधिक बार सुना जा रहा है। इसी तरह सिंगर समर सिंह ने भी अपना गाना 'सिंदूर के लड़ाई' रिलीज किया है। इसे उन्होंने शिल्पी राज के साथ मिलकर गाया है। गीत के बोल आलोक यादव और राणा सिंह ने लिखे हैं। जबकि संगीत से सजाने का काम अभिराम पांडे ने किया है।

मिस वर्ल्ड 2025 का आगाज

लाइफ स्टाइल

72वीं मिस वर्ल्ड 2025 प्रतियोगिता का भव्य आगाज हैदराबाद में 11 मई को हुआ। इसमें भारत, नेपाल, श्रीलंका, बांग्लादेश सहित कुल 110 देश शामिल हैं। उद्घाटन समारोह में तेलंगाना की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को रंगीन प्रस्तुतियों के माध्यम से दर्शाया गया। पारंपरिक लोकगीतों और जनजातीय नृत्यों ने दर्शकों का दिल जीत लिया। 110 देशों से आई प्रतियोगियों का पारंपरिक अंदाज में गर्मजोशी से स्वागत किया गया। मिस वर्ल्ड प्रतियोगिता में न सिर्फ सुंदरता को, बल्कि प्रतिभा, सेंस ऑफ ह्यूमर, स्टाइल, और सामाजिक संवेदनशीलता को भी परखा जाता है। 2025 संस्करण में 110 देशों की खूबसूरत और टैलेंटेड महिलाएं हिस्सा ले रही हैं। भारत तीसरी बार मिस वर्ल्ड प्रतियोगिता की मेजबानी कर रहा है। इससे पहले 1996 और 2024 में यह आयोजन भारत में हुआ था।

हर नई दुल्हन के पास होने चाहिए सिर पर पहने जाने वाले ये आकर्षक व सुंदर आभूषण

भारतीय महिलाओं का शादी का श्रृंगार बिना गहनों के अधूरा रहता है। वे अपने लुक में चार-चांद लगाने के लिए हार, बालियां, कंगन, चूड़ियां, पायल और नथ जैसे जेवरात पहनती हैं, जो उन्हें किसी महारानी जैसा महसूस करवाते हैं। पिछले कुछ सालों से महिलाएं सिर पर पहनने वाले जेवरों को भी चाव से पहनने लगी हैं, जिनमें बोरला से लेकर माथापट्टी तक, कई पीसेज शामिल होते हैं। हर दुल्हन के पास सिर पर पहनने वाले ये गहने जरूर होने चाहिए।

मांग टीका : दुल्हन के आभूषणों में मांग टीका बेहद अहम होता है, जो सिर पर पहना जाता है। इसमें आगे की ओर नग, मोती या रत्नों से सजी हुई लटकन लगी होती है और इसे चेन की मदद से बालों में लगाया जाता है। भारत में कई अलग-अलग प्रकार के मांग टीके मिलते हैं, जिनमें से एक आप अपने लुक के मुताबिक चुन सकती हैं। आप राजस्थानी बोरला पहन सकती हैं, गुजराती दमानी ले सकती हैं या

झूमर सजा सकती हैं।

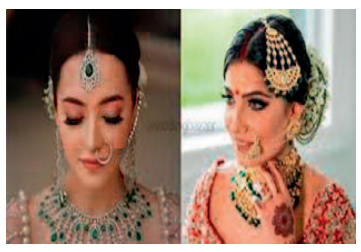

माथापट्टी : माथापट्टी शब्द 2 शब्दों से मिलकर बनता है, जिसमें 'माथा' का मतलब सिर और 'पट्टी' का मतलब पट्टा या बैंड होता है। यह सिर पर सजाया जाने वाले गहना है, जो मुकुट के समान नजर आता है। इस आभूषण को पारंपरिक रूप से दक्षिण भारत या राजस्थान की दुल्हन पहनती हैं। इसमें एक पतली चेन लगाई जाती है, जिससे एक बड़े आकार का पेंडेंट लटका होता है। साथ ही, इसके बीच-बीच में भी नग और मोती लगे होते हैं।

टोपर

बंगाली दुल्हन टोपर नाम का एक पारंपरिक गहना पहनती हैं, जो असल में एक मुकुट होता है। यह एक शंक्वाकार सिर का गहना होता है, जो बंगाली हिंदू विवाह समारोह के दौरान दूल्हे द्वारा भी पहना जाता है। टोपोर आमतौर पर शोला से बना होता है और सफेद रंग का होता है। इसे सौभाग्य और खुशी का प्रतीक माना जाता है। इन दिनों कई दुल्हन शादी के दिन सोने या चांदी से बना टोपर भी पहनना पसंद करती हैं।

चोटी में लगाने वाले जेवर

आज-कल की दुल्हन शादी के दिन बालों का जूड़ा बनाने से ज्यादा चोटी बनाना पसंद करती हैं। चोटी को सजाने के लिए वे इसपर लगाए जाने वाले जेवर पहनती हैं, जो इन दिनों बेहद ट्रेंड में हैं। ये जेवर फूलों वाली डिजाइन समेत कई अन्य डिजाइन में आते हैं और इनमें नग, रत्न और मोती आदि लगे होते हैं। आप इस आभूषण को त्योहारों या अन्य समारोहों के दौरान भी पहन सकती हैं, इसीलिए इसे खरीदना एक अच्छा निर्णय होगा।

हर महिला के पास होनी चाहिए ये स्कर्ट लुक में चार चांद लगाने में करेंगी मदद

फैशन

स्कर्ट एक ऐसा परिधान है, जो हर महिला की अलमारी में होना चाहिए। यह न केवल आरामदायक होती है, बल्कि खूबसूरत भी दिखती है। अलग-अलग अवसरों के लिए अलग-अलग प्रकार की स्कर्ट चुनना सही रहता है। इस लेख में हम आपको पांच ऐसी स्कर्ट के बारे में बताएंगे, जो हर महिला के पास होनी चाहिए और जिनसे वह हर मौके पर खास दिख सकती है। इन स्कर्ट्स को आप आसानी से अपने कपड़ों में शामिल कर सकती हैं।

पेंसिल स्कर्ट : पेंसिल स्कर्ट एक बेहतरीन विकल्प है, जो दफ्तर और औपचारिक आयोजनों के लिए सही है। यह स्कर्ट शरीर के आकार को दर्शाती है और इसे पहनकर आप पेशेवर लुक पा सकती हैं। पेंसिल स्कर्ट को अलग-अलग ब्लाउज या शर्ट के साथ पहना जा सकता है, जिससे आपका लुक हमेशा नया और आकर्षक लगेगा। इस स्कर्ट को पहनने से आपका आत्मविश्वास बढ़ता है और आप हर मौके पर बेहतरीन दिखती हैं।

मैक्सी स्कर्ट : मैक्सी स्कर्ट लंबे आकार की होती है, जो गर्मियों में बहुत आरामदायक होती है। इसे रोजमर्रा के उपयोग के लिए या किसी छोटे-मोटे उत्सव में पहना जा सकता है। मैक्सी स्कर्ट को हल्के ब्लाउज के साथ पहना जा सकता है। यह स्कर्ट आपको लंबा और पतला दिखाती है, जिससे आपका लुक बेहद खास लगता है। इसके साथ सैंडल या फ्लैट पहनें और हल्के गहने लगाएं ताकि आपका लुक पूरा हो सके।

फ्लेयर्ड स्कर्ट : फ्लेयर्ड स्कर्ट ऊपर से तंग और नीचे से खुली होती है, जिससे यह घूमने पर बहुत सुंदर लगती है। इसे पार्टी या किसी खास मौके पर पहना जा सकता है। फ्लेयर्ड स्कर्ट को हल्के ब्लाउज के साथ पहना जा सकता है। इस तरह की स्कर्ट पहनने से आपका लुक न केवल आकर्षक लगेगा बल्कि आप पूरी रात आरामदायक महसूस करेंगी। इसके साथ हील्स पहनें ताकि आपका लुक और भी खास लगे।

मिनी स्कर्ट : मिनी स्कर्ट युवा महिलाओं के बीच बहुत लोकप्रिय होती जा रही है। इसे दोस्तों के साथ घूमने जाते समय पहना जा सकता है। मिनी स्कर्ट को टॉप के साथ पहना जा सकता है। इसके साथ आरामदायक जूते या फ्लैट चप्पलें अच्छी लगती हैं। मिनी स्कर्ट पहनने से आपका लुक न केवल आकर्षक लगेगा बल्कि आप पूरी रात आरामदायक महसूस करेंगी। यह स्कर्ट आपको आत्मविश्वास भी देती है।

एलाइन स्कर्ट : एलाइन स्कर्ट ऊपर से चौड़ी होती है, जिससे यह हर प्रकार की शरीर की बनावट पर अच्छी लगती है। इसे दफ्तर, कॉलेज या किसी छोटे-मोटे उत्सव पर पहना जा सकता है। एलाइन स्कर्ट को टॉप या शर्ट के साथ पहना जा सकता है। इसके साथ हील्स पहनें ताकि आपका लुक और भी खास लगे।

काली रंग की कुर्तियों को स्टाइल करने के लिए अपनाएं ये आसान तरीके

काली रंग की कुर्तियां महिलाओं के बीच बहुत लोकप्रिय हैं। ये न केवल पारंपरिक हैं, बल्कि स्टाइलिश भी दिखती हैं। काली रंग की कुर्तियों को सही तरीके से पहनने पर आप किसी भी अवसर पर आकर्षक दिख सकती हैं। इस लेख में हम आपको कुछ ऐसी फैशन टिप्स देंगे, जिनसे आप अपनी काली रंग की कुर्तियों को अलग-अलग तरीकों से स्टाइल कर सकती हैं। इन टिप्स से आपका लुक हर बार नया दिखेगा।

पारंपरिक लुक के लिए चूड़ीदार पहनें : पारंपरिक लुक के लिए काली कुर्तियों के साथ चूड़ीदार पहनना एक बेहतरीन तरीका है। इससे आपका लुक न केवल पारंपरिक लगेगा, बल्कि बहुत ही आकर्षक भी दिखेगा। आप अपनी काली कुर्तियों को चूड़ीदार के साथ मेल कर सकती हैं या विपरीत रंग की चूड़ीदार पहन सकती हैं। इसके साथ हल्की एक्सेसरीज का उपयोग करें, जैसे कि छोटे झुमके और पतली चूड़ियां। इससे आपका लुक पूरा और संतुलित लगेगा।

जींस के साथ पहनें : अगर आप कुछ नया आजमाना चाहती हैं तो अपनी काली कुर्तियों को जींस के साथ पहनें। यह मेल आपको एक आधुनिक और मिश्रित लुक देगा। आप अपनी काली कुर्तियों को हल्की या गहरी नीली जींस के साथ पहन सकती हैं। इसके साथ आरामदायक जूते पहनें ताकि आपका लुक सहज रहे। यह स्टाइल आपको खास मौकों पर भी आकर्षक दिखाने में मदद करेगा और आपको आत्मविश्वास देगा।

लहंगा या स्कर्ट के साथ बनाएं शाही अंदाज : अगर आप किसी खास मौके पर शाही अंदाज अपनाना चाहती हैं तो अपनी काली कुर्तियों को लहंगा या लंबी स्कर्ट के साथ पहनें। यह मेल आपको एक राजकुमारी जैसा महसूस कराएगा और हर किसी की नजरें आप पर टिक जाएंगी। इसके साथ हल्के गहनों का उपयोग करें, जैसे कि झुमके और चूड़ियां।

फैशन जगत में हो रही कमर की चेन की चर्चा, जानिए इसे स्टाइल करने के तरीके

महिलाएं अपना श्रृंगार करने के लिए कई तरह के आभूषण पहनती हैं, जो अलग-अलग अंगों की शोभा बढ़ाते हैं। हालांकि, इन दिनों एक खास तरह का जेवर महिलाओं का पसंदीदा बन रहा है, जिसे कमरबंद या कमर वाली चेन कहते हैं। यह आभूषण प्राचीन समय से रानियों के श्रृंगार का अहम हिस्सा रहा है, लेकिन अब इसकी लोकप्रियता अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बढ़ने लगी है। आज के फैशन टिप्स में कमर की चेन को स्टाइल करने के तरीके जानें।

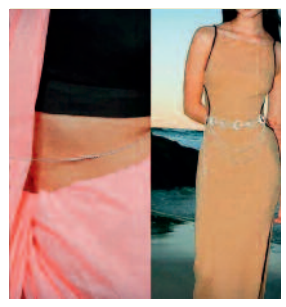

साड़ी के साथ पहनें : प्राचीन समय में भारतीय महिलाएं कमरबंद पहना करती थीं, जिसका चलन समय के साथ कम होता गया। हालांकि, जैसे-जैसे पश्चिमी देशों में इसका ट्रेंड बढ़ने लगा, वैसे-वैसे

भारतीय महिलाएं भी इसे दोबारा अपनाने लगीं। कमर की चेन को पारंपरिक तरीके से स्टाइल करने के लिए आप उसे साड़ी पर पहन सकती हैं। साड़ी को बांधने के बाद कमर के पास यह चेन पहन लें और पल्लू को उसके नीचे टक कर लें।

क्रॉप टॉप और लो वेस्ट जींस के साथ स्टाइल करें : पश्चिमी देशों में कमर की चेन को महिलाएं क्रॉप टॉप और जींस के साथ पहनना पसंद कर रही हैं। इस आभूषण की असली सुंदरता को निखारने के लिए आपको लो वेस्ट जींस का चुनाव करना चाहिए। क्रॉप टॉप और जींस पहनने पर थोड़ा सा पेट दिखता है, जिसपर आपको अपनी कमर की चेन बांधनी चाहिए। यह लुक कॉलेज, पार्टी और पिकनिक आदि के लिए अच्छा रहता है। कैप्री पैंट को स्टाइल करने के लिए आप ये टिप्स अपना सकती हैं।

स्कर्ट के साथ लगेगी शानदार: इन दिनों स्कर्ट पहनने का भी चलन है, जिनके साथ कमर की चेन सबसे सुंदर लगती हैं। सफेद रंग की लंबी स्कर्ट पहनें और उसके साथ पारंपरिक लुक वाला टॉप या शार्ट कुर्ती स्टाइल करके कमर की चेन सजाएं।

कार्नर न्यूज

मां हमें दुनिया में लाकर सबसे बड़ा तोहफा देती हैं, लेकिन खुद के लिए समय नहीं निकाल पाती

आपके पास नहीं है सजने-संवारने का समय नई मां इस तरह करें अपना मेकअप

दुनियाभर में मातृ दिवस पर कार्यक्रम चल रहे हैं, जो मां को शुक्रिया कहने का मौका है। मां हमें दुनिया में लाकर सबसे बड़ा तोहफा देती हैं, लेकिन खुद के लिए समय नहीं निकाल पाती हैं। नई मां का सारा समय बच्चे की देखभाल करने में ही गुजर जाता है और सजना-संवारना तो उनके लिए नामुमकिन-सा हो जाता है। हालांकि, अगर आप इन मेकअप टिप्स के जरिए सजेंगी तो कम समय में भी आपको आकर्षक लुक मिल जाएगा।

कंसीलर से दाग-धब्बे छुपाएं

बच्चे रातभर जागते हैं और दिनभर सोते हैं, इस कारण मां की नींद पूरी नहीं होती है। ऐसे में उनकी आखों के नीचे काले घेरे आ जाते हैं।आप बाहर जाते समय इन दागों को छुपाने के लिए कंसीलर का इस्तेमाल कर सकती हैं। अपनी रंगत से मेल खाता हुआ कंसीलर लेकर पूरे चेहरे पर लगाएं और थोड़ा हल्का कंसीलर आखों के नीचे लगाएं। इससे आखों के काले घेरे छुप जाएंगे और आपको कवरेज भी मिल जाएगी।

लिपस्टिक रौनक बढ़ाएं

लाल या गुलाबी जैसे जीवंत रंगों वाली लिपस्टिक चेहरे की रौनक को बढ़ा देती है। अगर आपके पास बिलकुल भी समय न हो तो आप केवल लिपस्टिक लगाकर भी बाहर जा सकती हैं। होंठों पर लगाने के बाद थोड़ी-सी लिपस्टिक को अपने गलों पर लगाकर रगड़ लें। साथ ही, गुलाबी रंग की लिपस्टिक को आखों पर भी लगा लें। इससे एक ही उत्पाद के जरिए आपके गाल, होंठ और आखें, तीनों चमक जाएंगी।

सनस्क्रीन लगाना न भूलें

घर से बाहर निकलते समय आपको अपनी त्वचा की देखभाल पर ध्यान देना बिलकुल नहीं भूलना चाहिए। इसके लिए एक लाइट वेट सनस्क्रीन खरीदकर रख लें, जिसे लगाकर आप सूरज की किरणों से सुरक्षित रह सकेंगी। नई मां के लिए सनस्क्रीन स्टिक खरीदना ज्यादा सहूलियत भरा होता है, जिसे आप मेकअप के ऊपर भी आसानी से लगा सकती हैं। इन दिनों बाजार में सनस्क्रीन स्प्रे भी मिलते हैं, जिन्हें केवल शरीर पर छिड़कना होता है।

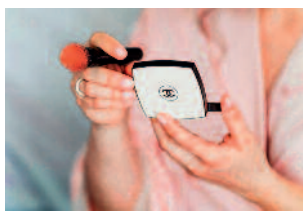

कॉम्पैक्ट पाउडर से पसीना रोकें

घर के काम करते-करते और बच्चे को संभालने-संभालते मां को पसीना आने लगता है। इसके कारण चेहरा मुरझाया हुआ दिखने लगता है और उसकी रौनक कम हो जाती है। ऐसे में आपको पसीना दूर करने के लिए एक अच्छी गुणवत्ता वाला कॉम्पैक्ट पाउडर इस्तेमाल करना चाहिए। यह उत्पाद चेहरे के निखार को बढ़ाने और उसे गोरा दिखने में भी मदद करता है। इस उत्पाद को लगाना बिलकुल भी मुश्किल नहीं होता है।

मस्कारा से थकान छुपाएं

नींद की कमी से आखें सोई-सोई नजर आने लगती हैं। उन्हें बड़ा और सुंदर दिखने के लिए आपको मस्कारा लगाना चाहिए। इसकी मदद से आखों की थकान को छुपाना संभव हो सकेगा और पलकें भी बड़ी दिखाई देने लगेंगी। अगर आपके पास थोड़ा ज्यादा समय हो तो आप सुंदरता बढ़ाने के लिए आई लाइनर और काजल भी लगा सकती हैं।